



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रोधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 19] नई दिल्ली, शनिवार, मई 9, 1987/वैशाख 19, 1909
No. 19] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 9, 1987/VAISAKHA 19, 1909

इस भाग में शिल्ल पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन हो सके
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I) PART II—Section 3—Sub-section (I)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय निकायों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए गए और जारी किए गए साधारण नियम जिसमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनिर्देश आदि सम्मिलित हैं।

General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and (by the Central Authorities other than the Administration of Union Territories)

IN THE SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 1st May, 1987

NOTICE

G.S.R. 328.—In supersession of notification dated 10th March, 1987 it is hereby notified that the Advocates-on-Record Examination will commence from Monday the 6th July, 1987 and not from 11th May, 1987 as already notified and that the last date for submission of applications will now be 5th June, 1987.

Accordingly the examination for Advocates-on-Record will now be held on 6th, 7th, 8th and 9th July, 1987.

[No. F. 2/87-SCI (Judl.)]

H.S. MUNJRAL, Secy.
Board of Examiners

कार्यालय, लोक शिष्टाचार तथा नैशनल मंत्रालय

(कार्यालय और निदेशन विभाग)

नई दिल्ली, 20 अप्रैल, 1987

सा. का. नि. 319 :—भारतीय पुलिस सेवा (संवर्ग) नियमावली, 1954 तथा अखिल भारतीय सेवा (सेवा की जाने वाली अवधि) नियमावली, 1960 के नियम 4 के उपनिर्देश (2) के साथ पृष्ठ 6, अखिल भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 (1951 का 61) को द्वारा 3

की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, बिहार सरकार के परामर्श से भारतीय पुलिस सेवा (संवर्ग पद संख्या का नियम) विनियमावली 1955 में और आगे संशोधन करने के लिए एनडोरा विनियमित विनियम बनाती है, अर्थात् :—

1. इन विनियमों का नाम भारतीय पुलिस सेवा (संवर्ग पद संख्या का नियम) द्वारा संशोधन विनियमावली, 1957 है।

2. भारतीय पुलिस सेवा (संवर्ग पद संख्या का नियम) विनियमावली 1955 की समय-समय पर यथा संशोधित अनुसूची में पद संख्या 3 पर वर्णित गए पदों की संख्या में "बिहार" बोर्ड के अंतर्गत "भारतीय पुलिस सेवा (संवर्ग) विनियमावली, 1954 के नियम 9 के अनुसार, यदोक्त द्वारा भरे जाने वाले पदों" की उप सीमा तक तथा नीचे उल्लिखित अवधियों के लिए बढ़ाया गया संख्या द्वारा तथा भारतीय पुलिस सेवा के बिहार संवर्ग की कुल प्राधिकृत पद संख्या को संशोधन अवधियों के लिए अनुसूची रूप से बढ़ाया गया संख्या जाएगा :—

अवधि	पदों की संख्या में वृद्धि
10-7-78 से 29-10-82 तक	2
10-7-78 से 2-12-82 तक	1

व्याख्यात्मक भाषण

भारतीय पुलिस सेवा के बिहार संवर्ग की पद संख्या तथा गठन राज्य पुलिस सेवा से पदोन्नति कोटे में शामिल पदों की संख्या में उपर बताए अनुसार किए गए संशोधनों को छोड़कर वही है जैसा कि समय-समय पर गया-सुशोधित भारतीय पुलिस सेवा (संवर्ग पद संख्या का नियतन) विनियमावली, 1955 में दिया गया है। वर्ष 1980 की सी. डब्ल्यू. जे. सी. संख्या 2164 में श्री बबबन सिंह तथा अन्य बनाम भारत संघ के मामले में, पटना उच्च न्यायालय के निर्णय को ध्यान में रखते हुए प्रतिरक्त पदों की व्यवस्था की जा रही है। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन अधिसूचना को भूतलसी प्रभाव दिए जाने के कारण किसी भी अधिकारी पर इस का कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना नहीं है।

[सं. 11052/1/87—प्र. भा. से. (II)]
के. बी. एल. सक्सेना, डेस्क अधिकारी

टिप्पणी :—(1) इस अधिसूचना के जारी होने से पूर्व, भारतीय पुलिस सेवा के बिहार संवर्ग की कुल प्राधिकृत पद संख्या 195 थी।

- (2) प्रधान विनियमों की दिनांक 22-10-1955 की एस. आर. सी. संख्या 3351 द्वारा प्रकाशित किया गया था। भारतीय पुलिस सेवा के बिहार संवर्ग के संबंध में संवर्ग अनुसूची की भी. एस. आर. संख्याएं 32, 665, 765 ई., 596, 478 तथा 23 का दिनांक 19-1-1974, 29-6-1974, 25-8-1976, 27-6-1981, 29-5-1982 तथा 10-1-1987 द्वारा संशोधित किया गया था।

MINISTRY OF PERSONNEL, P.G. & PENSIONS
(Department of Personnel & Training)

New Delhi, the 20th April, 1987

G.S.R. 329.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with sub-rule (2) of rule 4 of the Indian Police Service (Cadre) Rules, 1954, and Rule 3 of the All India Service (Conditions of Service-Residuary Matters) Rules, 1960, the Central Government, in consultation with the Government of Bihar, hereby makes the following regulations further to amend the Indian Police Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955, namely:—

1. These regulations may be called the Indian Police Service (Fixation of Cadre Strength) Second Amendment Regulations, 1987.
2. In the schedule to the Indian Police Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955, as amended from time to time, under the heading "Bihar" the number of posts shown against item No. 3 "Posts to be filled by promotion in accordance with Rule 9 of the Indian Police Service (Recruitment) Rules, 1954", shall be deemed to have been increased to the extent and for the periods indicated below and the total authorised strength of the Indian Police Service Cadre of Bihar shall be deemed to have been increased correspondingly for the relevant periods :—

Period	Increase in the number of posts
10-7-78 to 2-12-82	2
10-7-78 to 2-12-82	

EXPLANATORY MEMORANDUM

The strength and composition of the IPS Cadre of Bihar is the same as provided in the Indian Police Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955 as amended from time to time except for the modifications in the number of posts included in the promotion quota from the State Police

Service as indicated above. The additional posts are being provided for, in view of the judgement of the Patna High Court in the Shri Babban Singh & others Vs. the Union of India and others in CWJC No. 2164 of 1980. It is certified that no officer is likely to be affected adversely by giving this notification retrospective effect.

[No. 11052/1/87-AIS(II)]

K. B. L. SAXENA, Desk Officer.

Note :—(1) Prior to issue of this notification the total authorised strength of Bihar IPS cadre was 195.

- (2) The Principal Regulations were published vide Notification No. SRO 3351 dated 22-10-1955. The Cadre Schedule in respect of the IPS Cadre of Bihar were amended vide GSR Nos. 32, 665, 765E, 596, 478 and 23 dated 19-1-1974, 29-6-74, 25-8-76, 27-6-81, 29-5-82 and 10-1-87.

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 1987

शुद्धिपत्र

सा. का. नि. 330 — कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय की दिनांक 8 अगस्त, 1986 की अधिसूचना संख्या 12012/12/85 टी. आई. एस. (xvi) द्वारा प्रकाशित सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, सहायक निदेशक (अंग्रेजी प्राशुलिक तथा टंकण) भर्ती नियमावली, 1986 में उपर्युक्त नियमावली की अनुसूची के कालम 4 के अन्तर्गत विद्यमान प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा—

"2000-60-2300 व. र. 75-3200-100-3500"

टिप्पणी : मुख्य नियम सा. का. नि. 671 दिनांक 30-8-1986 द्वारा प्रकाशित किए गए।

[संख्या 12012/12/85-टी. आई. एस. (xvi)]

New Delhi, the 22nd April, 1987

CORRIGENDUM

G.S.R. 330.—In the Institute of Secretariat Training and Management Assistant Director (English Shorthand and Type-writing) Recruitment Rules, 1986 published vide the Ministry of Personnel, Public Grievances and Pension's Notification No. 12012/12/85-TIS(XVI) dated 8th August, 1986, for the existing entry under column 4 of the Schedule to the said Rules, the following shall be substituted :—

"2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500"

NOTE :—Principal Rules published vide GSR No. 671 dated 30-8-1986.

[No. 12012/12/85-TIS(XVI)]

शुद्धिपत्र

सा. का. नि. 331 — कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय की दिनांक 8 अगस्त, 1986 की अधिसूचना संख्या 12012/12/85 टी. आई. एस. (xvi) द्वारा प्रकाशित सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, सहायक निदेशक (लेखा) भर्ती नियमावली, 1986 में उपर्युक्त नियमावली की अनुसूची के कालम 4 के अन्तर्गत विद्यमान प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा।

"2000-60-3000-व. र. 75-3200-100-3500"

टिप्पणी :— मुख्य नियम सा. का. नि. 672 दिनांक 30-8-1986 द्वारा प्रकाशित किए गए।

[संख्या 12012/12/85 टी. आई. एस. (xvii)]

CORRIGENDUM

New Delhi, the 22nd April, 1987

G.S.R. 331.—In the Institute of Secretariat Training and Management Assistant Director (Accounts) Recruitment Rules, 1986 published vide the Ministry of Personnel, Public Grievances & Pension's Notification No. 12012/12/85-TIS(XVII) dated 8th August, 1986, for the existing entry under Column 4 of the Schedule to the said Rules, the following shall be substituted:—

'2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500'

NOTE :—Principal Rules published vide GSR No. 672 dated 30-8-1986.

[No. 12012/12/85-TIS(XVII)]

गुडि-पत्र

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 1987

सा. का. नि. 322.—कामिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय की दिनांक 8 अगस्त, 1986 की अधिसूचना संख्या 12012/12/85 टी. आई. एम. (i) द्वारा प्रकाशित सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, अपर निदेशक भर्ती नियमावली, 1986 में उपर्युक्त नियमावली की अनुसूची के कालम 4 के अन्तर्गत विद्यमान प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा।

"3700-125-4700-150-5000"

टिप्पणी :—मुख्य नियम सा. का. नि. 656 दिनांक 30-8-86 द्वारा प्रकाशित किए गए।

[संख्या 12012/12/85 टी. आई. एम. (i)]

CORRIGENDUM

New Delhi, the 22nd April, 1987

G.S.R. 332.—In the Institute of Secretariat Training and Management Additional Director Recruitment Rules, 1986, published vide the Ministry of Personnel, Public Grievances and Pension's Notification No. 12012/12/85-TIS(I), dated 8th August, 1986, for the existing entry under Column 4 of the Schedule to the said Rules, the following shall be substituted:—

'3700-125-4700-150-5000'

NOTE :—Principal Rules published vide GSR 656 dt. 30-8-86.

[No. 12012/12/85-TIS(I)]

गुडि-पत्र

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 1987

सा. का. नि. 333.—कामिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय की दिनांक 8 अगस्त, 1986 की अधिसूचना संख्या 12012/12/85 टी. आई. एम. (ii) द्वारा प्रकाशित सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, संयुक्त निदेशक (वित्तीय प्रबन्ध) भर्ती नियमावली, 1986 में उपर्युक्त नियमावली की अनुसूची के कालम 4 के अन्तर्गत विद्यमान प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा।

"3700-125-4700-150-5000"

टिप्पणी :—मुख्य नियम सा. का. नि. 657 दिनांक 30-8-86 द्वारा प्रकाशित किए गए।

[संख्या 12012/12/85 टी. आई. एम. (II)]

CORRIGENDUM

New Delhi, the 22nd April, 1987

G.S.R. 333.—In the Institute of Secretariat Training and Management Joint Director (Financial Management) Recruitment Rules, 1986, published vide the Ministry of Personnel, Public Grievances and Pension's Notification No. 12012/12/85-TIS(II), dated 8th August, 1986, for the existing entry under Column 4 of the Schedule to the said Rules, the following shall be substituted:—

'3700-125-4700-150-5000'

NOTE :—Principal Rules published vide GSR No. 657 dt. 30-8-1986.

[No. 12012/12/85-TIS(II)]

गुडि-पत्र

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 1987

सा. का. नि. 334.—कामिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय की दिनांक 8 अगस्त, 1986 की अधिसूचना संख्या 12012/

12/85-टी. आई. एम. (iii) द्वारा प्रकाशित सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, संयुक्त निदेशक (प्रमणशील प्रशिक्षण) भर्ती नियमावली, 1986 में उपर्युक्त नियमावली की अनुसूची के कालम 4 के अन्तर्गत विद्यमान प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा।

"3700-125-4700-1500-5000"

टिप्पणी :—मुख्य नियम सा. का. नि. 658 दिनांक 30-8-86 द्वारा प्रकाशित किए गए।

[संख्या 12012/12/85 टी. आई. एम. (iii)]

CORRIGENDUM

New Delhi, the 22nd April, 1987

G.S.R. 334.—In the Institute of Secretariat Training and Management Joint Director (Peripatetic Training) Recruitment Rules, 1986, published vide the Ministry of Personnel, Public Grievances and Pension's Notification No. 12012/12/85-TIS(III), dated 8th August, 1986, for the existing entry under Column 4 of the Schedule to the said Rules, the following shall be substituted:—

'3700-125-4700-150-5000'

NOTE :—Principal Rules Published vide GSR No. 658 dt. 30-8-1986.

[No. 12012/12/85-TIS(III)]

गुडि पत्र

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 1987

सा. का. नि. 335.—कामिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय की दिनांक 8 अगस्त, 1986 की अधिसूचना संख्या 12012/12/85-टी. आई. एम. (iv) द्वारा प्रकाशित सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, संयुक्त निदेशक (व्यावहारिक प्रशिक्षण) भर्ती नियमावली, 1986 में उपर्युक्त नियमावली, की अनुसूची के कालम 4 के अन्तर्गत विद्यमान प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित सुधार किया जाएगा।

(1) नियम 4 के परन्तुक में "यदि संतुष्ट है" शब्दों के बाद 'बहु' शब्द लिया जाएगा।

(2) उपर्युक्त नियमावली की अनुसूची के कालम 4 के अन्तर्गत विद्यमान प्रविष्टि की जगह निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा।

"3700-125-4700-150-5000"

टिप्पणी :—मुख्य नियम सा. का. नि. 659 दिनांक 30-8-86 द्वारा प्रकाशित किए गए।

[संख्या 12012/12/85 टी. आई. एम. (iv)]

CORRIGENDUM

New Delhi, the 22nd April, 1987

G.S.R. 335.—In the Institute of Secretariat Training and Management Joint Director (Behavioural Training) Recruitment Rules, 1986, published vide Ministry of Personnel, Public Grievances and Pensions Notification No. 12012/12/85-TIS(IV) dated 8th August, 1986, the following corrections shall be made:—

(1) In proviso to Rule 4, the word 'that' shall be added after the words 'if satisfied'.

(2) For the existing entry under column 4 of the Schedule to the said Rules, the following shall be substituted.

'3700-125-4700-150-5000'

NOTE :—Principal Rules published vide GSR No. 659 dt. 30-8-1986.

[No. 12012/12/85-TIS(IV)]

गुडि-पत्र

नई दिल्ली 22 अप्रैल, 1987

सा. का. नि. 336.—कामिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय की दिनांक 8 अगस्त, 1986 की अधिसूचना संख्या 12012/12/85-टी. आई. एम. (V) द्वारा प्रकाशित सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, संयुक्त निदेशक (प्रबन्ध सेवाएं) भर्ती नियमावली, 1986 में उपर्युक्त नियमावली की अनुसूची के कालम 4 के अन्तर्गत विद्यमान प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा।

“3700-125-4700-150-5000”

टिप्पणी:— मुख्य नियम सा. का. नि. 660 दिनांक 30-8-86 द्वारा प्रकाशित किए गए।

[संख्या 12012/12/85 टी. आई. एस. (V)]

CORRIGENDUM

G.S.R. 336.—In the Institute of Secretariat Training and Management Joint Director (Management Service) Recruitment Rules, 1986, published vide the Ministry of Personnel, Public Grievances and Pension's Notification No. 12012/12/85-TIS(V), dated 8th August, 1986, for the existing entry under Column 4 of the Schedule to the said Rules, the following shall be substituted :—

“3700-125-4700-150-5000”

NOTE :—Principal Rules published vide GSR No. 660 dated 30-8-1986.

[No. 12012/12/85-TIS(V)]

शुद्धि पत्र

सा. का. नि. 337.—कामिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय की दिनांक 8 अगस्त, 1986 की अधिसूचना संख्या 12012/12/85 टी. आई. एस. (VI) द्वारा प्रकाशित सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, उप निदेशक (लेखा) भर्ती नियमावली, 1986 में उपर्युक्त नियमावली की अनुसूची के कालम 4 के अन्तर्गत विद्यमान प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित सुधार जाएगा।

(1) उपर्युक्त अनुसूची के कालम (4) के अन्तर्गत विद्यमान प्रविष्टि निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा।

“3000-100-3500-120-4500”

(2) उपर्युक्त अनुसूची के कालम 11 के अन्तर्गत इस प्रविष्टि (2) में ‘केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी और’ केन्द्रीय सचिवालय मण्डलिक सेवा के ग्रेड “क” अधिकारी” शब्दों के बीच आने वाले ग्रेड “क” अधिकारी” के शब्दों को विलोपित समझा जाए।

टिप्पणी:— मुख्य नियम सा. का. नि. 661 दिनांक 30-8-86 द्वारा प्रकाशित किए गए।

[संख्या 12012/12/85 टी. आई. एस. (VI)]

CORRIGENDUM

G.S.R. 337.—In the Schedule to the Institute of Secretariat Training and Management Deputy Director (Accounts) Recruitment Rules, 1986, published vide the Ministry of Personnel, Public Grievances and Pension's Notification No. 12012/12/85-TIS(VI), the following corrections shall be made:—

(1) For the existing entry under column (4) of the said Schedule, the following shall be substituted :—

“3000-100-3500-120-4500”.

(2) The words “Grade ‘A’ Officers” occurring between the words “Section Officers of the Central Secretariat Service” and “Grade ‘A’ Officers of the Central Secretariat Stenographers Service” in entry (2) under column 11 of the said Schedule stands deleted.

Note :—Principal Rules published vide GSR No. 661 dated 30-8-1986.

[No. 12012/12/85-TIS(VI)]

शुद्धि-पत्र

सा. का. नि. 338.—कामिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय की दिनांक 8 अगस्त, 1986 की अधिसूचना संख्या 12012/12/85 टी. आई. एस. (VII) द्वारा प्रकाशित सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, उप निदेशक (प्रबन्धक सेवाएँ) भर्ती नियमावली, 1986

में उपर्युक्त नियमावली की अनुसूची के कालम 4 के अन्तर्गत विद्यमान प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा।

“3000-100-3500-125-4500”

टिप्पणी :— मुख्य नियम सा. का. नि. 652 दिनांक 30-8-86 द्वारा प्रकाशित किए गए।

[संख्या 12012/12/85 टी. आई. एस. (VII)]

CORRIGENDUM

G.S.R. 338.—In the Institute of Secretariat Training and Management Deputy Director (Management Services) Recruitment Rules, 1986, published vide the Ministry of Personnel, Public Grievances and Pension's Notification No. 12012/12/85-TIS(VII), dated 8th August, 1986, for the existing entry under Column 4 of the Schedule to the said Rules, the following shall be substituted :—

“3000-100-3500-125-4500”

Note :—Principal Rules published vide G.S.R. No. 662 dt. 30-8-1986.

[No. 12012/12/85-TIS(VII)]

शुद्धि पत्र

सा. का. नि. 339.—कामिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय की दिनांक 8 अगस्त, 1986 की अधिसूचना संख्या 12012/12/85 टी. आई. एस. (VIII) द्वारा प्रकाशित सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, उप निदेशक (आधारित पाठ्यक्रम भर्ती नियमावली, 1986 में उपर्युक्त नियमावली की अनुसूची के कालम 4 के अन्तर्गत विद्यमान प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा:—

“3000-100-3500-125-4500”

नोट : मुख्य नियम सा. का. नि. 663 दिनांक 30-8-1986 द्वारा प्रकाशित किये गये।

[संख्या 12012/12/85 टी. आई. एस. (VIII)]

CORRIGENDUM

G.S.R. 339.—In the Institute of Secretariat Training and Management Deputy Director (Foundational Course) Recruitment Rules, 1986 published vide the Ministry of Personnel, Public Grievances and Pension's Notification No. 12012/12/85-TIS(VIII) dated 8th August, 1986, for the existing entry under Column 4 of the Schedule to the said Rules, the following shall be substituted :—

“3000-100-3500-125-4500”.

Note :—Principal Rules published vide GSR No. 663 dated 30-8-1986.

[No. 12012/12/85-TIS(VII)]

शुद्धि पत्र

सा. का. नि. 340.—कामिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय की दिनांक 8 अगस्त, 1986 की अधिसूचना संख्या 12012/12/85 टी. आई. एस. (IX) द्वारा प्रकाशित सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, उप निदेशक (सतर्कता) भर्ती नियमावली, 1986 में उपर्युक्त नियमावली की अनुसूची के कालम 4 के अन्तर्गत विद्यमान प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा:—

“3000-100-3500-125-4500”

टिप्पणी:— मुख्य नियम सा. का. नि. 664 दिनांक 30-8-1986 द्वारा प्रकाशित किए गए।

[संख्या 12012/12/85 टी. आई. एस. (IX)]

CORRIGENDUM

G.S.R. 340.—In the Institute of Secretariat Training and Management Deputy Director (Vigilance) Recruitment Rules, 1986 published vide the Ministry of Personnel, Public Grievances and Pensions Notification No. 12012/12/85-TIS(IX) dated 8th August, 1986, for the existing entry under column 4 of the Schedule to the said Rules, the following shall be substituted :

'3000-100-3500-125-4500'

Note :—Principal Rules published vide GSR No. 664 dated 30-8-1986.

[No. 12012/12/85-TIS(IX)]

शुद्धि-पत्र

सा. का. नि. 341—कामिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय की दिनांक 8 अगस्त, 1986 की अधिसूचना संख्या 12012/12/85—टी. आई. एस. (X) द्वारा प्रकाशित सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, उप निदेशक (कार्यालय प्रबन्ध) भर्ती नियमावली, 1986 में उपर्युक्त नियमावली की अनुसूची के कालम 4 के अन्तर्गत विद्यमान प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

"3000-100-3500-125-4500"

टिप्पणी :—मुख्य नियम सा. का. नि. 665 दिनांक 30-8-1986 द्वारा प्रकाशित किए गए।

[संख्या 12012/12/85 टी. आई. एस. (X)]

CORRIGENDUM

G.S.R. 341.—In the Institute of Secretariat Training and Management Deputy Director (Office Management) Recruitment Rules, 1986 published vide the Ministry of Personnel, Public Grievances and Pensions Notification No. 12012/12/85 TIS(X) dated 8th August, 1986, for the existing entry under Column 4 of the Schedule to the said Rules, the following shall be substituted :—

'3000-100-3500-125-4500'

Note :—Principal Rules published vide GSR No. 665 dated 30-8-86.

[No. 12012/12/85-TIS(X)]

शुद्धि-पत्र

सा. का. नि. 342—कामिक लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय की दिनांक 8 अगस्त, 1986 की अधिसूचना संख्या 12012/12/85 टी. आई. एस. (XI) द्वारा प्रकाशित सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, उप निदेशक (वित्तीय प्रबन्ध) भर्ती नियमावली, 1986 में उपर्युक्त नियमावली की अनुसूची के कालम 4 के अन्तर्गत विद्यमान प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा।

"3000-100-3500-125-4500"

टिप्पणी :—मुख्य नियम सा. का. नि. 666 दिनांक 30-8-86 द्वारा प्रकाशित किए गए।

[संख्या 12012/12/85 टी. आई. एस. (XI)]

CORRIGENDUM

G.S.R. 342.—In the Institute of Secretariat Training and Management Deputy Director (Financial Management) Recruitment Rules, 1986 published vide the Ministry of Personnel, Public Grievances and Pensions Notification No. 12012/12/85-TIS(XI) dated 8th August, 1986, for the existing entry under Column 4 of the Schedule to the said Rules, the following shall be substituted :—

'3000-100-3500-125-4500'

Note :—Principal Rules published vide GSR No. 666 dated 30-8-1986.

[No. 12012/12/85-TIS(XI)]

शुद्धि-पत्र

सा. का. नि. 343 :—कामिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय की दिनांक 8 अगस्त, 1986 की अधिसूचना संख्या 12012/12/85 टी.

आई. एस. (XII) द्वारा प्रकाशित सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, उप निदेशक (अर्थ और योजना) भर्ती नियमावली, 1986 में उपर्युक्त नियमावली की अनुसूची के कालम 4 के अन्तर्गत विद्यमान प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा।

"3000-100-3500-125-4500"

टिप्पणी :—मुख्य नियम सा. का. नि. 667 दिनांक 30-8-86 द्वारा प्रकाशित किए गए।

[संख्या 12012/12/85 टी. आई. एस. (XII)]

CORRIGENDUM

G.S.R. 343.—In the Institute of Secretariat Training and Management Deputy Director (Economic and Planning) Recruitment Rules, 1986 published vide the Ministry of Personnel, Public Grievances & Pensions Notification No. 12012/12/85-TIS(XII) dated 8th August, 1986, for the existing entry under Column 4 of the Schedule to the said Rules, the following shall be substituted :—

'3000-100-3500-125-4500'.

NOTE.—Principal Rules published vide GSR No. 667 dated 30-8-1986.

[No. 12012/12/85-TIS(XII)]

शुद्धि-पत्र

सा. का. नि. 344—कामिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय की दिनांक 8 अगस्त, 1986 की अधिसूचना संख्या 12012/12/85 टी. आई. एस. (XIII) द्वारा प्रकाशित सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, उप निदेशक (अर्थशास्त्रीय प्रशिक्षण भर्ती नियमावली, 1986 में उपर्युक्त नियमावली की अनुसूची के कालम 4 अन्तर्गत विद्यमान प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा।

"3000-100-3500-125-4500"

टिप्पणी :—मुख्य नियम सा. का. नि. 668 दिनांक 30-8-1986 द्वारा प्रकाशित किए गए।

[संख्या 12012/12/85 टी. आई. एस. (XII)]

CORRIGENDUM

G.S.R. 344.—In the Institute of Secretariat Training and Management Deputy Director (Paripaetic Training) Recruitment Rules, 1986 published vide the Ministry of Personnel, Public Grievances and Pension's Notification No. 12012/12/85-TIS(XIII) dated 8th August, 1986, for the existing entry under Column 4 of the Schedule to the said Rules, the following shall be substituted :—

'3000-100-3500-125-4500'.

NOTE.—Principal Rules published vide GSR No. 668 dated 30-8-1986.

[No. 12012/12/85-TIS(XIII)]

शुद्धि-पत्र

सा. का. नि. 345 :—कामिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय की दिनांक 8 अगस्त, 1986 की अधिसूचना संख्या 12012/12/85 टी. आई. एस. (XIV) द्वारा प्रकाशित सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, उप निदेशक (व्यावहारिक प्रशिक्षण) भर्ती नियमावली, 1986 में उपर्युक्त नियमावली की अनुसूची के कालम 4 के अन्तर्गत विद्यमान प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित सुधार किया जाएगा।

(1) निबन्ध 4 के परन्तुक, में "यदि संतुष्ट है" के शब्दों के बाद "वह" शब्द लिया जाएगा।

(2) उपर्युक्त नियमावली की अनुसूची के कालम 4 के अन्तर्गत विद्यमान प्रविष्टि को जगह निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा।

"3000-100-3500-120-4500"

टिप्पणी :— मुख्य नियम सा. का. नि. 669 दिनांक 30-8-86 द्वारा प्रकाशित किए गए।
[संख्या 12012/12/85-टी. आई. एस. (XIV)]

CORRIGENDUM

G.S.R. 345.—In the Institute of Secretariat Training and Management Deputy Director (Behavioural Training) Recruitment Rules, 1986 published vide the Ministry of Personnel, Public Grievances and Pensions Notification No. 12012/12/85-TIS(XIV) dated 8th August, 1986, the following corrections shall be made :—

- (1) In proviso to Rule 4, the word 'that' shall be added after the words 'if satisfied'.
- (2) For the existing entry under Column 4 of the Schedule to the said Rules, the following shall be substituted :—

'3000-100-3500-120-4500'.

NOTE.—Principal Rules Published vide GSR No. 669 dated 30-8-1986.

[No. 12012/12/85-TIS (XIV)]

शुद्धि-पत्र

सा. का. नि. 346—कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय की दिनांक 8 अगस्त, 1986 की अधिसूचना संख्या 12012/12/85-टी. आई. एस. (XV) द्वारा प्रकाशित मंत्रालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, सहायक निदेशक (कार्यालय प्रबन्ध) भर्ती नियमवली, 1986 में उपर्युक्त नियमवली की अनुसूची के कालम 4 के अन्तर्गत विद्यमान प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित सुधार किया जाएगा :—

- (1) उपर्युक्त अनुसूची के कालम 4 के अन्तर्गत विद्यमान प्रविष्टि में निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा।

"घ. 3000-100-3500-120-4500"

- (2) उपर्युक्त अनुसूची के कालम 11 के अन्तर्गत बांछनीय अर्हताओं के अन्तर्गत विद्यमान शब्द "साम्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की उपाधि या समतुल्य" को बिलोपित समझा जाए।

टिप्पणी :— मुख्य नियम सा. का. नि. 670 दिनांक 30-8-86 द्वारा प्रकाशित किए गए।

[संख्या 12012/12/85-टी. आई. एस. (XV)]
एस. के. कक्कड़, डेस्क अधिकारी

CORRIGENDUM

G.S.R. 346.—In the Schedule to the Institute of Secretariat Training and Management Assistant Director (Office Management) Recruitment Rules, 1986, published vide Ministry of Personnel, Public Grievances and Pensions Notification No. 12012/12/85-TIS(XV) dated 8-8-1986, the following corrections shall be made :—

- (1) For the existing entry under Column 4 of the said Schedule, the following shall be substituted :—

'Rs. 3000-100-3500-120-4500'.

- (2) The existing words 'Degree of Recognised University or equivalent' as under the Desirable Qualifications under Column 11 of the said Schedule stands deleted.

NOTE.—Principal Rules published vide GSR No. 670 dated 30-8-1986.

[No. 12012/12/85-TIS(XIV)]

S. K. KAKKAR, Desk Officer

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 1987

सा. का. नि. 347 :—अखिल भारतीय सेवा (गोपनीय रिपोर्टें पंजी) नियमवली, 1970 के नियम 4 के अनुसर्जन में तथा भारत सरकार, कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग, गृह मंत्रालय के दिनांक 15 मार्च, 1984 की सा. का. नि. संख्या 214 (ई) में आंशिक संशोधन करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा इसके साथ संलग्न फार्मों के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जिसमें कि भारतवर्ष पुलिस सेवा के सदस्यों की गोपनीय रिपोर्टें लिखी जाएंगी।

फार्म-1

भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों के लिए

गोपनीय रिपोर्टें

कनिष्ठ समय वेतनमान

वरिष्ठ समय वेतनमान

चयन सेट

अधिकारी का नाम.....
की समाप्त वर्ष/अवधि की रिपोर्ट।

अनुदेश

1. गोपनीय रिपोर्टें एक महत्वपूर्ण दस्तावेज हैं। इसमें अधिकारी के कार्य-निष्पादन का मूल्यांकन करने के लिए और उसके कैरियर में उसकी प्रगति के लिए सुनियावी और महत्वपूर्ण सूचना होती है। प्रत्येक जिस अधिकारी की रिपोर्टें लिखी जाती हैं, उसे रिपोर्टें लिखने वाला प्राधिकारी, पुनरीक्षा करने वाले प्राधिकारी तथा रिपोर्टें स्वीकार करने वाले प्राधिकारी को कार्य करते समय पूरी जिम्मेदारी से काम लेना चाहिए।

2. गोपनीय रिपोर्टों के माध्यम से कार्य-निष्पादन के मूल्यांकन का उपयोग मानव संसाधन विकास के एक साधन के रूप में किया जाना चाहिए। रिपोर्टें लिखने वाले अधिकारियों को यह महसूस करना चाहिए कि उद्देश्य अधिकारी का विकास करना है ताकि वह अपनी वास्तविक क्षमता को पूर्ण रूप से समझ सके। इसका तात्पर्य दोष निकालने वाली प्रक्रिया से नहीं है बल्कि विकास से है। रिपोर्टें लिखने वाले तथा पुनरीक्षण अधिकारी को चाहिये कि जिस अधिकारी की रिपोर्टें लिखी जा रही हैं, उसके कार्य-निष्पादन, रवैये तथा सम्पूर्ण व्यक्तित्व में कमियों का उल्लेख करने में संकोच न करें।

3. कालम पूरी सावधानी के साथ तथा ध्यान से और काफी समय लगा कर भरे जाने चाहिये। यदि रिपोर्टें असावधानी से भरी या सरसरी तौर पर भरे जाने का प्रयत्न किया जाता है तो इसे उचित प्राधिकारियों द्वारा घासानी से पहचान लिया जाएगा।

4. रिपोर्टें लिखने वाले अधिकारी द्वारा कार्य-निष्पादन का मूल्यांकन उन स्थिति को छोड़कर जबकि अधीनस्थ कर्मचारी ऐसा व्यक्ति न हो जिसके साथ उसके वरिष्ठ अधिकारी का वास्तविक प्रत्यक्ष पड़ता हो, तब तक नहीं किया जाना चाहिए जब तक कि उसके द्वारा अधीनस्थ कर्मचारी के कामकाज का कम से कम एक बार विस्तृत निरीक्षण न कर लिया गया हो।

5. यदि पुनरीक्षण प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हैं कि रिपोर्टें लिखने वाले प्राधिकारी ने रिपोर्टें पूरी सावधानी तथा ध्यान दिए बिना लिखी हैं तो वह इस आशय की एक टिप्पणी भाग-5 कालम 2 में दर्ज कर देगा। सरकार इन टिप्पणियों को प्रविष्टि रिपोर्टें लिखने वाले प्राधिकारी की गोपनीय रिपोर्टें में करेगी।

6. प्रत्येक उत्तर वर्गनात्मक रूप में दिया जाएगा। उपलब्ध कराये गए स्थान से उत्तर की बांझित लम्बाई का पता चलता है। शब्दों तथा मुद्राचरों को सावधानीपूर्वक चुना जाए और उनके प्रयोग से उत्तर लिखने वाले अधिकारी का वास्तविक अभिप्राय प्रकट होना चाहिये। कृपया सुस्पष्ट तथा सरल भाषा का प्रयोग करें। किसी भी विशिष्टता के सम्मुख अपनी टिप्पणियाँ देने समय "उल्लेख", "बहुत थोड़ा", "अच्छा", "सामान्य", "सामान्य से नीचे" जैसे बहुप्रयोजनीय शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिये।

7. रिपोर्ट मिलने वाला अधिकारी वर्ष के आरम्भ में ऐसे प्रत्येक अधिकारी के परामर्श से जिसकी रिपोर्ट उसके द्वारा लिखी जानी है, परिमाणत्मक/वास्तविक/विषयी लक्ष्य निर्धारित करेगा। जिस अधिकारी की रिपोर्ट लिखी जा रही हो, उसके तथा रिपोर्ट लिखने वाले अधिकारी के बीच निष्पादन-मूल्यांकन एक सम्मिलित प्रयास होना चाहिए। प्रचलित भारतीय सेवा अधिकारियों के मामले में लक्ष्य/उद्देश्य/ध्येय रिपोर्ट से संबंधित वर्ष के आरम्भ में अर्थात् अप्रैल में नियत किए जाएंगे। यदि कोई अधिकारी रिपोर्ट से संबंधित वर्ष के दौरान नई नियुक्ति का कार्यभार सम्भालता है तो ऐसे लक्ष्य/उद्देश्य/ध्येय नई नियुक्ति के कार्य ग्रहण के समय नियत किए जाएंगे।

8. दोनों ही संबंधित अधिकारियों को लक्ष्यों/उद्देश्यों/ध्येयों का स्पष्ट जानकारी तथा ज्ञान होना चाहिए। लक्ष्य नियत करते समय, अग्रता मदवार नियत की जानी चाहिए और कार्य के स्वरूप तथा क्षेत्र को और जिस अधिकारी की रिपोर्ट लिखी जानी है उसके कार्य के स्वरूप में जो विशिष्टताएँ हैं उन्हें ध्यान में रखा जाना चाहिए।

9. यद्यपि मूल्यांकन निष्पादन वर्ष की समाप्ति पर किया जाता है तो भी इस उद्देश्य को ध्यान में रखकर कि वह मानव संसाधन के िताम का साधन हो, रिपोर्ट लिखने वाले अधिकारी तथा उस अधिकारी को जिसकी रिपोर्ट लिखी जा रही हो, वर्ष के दौरान नियमित अंतरालों पर एक दूसरे से मिलना चाहिए ताकि निष्पादन की समीक्षा की जा सके और आवश्यक उपचारारम्भक उपाय किये जाएँ।

10. मूल्यांकन करने वाले प्रत्येक अधिकारी का यह प्रयत्न होना चाहिए कि जिस व्यक्ति के कार्यों का मूल्यांकन किया जा रहा है, उसके निष्पादन, आचरण, व्यवहार तथा क्षमता का यथामंभव सही-सही चित्र प्रस्तुत किया जाए।

11. एक ही रैंक के कुछ पद दूसरों की तुलना में अधिक उपसोध्य हो सकते हैं। किसी पद में दबाव तथा तनाव की मात्रा समय-समय पर भ्रम-भ्रमण भी हो सकती है। मूल्यांकन के दौरान इन तथ्यों को ध्यान में रखा जाना चाहिए और इन पर यथोचित टिप्पणी की जाए।

12. जिस व्यक्ति के कार्य का मूल्यांकन किया जा रहा हो उसके विभिन्न गुणों के संबंध में जिन पहलुओं का मूल्यांकन किया जाना है उनका, वर्णन प्रत्येक कालम के नीचे किया गया है। मूल्यांकन करने वाले अधिकारियों को विशिष्टताओं से संबंधित इन पहलुओं तथा अन्य पहलुओं पर कार्रवाई करनी चाहिए।
टिप्पणी:

मत्यनिष्ठा से संबंधित कालम को भरने के लिए निम्नलिखित क्रियाविधि का पालन किया जाना चाहिए:—

(1) यदि अधिकारी की मत्यनिष्ठा में कोई सन्देह नहीं है तो ऐसा उल्लेख किया जाए।

(2) यदि कोई सन्देह अथवा शंका है तो कालम खाली छोड़ दिया जाए और निम्नलिखित कार्रवाई की जाए:

(क) एक भ्रमण गोपनीय टिप्पणी लिखकर उस पर अनुवर्ती कार्रवाई की जाए। इस टिप्पणी की प्रति गोपनीय रिपोर्ट सहित उच्चतर

वरिष्ठ अधिकारी को भी भेजी जाए जो यह सुनिश्चित करे कि अनुवर्ती कार्रवाई शीघ्र की जाती है। जिन मामलों में मत्यनिष्ठा स्थापित करना अथवा गोपनीय टिप्पणी दर्ज करना सम्भव न हो तो रिपोर्ट लिखने वाले अधिकारी को स्थिति अनुसार यह उल्लेख करना चाहिए कि या तो उसने अधिकार के कार्य पर पर्याप्त समय तक निगरानी नहीं रखी थी जिससे कि कोई ठोस निर्णय दिया जा सके अथवा उसने अधिकारी के विरुद्ध इस आशय को कोई बात नहीं मनी है।

(ख) यदि अनुवर्ती कार्रवाई के फलस्वरूप, सन्देह अथवा शंकाएं समाप्त हो जाती हैं तो अधिकारी की मत्यनिष्ठा स्थापित की जाए और गोपनीय रिपोर्ट में तदनुसार प्रविष्टि की जाए।

(ग) यदि सन्देह अथवा शंकाओं की पुष्टि हो जाती है तो यह तथ्य भी रिकार्ड किया जाए और संबंधित अधिकारी को इसकी विधिवत सूचना दी जाए।

(घ) यदि अनुवर्ती कार्रवाई के फलस्वरूप, सन्देह अथवा शंकाएं न तो समाप्त होती हैं और न ही इनकी पुष्टि होती है तो अधिकारी के आचरण पर और आगे निगरानी रखी जाए और उसके बाद ऊपर (ख) तथा (ग) पर यथा निविष्ट कार्रवाई की जाए।

(गृह मंत्रालय का कार्यालय ज्ञापन संख्या 51/4/84-स्था. (क), दिनांक 21-6-85)

फॉर्म-1

भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों के लिए गोपनीय रिपोर्ट (कनिष्ठ समय वेतनमान; वरिष्ठ समय वेतनमान और चयन ग्रेड)
..... को समाप्त वर्ष/अवधि की रिपोर्ट।

भाग-1

व्यक्तिगत व्योरे

(जिस अधिकारी की रिपोर्ट लिखी जानी है उसके द्वारा भरे जाने के लिए)

1. अधिकारी का नाम
2. संगम तथा आर्बटन वर्ष
3. जन्म तिथि
4. लम्बाई: घजन:
छाती: कमर:
5. वर्तमान ग्रेड में लगातार तारीख
नियुक्ति की तारीख
6. वर्तमान पद तथा उस पर तारीख
नियुक्ति की तारीख
7. इयूटी से अनुपस्थिति की अवधि
(वर्ष के दौरान छुट्टी, प्रशिक्षण आदि पर)

जिस अधिकारी की रिपोर्ट लिखी जानी है उसके द्वारा भरे जाने के लिए:

भाग II

(कृपया प्रविष्टियाँ भरने से पूर्व फॉर्म के आरम्भ में दिए गए अनुवर्ती को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

1. इयूटियों का संक्षिप्त विवरण
2. वर्ष के दौरान लिए गए प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का विवरण:

3. वर्ष के दौरान प्राप्त हुए पद भंगवा प्रपत्रों पर

4. (क) जो लक्ष्य/उद्देश्य/ध्येय आपके लिए निर्धारित किए गए थे तथा/अथवा अपने स्वयं निर्धारित किए वे उनमें से 8 से 10 में का प्राथमिकता के क्रम से उल्लेख करें।

(ख) जहां कहीं लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं जहां विशेष रूप से आराध स्थलों/न.जु.क स्थलों के निरीक्षणों, दोनों तथा अन्तर्गत संबंधी कार्य के बारे में दोनों और पर्यवेक्षण के संबंध में लक्ष्यों की पूर्ति किम सीमा तक हो सकी। यदि आपको कानून और व्यवस्था संबंधी किन्हीं विशेष समस्याओं से जूझना पड़ा हो; आपके कार्य क्षेत्र में कोई सुधार/नवीनता लागू की गई हो और पुलिस कार्रमियों के कल्याण के संबंध में कोई विशेष कार्य किया गया हो तो आप उसका भी विशेष रूप से उल्लेख कर सकते हैं।

5. (क) कृपया कालम 4 में निदिष्ट लक्ष्यों/उद्देश्यों/ध्येयों के संबंध में कोई खासियां रही हों तो उनका संक्षेप में उल्लेख करें। इस संबंध में यदि कोई बंदिशें आई हों तो उनका उल्लेख करें।

(ख) कृपया उन मदों का भी उल्लेख करें जिनमें लक्ष्यों के संबंध में उपलब्धियां विशेष रूप से बेहतर/उत्तमतर रही हैं और उसमें अपने योगदान का भी वर्णन करें।

भाग III

रिपोर्ट लिखने वाले अधिकारी द्वारा भरे जाने के लिए कृपया प्रविष्टियों को भरने से पूर्व कार्य के शुरू में किए गए अनुदेशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें) ए कार्य की प्रकृति तथा गुणवत्ता:

1. कृपया अधिकारी द्वारा भरे गये भाग-II पर टिप्पणी दें और विशेष रूप से बताएं कि क्या आप लक्ष्यों/उद्देश्यों/ध्येयों, उपलब्धियों और कर्मियों के बारे में दिए गए उत्तरों से सहमत हैं। यदि उद्देश्यों की प्राप्ति में कोई बंदिशें पेश आई हो तो उनका स्पष्ट उल्लेख करें।

2. कार्य क्षेत्र का ज्ञान

कृपया निम्न के संबंध में विशेष रूप से टिप्पणी दें:
विधि का ज्ञान

पुलिस नियमों/क्रियाविधियों का ज्ञान

क्षेत्र अथवा भूभाग (टेरेन) का ज्ञान

जी—विशेषताएं

3. काम के प्रति दृष्टिकोण

अधिकारी काम के प्रति किस सीमा तक समर्पित और प्रेरित हैं इस संबंध में अपने कार्य को व्यवस्थित करने और कार्य को सीखने के प्रति उसकी तत्परता और पहलवाक्ति के बारे में टिप्पणी दें)

4. निर्णय लेने की क्षमता

(कृपया निर्णय लेने और विकल्पों के गुण-अवगुण परख के बारे में अधिकारी की क्षमता पर टिप्पणी दें)

5. पहल शक्ति

(अधिकारी द्वारा अपने ही प्रयासों से अप्रत्याशित परिस्थितियों पर काबू पाने के बारे में उसकी क्षमता तथा उपाय-कुशलता पर तथा अतिरिक्त दायित्व और नये कार्य क्षेत्र की जिम्मेदारी स्वीकार करने की उसकी तत्परता पर भी टिप्पणी दें)

6. प्रोत्साहित तथा प्रेरित करना

(कृपया प्रेरित करने और अपने स्वयं के आचरण से स्वैच्छिक समर्थन प्राप्त करने और विकास उत्पन्न करने के बारे में अधिकारी की क्षमता पर टिप्पणी दें)

7. सम्प्रेषण संबंधी दक्षता (लिखित और मौखिक)

(कृपया सम्प्रेषण के कार्य में और अपने तर्कों को प्रस्तुत करने में अधिकारी की क्षमता के बारे में टिप्पणी दें)

8. आपसी निजी संबंध तथा सामूहिक कार्य—(वरिष्ठ अधिकारियों, सहकर्मियों तथा अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ अधिकारी के संबंधों के सार और दूसरे व्यक्तियों के दृष्टिकोण को गमलने और मही भावना के साथ परामर्श देने के बारे में अधिकारी की क्षमता पर टिप्पणी दें। साथ ही इन के एक समस्या के रूप में कार्य करने और गिन कर कार्य करने की भावना को बढ़ावा देने तथा इन के कार्य-निष्ठावन को सर्वोत्तम बनाने के संबंध में उसकी क्षमता पर भी टिप्पणी करें)।

9. जनता के साथ संबंध—(जनता के लिए अधिकारी की उप-लब्धता तथा जनता की मांगों के प्रति उनकी सहानुभूति के बारे में टिप्पणी करें)

10. अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों/समाज के कमजोर वर्गों के प्रति दृष्टिकोण—(कृपया अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों/कमजोर वर्गों की समस्याओं के बारे में अधिकारी की समझ तथा उन समस्याओं को निपटाने में उनकी तत्परता के बारे में टिप्पणी करें)।

11. कार्मिक प्रबंध—(कृपया जिम्मेदारी लेने के प्रति अधिकारी की तत्परता, संगठन की क्षमता, नेतृत्व के गुण, सामयिक और समुचित मार्गदर्शन देने की योग्यता तथा अधीनस्थ कर्मचारियों के प्रशिक्षण और विकास के प्रति अधिकारी के आदर-भाव पर टिप्पणी करें)

12. जांच पड़ताल की देखरेख में प्रभावोत्पादकता

13. सामुदायिक सहभाग्य बनाए रखने में प्रभावोत्पादकता

14. पुलिस कर्मियों और उनके परिवारों के कल्याण में रुचि (इस संबंध में यदि कोई उल्लेखनीय कार्य किया गया हो तो कृपया उसके बारे में टिप्पणी दें)

15. प्रशिक्षण तथा अन्तःशिक्षण—(कृपया अधिकारी की सम्भावित विशेषज्ञता तथा कैरियर विकास के लिए निम्नलिखित में से कार्य के तीन क्षेत्र निदिष्ट करें)

(i) सामान्य प्रशासन

(ii) कार्मिक प्रशासन

(iii) प्रशिक्षण

(iv) अनुसंधान तथा विकास की योजना बनाना

(v) स्टफ इण्टियां

(vi) सचिवालयी कार्य

(vii) कानून तथा व्यवस्था

(viii) बुद्धिमत्ता

(ix) सनकता/अप्टाचार विरोधी कार्य

(x) अपराध की जांच पड़ताल

(xi) महानगर का नियंत्रण

(xii) यातायात व्यवस्था

(xiii) अकैज/विद्रोह उन्मूलन कार्य

(xiv) अर्थ सैनिक/सशस्त्र पुलिस

(xv) सुरक्षा (अग्नि विनिष्ट व्यक्ति, हवाई प्रहृषा तथा औद्योगिक सुरक्षा सहित)

(xvi) बेतार वैज्ञानिक उपकरणों, कम्प्यूटर सेवा आदि जैसी वैज्ञानिक सेवाएं/विशेष मुक्ति

(xvii) कोई अन्य कार्य क्षेत्र (कृपया उल्लेख करें)

16. विशेषक/विशेष योग्यताएं

- (1) सामान्य बरतान तथा व्यक्तित्व
- (2) मित्रता
- (3) कर्तव्य के प्रति समर्पण
- (4) परिस्थितियों को समझना और कुर्मी से कार्रवाई करना
- (5) स्वीकृति के प्रति सावधानी
- (6) दबाव/तनाव सहन करने की योग्यता
- (7) सिद्धान्तों निर्णय लेने की योग्यता
- (8) अधिकारी के उद्देश्य के अनिश्चित कोई अन्य विशेष/विशेष योग्यताएँ।

पुनरीक्षा प्राधिकारी के हस्ताक्षर
नारीक्ष
नाम स्पष्ट पक्षों में
पदनाम
(रिपोर्ट की प्रवृत्ति के दौरान)

भाग-IV—विविध

17. स्वास्थ्य. — (कृपया बताएं कि अधिकारी का वजन अधिक है या कम है और क्या वह क्षेत्रीय इयूटी के काबिल है)

18. सत्यनिष्ठा — (कृपया अनुदेशों के नीचे टिप्पणी दें)

19. सामान्य मूल्यांकन — (कोई कार्य/पहल/निष्ठा विशेष उल्लेख किया जाना चाहिए) (कृपया अधिकारी के सामान्य तथा कमियों के संदर्भ में उसका समग्र मूल्यांकन करें तथा जिन गुणों का उल्लेख उपर्युक्त प्रविष्टियों में नहीं किया जा सका है, उनका भी उल्लेख करें)।

20. कोटि निर्धारण. — (उत्कृष्ट/बहुत प्रशंसा/प्रशंसा/औसत/औसत से कम) (किसी अधिकारी को उत्कृष्ट कोटि तब तक नहीं दी जानी चाहिए जब तक कि उसमें विशिष्ट गुण तथा कार्य निष्पादन देखने में न आया हो, जिन कारणों से ऐसी कोटि दी गई है, उनका स्पष्ट रूप में उल्लेख किया जाना चाहिए)।

हस्ताक्षर

नारीक्ष

नाम

पदनाम

भाग-V

पुनरीक्षा करने वाले प्राधिकारी की शक्तियाँ।

1. प्रावक अधीन सेवा की प्रवृत्ति

2. क्या आप इस बात से संतुष्ट हैं कि रिपोर्ट लिखने वाले प्राधिकारी ने अधिकारी की रिपोर्ट पूरी सावधानी के साथ और ध्यानपूर्वक तथा सभी संगत बातों को ध्यान में रखते हुए दी है।

3. क्या आप रिपोर्ट लिखने वाले प्राधिकारी द्वारा किए गए अधिकारी के मूल्यांकन से सहमत हैं?

(कृपया असहमत होने की वशा में, कारण निर्दिष्ट करें; क्या आप उसमें कुछ परिवर्तन करना या जोड़ना चाहेंगे)।

4. रिपोर्ट लिखने वाले अधिकारी द्वारा दी गई सामान्य शक्तियाँ तथा अधिकारी के बारे में विशिष्ट टिप्पणियों सहित सामान्य शक्तियाँ तथा अधिकारी के सराहनीय कार्य के बारे में शक्तियाँ।

5. क्या अधिकारी में कोई ऐसी विशिष्टताएँ तथा/अथवा कोई योग्यताएँ हैं जो विशेष कार्य के लिए अथवा/बानी से पूर्व पदोन्नति के लिए उसके चयन को औचित्यपूर्ण ठहराते हैं? यदि हाँ तो उसका उल्लेख करें।

6. कोटि निर्धारण. — (उत्कृष्ट/बहुत प्रशंसा/प्रशंसा/औसत/औसत से कम) (किसी अधिकारी को उत्कृष्ट कोटि तब तक नहीं दी जानी चाहिए जब तक कि उसमें विशेष गुण तथा कार्य निष्पादन देखने में न आया हो, जिन कारणों से ऐसी कोटि दी गई है, उनका स्पष्ट रूप में उल्लेख किया जाना चाहिए)।

भाग-VI

रिपोर्ट स्वीकार करने वाले प्राधिकारी की शक्तियाँ

रिपोर्ट स्वीकार करने वाले प्राधिकारी के हस्ताक्षर
नारीक्ष

नाम स्पष्ट पक्षों में

पदनाम

(रिपोर्ट की प्रवृत्ति के दौरान)

फार्म-II

भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों के लिए

गोपनीय रिपोर्ट

अधिनियम बेलन

अधिकारी का नाम 2

. को समाप्त वर्ष/प्रवृत्ति की रिपोर्ट।

अनुदेश

1. गोपनीय रिपोर्ट एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इसमें अधिकारी के कार्य निष्पादन का मूल्यांकन करने के लिए और उसके कैरियर में उसकी आगे प्रोन्नति के लिए बुनियादी और महत्वपूर्ण सूचना होती है। अतः जिस अधिकारी की रिपोर्ट लिखी जाती है, उसे रिपोर्ट लिखने वाला प्राधिकारी, पुनरीक्षा करने वाले प्राधिकारी तथा रिपोर्ट स्वीकार करने वाले प्राधिकारी को फार्म भरते समय पूरी जिम्मेदारी से काम लेना चाहिए।

2. गोपनीय रिपोर्टों के माध्यम से कार्य निष्पादन के मूल्यांकन का उपयोग मानव संसाधन विकास के एक माध्यम के रूप में किया जाना चाहिए। रिपोर्ट लिखने वाले अधिकारियों को यह महसूस करना चाहिए कि उद्देश्य अधिकारी का विकास करना है ताकि वह अपनी वास्तविक क्षमता का पूर्ण रूप से समझ सके। इसका भावपूर्ण शोध निष्पादन वाली प्रक्रिया से नहीं है बल्कि विकास है। रिपोर्ट लिखने वाले तथा पुनरीक्षण अधिकारी को चाहिये कि जिस अधिकारी की रिपोर्ट लिखी जा रही है, उसके कार्य निष्पादन, रचनीय अथवा सम्पूर्ण व्यक्तित्व में कमियों का उल्लेख करने में संकोच न करें।

3. कालम पूरी सावधानी के साथ तथा ध्यान से और काफी समय लगा कर भरे जाने चाहिये। यदि रिपोर्ट असाधारणता से अथवा सरसरी तौर पर भरने का प्रयत्न किया जाता है तो इसे उच्च प्राधिकारियों द्वारा अमान्य से पहचान लिया जाएगा।

4. रिपोर्ट लिखने वाले अधिकारी द्वारा कार्य निष्पादन का मूल्यांकन उच्च स्थिति को छोड़कर जबकि अधीनस्थ कर्मचारी ऐसा व्यक्ति न हो जिसके साथ उसके बरिष्ठ अधिकारी का वास्तविक प्रत्यक्ष सम्बन्ध हो, तब तक नहीं किया जाना चाहिए जब तक कि उसके द्वारा अधीनस्थ कर्मचारी के कामकाज का कम से कम एक बार विस्तृत निरीक्षण न कर लिया गया हो।

5. यदि पुनरीक्षण प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि रिपोर्ट लिखने वाले प्राधिकारी ने रिपोर्ट पूरी सावधानी तथा ध्यान दिए बिना लिखी है तो वह इस आशय की एक टिप्पणी भाग V/कालम 2 में दर्ज करेगा। सरकार इन टिप्पणियों की प्रविष्टि रिपोर्ट लिखने वाले प्राधिकारी की गोपनीय रिपोर्ट में करेगी।

6. प्रत्येक उत्तर वर्णनात्मक रूप में दिया जाएगा। उपलब्ध कराये गए स्थान से उत्तर की वांछित लम्बाई का पता चलता है। शब्दों तथा गूहाक्षरों को सावधानीपूर्वक चुना जाए और उनके प्रयोग से उत्तर लिखने वाले अधिकारी का वास्तविक अभिप्राय प्रकट होता चाहिए। कृपया स्पष्ट तथा सरल भाषा का प्रयोग करें। किसी भी विशिष्टता के सम्मुख अपनी टिपणियाँ देते समय "उल्लेख", "वृत्त अन्वय", "अन्वय", "सामान्य", "सामान्य से नीचे" जैसे बहुप्रयोजनीय शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिये।

7. रिपोर्ट लिखने वाला अधिकारी वर्ष के आरम्भ में ऐसे प्रत्येक अधिकारी के परामर्श से जिसकी रिपोर्ट उसके द्वारा लिखी जाती है, परिमाणनात्मक वास्तविक/वित्तीय लक्ष्य निर्धारित करेगा। जिस अधिकारी की रिपोर्ट लिखी जा रही हो उसके तथा रिपोर्ट लिखने वाले अधिकारी के बीच निष्पादन गत्यात्मक एक सम्मिलित प्रयास होता चाहिए। अधिल भारतीय सेवा अधिकारियों के मामले में लक्ष्य/उद्देश्य/ध्येय रिपोर्ट से संबंधित वर्ष के आरम्भ में अर्थात् अप्रैल में नियत किए जाएंगे। यदि कोई अधिकारी रिपोर्ट से संबंधित वर्ष के दौरान नहीं नियुक्त का कार्यभार सम्भालता है तो ऐसे लक्ष्य/उद्देश्य/ध्येय नहीं नियुक्त के कार्य ग्रहण के समय नियत किए जाएंगे।

8. दोनों ही संबंधित अधिकारियों को लक्ष्य/उद्देश्य/ध्येयों की स्पष्ट जानकारी तथा ज्ञान होना चाहिए। लक्ष्य नियत करते समय, अथवा सब कार नियत की जाती चाहिए और कार्य के स्वरूप तथा क्षेत्र को और जिस अधिकारी की रिपोर्ट लिखी जाती है उसके कार्य के स्वरूप में जो विशिष्टताएं हैं उन्हें ध्यान में रखा जाना चाहिए।

9. यद्यपि मूल्यांकन निष्पादन वर्ष की समाप्ति पर किया जाता है तो भी इस उद्देश्य को ध्यान में रखकर कि वह मानव संसाधन के विकास का साधन हो, रिपोर्ट लिखने वाले अधिकारी तथा उस अधिकारी को जिसकी रिपोर्ट लिखी जा रही हो, वर्ष के दौरान नियमित अन्तरालों पर एक दूसरे से मिलना चाहिए ताकि निष्पादन की समीक्षा की जा सके और आवश्यक उपकारात्मक उपाय किये जाएं।

10. मूल्यांकन करने वाले प्रत्येक अधिकारी का यह प्रयत्न होना चाहिए कि जिस व्यक्ति के कार्यों का मूल्यांकन किया जा रहा है उसके निष्पादन, आचरण, व्यवहार तथा क्षमता को यथासंभव सही-सही णित प्रस्तुत किया जाए।

11. एक ही रैंक के कुछ पद दूसरों की तुलना में अधिक उपसाध्य हो सकते हैं। किसी पद में दाब तथा तनाव की मात्रा समय समय पर अलग-अलग भी हो सकती है। मूल्यांकन के दौरान इन तथ्यों को ध्यान में रखा जाना चाहिए और इन पर यथाचित टिप्पणी की जाए।

12. जिस व्यक्ति के कार्य का मूल्यांकन किया जा रहा हो उसके विभिन्न गुणों के संबंध में जिन पहलुओं का मूल्यांकन किया जाता है उनका वर्णन प्रत्येक कालम के नीचे किया गया है। मूल्यांकन करने वाले अधिकारियों को विशिष्टताओं से संबंधित इन पहलुओं तथा अन्य पहलुओं पर कार्रवाई करनी चाहिए।

टिप्पणी:—सत्यनिष्ठा से संबंधित कालम को भरने के लिए निम्नलिखित क्रियाविधि का पालन किया जाना चाहिए:—

(1) यदि अधिकारी की सत्यनिष्ठा में कोई संदेह नहीं है तो ऐसा उल्लेख किया जाए।

(2) यदि कोई संदेह अथवा शंका है तो कालम खाली छोड़ दिया जाए और निम्नलिखित कार्रवाई की जाए:

(क) एक अलग गोपनीय टिप्पणी लिखकर उस पर अनुवर्ती कार्रवाई की जाए। इस टिप्पणी की प्रति गोपनीय रिपोर्ट सहित उच्चतर वरिष्ठ अधिकारी को भी भेजी जाए जो यह सुनिश्चित करेगा

कि क्या अनुवर्ती कार्रवाई की जानी है। जिन मामलों में सत्यनिष्ठा सत्यापित करना अथवा गोपनीय टिप्पणी दर्ज करना सम्भव न हो तो रिपोर्ट लिखने वाले अधिकारी को रिक्ति अनुसार यह उल्लेख करना चाहिए कि या तो उसने अधिकारी के कार्य पर-पराप्त समय तक निगरानी नहीं रखी थी जिससे कि कोई ठोस निष्पत्ति दिया जा सके अथवा उसने अधिकारी के विरुद्ध इस आणव की कोई बात नहीं सुनी है।

(ख) यदि अनुवर्ती कार्रवाई के फलस्वरूप, संदेह अथवा शंका समाप्त हो जाती है तो अधिकारी की सत्यनिष्ठा सत्यापित की जाए और गोपनीय रिपोर्ट में तदनुसार प्रविष्टि की जाए।

(ग) यदि संदेह अथवा शंकाओं की पूर्ति हो जाती है तो यह तथ्य भी रिकार्ड किया जाए और संबंधित अधिकारी को इस की विधिवत सूचना दी जाए।

(घ) यदि अनुवर्ती कार्रवाई के फलस्वरूप, संदेह अथवा शंकाएं न तो समाप्त होती और नहीं इसकी पूर्ति होती है तो अधिकारी के आचरण पर और आगे निगरानी रखी जाए और उसके बाद ऊपर (ख) तथा (ग) पर यथानिश्चित कार्रवाई की जाए।

(गृह मंत्रालय का कार्यालयन आपन संख्या 51/4/64-रवा. (क), दिनांक 21.6.65)

फार्म-II

भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों के लिए गोपनीय रिपोर्टें
(प्रधिसमय के तत्काल)

को समाप्त वर्ष/अवधि की रिपोर्टें)

भाग-I

व्यक्तिक ध्यौर

(जिन अधिकारी की रिपोर्ट लिखी जाती है उसके द्वारा भरे जाने के लिए)

1. अधिकारी का नाम

2. संवर्ग तथा आबंटन वर्ष

3. जन्म तिथि

4. लम्बाई
छाती
वजन
कमर

5. वर्तमान ग्रेड में लगातार नियुक्ति की तारीख
तारीख
ग्रेड

6. वर्तमान पद तथा उस पर नियुक्ति की तारीख
तारीख
पद

7. इयूटी से अनुपस्थिति की अवधि
(वर्ष के दौरान छुट्टी, प्रशिक्षण आदि पर)

भाग-II

जिस अधिकारी की रिपोर्ट लिखी जाती है उसके द्वारा भरे जाने के लिए

(कृपया प्रविष्टियों को भरने से पूर्व फार्म के शुरु से दिए गए अनु-देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

1. इयूटियों का संक्षिप्त विवरण

2. वर्ष के दौरान लिए गए प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का विवरण

3. वर्ष के दौरान प्राप्त हुए पदक अथवा प्रशंसा पत्र।

4. (क) जो लक्ष्य/उद्देश्य/ध्येय आपके लिए निर्धारित किए गए थे तथा/अथवा अपने स्वयं निर्धारित किए थे उनमें से प्रमुख लक्ष्यों/उद्देश्यों/ध्येयों का प्राथमिकता के क्रम में उल्लेख करें।

(ख) जहाँ कहीं लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं वहाँ विशेष रूप से निरीक्षणों और वारों तथा आमतौर पर अपराध संबंधी कार्य के देखरेख के संबंध में लक्ष्यों की पूर्ति किस सीमा तक हो सकी।

5. (क) कृपया कालख 4(क) में निर्दिष्ट लक्ष्यों/उद्देश्यों/ध्येयों के संदर्भ में कोई खासियाँ रही हों तो उनका संक्षेप में उल्लेख करें। इस संबंध में यदि कोई बन्धियाँ आई हों तो उनका भी उल्लेख करें।

(ख) कृपया उन सर्वों का भी उल्लेख करें जिनमें लक्ष्यों के संबंध में उल्लेखित विशेष रूप से बेहतर/उत्कृष्ट रही है और उनमें अपने योगदान का भी वर्णन करें।

भाग-III रिपोर्ट लिखने वाले अधिकारी द्वारा भरे जाने के लिए

(कृपया प्रविष्टियों को भरने से पूर्व कार्य के अंत में दिए गए अनुदेशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।)

ए. कार्य की प्रकृति और गुणवत्ता :

1. कृपया अधिकारी द्वारा भरे गए भाग-II पर टिप्पणी दें और विशेष रूप से बताएं कि क्या आप उद्देश्यों/लक्ष्यों/ध्येयों/उपलक्ष्यों और कमियों के बारे में दिए गए उत्तरों से सहमत हैं। यदि उद्देश्यों की प्राप्ति में कोई बन्धियाँ आई हों तो उनका भी स्पष्ट उल्लेख करें।

2. कार्य-निष्पादन का स्तर : (कृपया कार्य के स्तर और कार्यक्रम के लक्ष्यों और कठिनाइयों को, यदि कोई हों तो ध्यान में रखते हुए अधिकारी के कार्य-निष्पादन के स्तर पर टिप्पणी दें)

3. गुण-क्षेत्र की जानकारी : (कृपया कार्यों, सगत अनुदेशों और उन्हें लागू करने प्रत्येक के बारे में अधिकारी की जानकारी के स्तर पर विभाजित टिप्पणियाँ दें)

बी. विशेषताएं

4. नेतृत्व के गुण : (कृपया अधिकारी द्वारा लक्ष्यों और उद्देश्यों को निर्धारित करने तथा उनको प्राप्ति के लिए वातावरण को समझने, परिवर्तन का पूर्वानुमान लगाने और नए विचारों तथा नई कार्य पद्धतियों के रूप में योगदान देने से संबंधित क्षमता पर टिप्पणी करें)

5. प्रबंध संबंधी योग्यताएं : (कृपया अधिकारी की उत्तरदायित्व स्वीकार करने की तत्परता, आयोजना क्षमता, प्रेरित करने की योग्यता, समय पर तथा उचित मार्गदर्शन देने की क्षमता तथा उसके द्वारा अधीनस्थ कर्मचारियों के प्रशिक्षण तथा विकास के प्रति साधरभाव रखे जाने के संबंध में टिप्पणी करें)

6. पहल शक्ति तथा योजना निर्माण संबंधी क्षमता : (कृपया अधिकारी द्वारा समस्याओं का पूर्वानुमान लगाने तथा ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए पहले से कार्यवाई की योजना तैयार कर लेने से संबंधित क्षमता तथा उपाय कुशलता पर टिप्पणी करें। अधिकारी द्वारा अपने ही प्रयासों से अप्रत्याशित परिस्थितियों पर काबू पाने तथा प्रतिरिक्त और कार्य के नए क्षेत्रों का दायित्व स्वीकार करने की तत्परता पर भी टिप्पणी करें)

7. निर्णय लेने संबंधी क्षमता : (निर्णय लेने और विकल्पों के गुण-अवगुण परखने के बारे में अधिकारी की क्षमता पर टिप्पणी करें)

8. संप्रेषण संबंधी दक्षता : (लिखित तथा मौखिक) : (कृपया संप्रेषण के कार्य में और अपने तर्कों को प्रस्तुत करने में अधिकारी की क्षमता पर टिप्पणी करें)

9. मूल्यांकन कार्य संबंधी क्षमता : (कृपया अधीनस्थ कर्मचारियों के कार्यनिष्पादन का निष्पक्ष तथा वस्तुनिष्ठ ढंग से मूल्यांकन करने और

उसे लिपिबद्ध करने के संबंध में अधिकारी की निपुणता तथा क्षमता पर टिप्पणी करें)

10. आपसी निजी संबंध तथा सामूहिक कार्य : (वरिष्ठ अधिकारियों सहकर्मियों तथा अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ अधिकारी के संबंधों के स्तर तथा वन के एक सदस्य के रूप में कार्य करने और मिलकर काम करने की भावना को बढ़ावा देने तथा दल के कार्यनिष्पादन को सर्वोत्तम बनाने के संबंध में उसके गुणों पर टिप्पणी करने की कृपा करें)

11. जनता के साथ संबंध : (जनता के लिए अधिकारी की उपलब्धता तथा जनता की मांगों के प्रति उसकी सहानुभूति के बारे में कृपया टिप्पणी करें)

12. अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों/समाज के कमजोर वर्गों के प्रति दृष्टिकोण : (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों की समस्याओं के बारे में अधिकारी की समझ तथा उन समस्याओं को निपटाने में उसके प्रयासों पर कृपया टिप्पणी करें)

13. जांच पड़ताल की देखरेख में प्रभावोत्पादकता

14. सामुदायिक सम्भाव्य बनाए रखने में प्रभावोत्पादकता

15. पुलिस कमियों और उनके परिवारों के कल्याण में रुचि : (पुलिस कमियों और उनके परिवारों के कल्याण के प्रति अधिकारी के दृष्टिकोण पर टिप्पणी करें)

16. अभिवृद्धि तथा अन्तः शक्ति : (कृपया अधिकारी की संघटित विशेषज्ञता तथा कैरियर विकास के लिए निम्नलिखित में से कार्य के तीन क्षेत्र निर्दिष्ट करें)

- (i) सामान्य प्रशासन
- (ii) कामिक प्रशासन
- (iii) प्रशिक्षण
- (iv) अनुसंधान तथा विकास की योजना बनाना
- (v) स्टाफ इयुटियाँ
- (vi) सचिवालयी कार्य
- (vii) कानून तथा व्यवस्था
- (viii) वृद्धिमत्ता
- (ix) सतर्कता/अपराध विरोधी कार्य
- (x) अपराध की जांच पड़ताल
- (xi) महानगर का नियंत्रण
- (xii) यातायात व्यवस्था
- (xiii) रुकौत/विद्रोह उन्मूलन कार्य
- (xiv) शब्द सैनिक/समाप्त पुलिस
- (xv) सुरक्षा (अति विविष्ट व्यक्ति, हवाई अड्डा और औद्योगिक सुरक्षा सहित)
- (xvi) बेतार, वैज्ञानिक उपकरणों, कम्प्यूटर सेवा आदि जैसी वैज्ञानिक सेवाएँ/विशेष यूनिट
- (xvii) कोई अन्य कार्य क्षेत्र (कृपया उल्लेख करें)

17. विशेष/विशेष योग्यताएं

- (i) सामान्य वरताय तथा व्यवस्थित
- (ii) मिलनसारी
- (iii) कर्तव्य के प्रति सम्पूर्ण
- (iv) परिस्थितियों को समझना और फुरती से कार्रवाई करना
- (v) व्यौरों के प्रति सावधानी
- (vi) दबाव/तनाव सहन करने की योग्यता
- (vii) सिद्धांती निर्णय लेने की योग्यता
- (viii) अधिकारी के उपर्युक्त के प्रतिरिक्त कोई अन्य विशेष/विशेष योग्यताएं

भाग-IV विविध

भाग-VI रिपोर्ट स्वीकार करने वाले अधिकारी की टिप्पणियां

18. स्वास्थ्य

(कृपया बताएं कि अधिकारी का वजन अधिक है या कम है और क्या वह क्षेत्रीय इयूटी के काबिल है)

19. सत्यनिष्ठा—

(कृपया अनुदेशों के नीचे दी गई टिप्पणी देखें)

20. सामान्य मूल्यांकन — कोई कार्य/पहुल जिसका विशेष उल्लेख किया जाना चाहिए।

(कृपया अधिकारी के सामर्थ्य तथा कमियों के संदर्भ में उसका समग्र मूल्यांकन करें तथा जिन गुणों का उल्लेख उपर्युक्त प्रविष्टियों के अधीन नहीं किया जा सका है, उनका भी उल्लेख करें)।

21. कोटि निर्धारण

(उत्कृष्ट/बहुत अच्छा/अच्छा/औसत से कम)

(किसी अधिकारी को तब तक उत्कृष्ट कोटि नहीं दी जानी चाहिए जब तक कि उसमें विशिष्ट गुण तथा कार्य-निष्पादन देखने में न आया हो, जिन कारणों से ऐसी कोटि दी गई है, उनका स्पष्ट रूप में उल्लेख किया जाना चाहिए।)

हस्ताक्षर

तारीख

नाम (स्पष्ट अक्षरों में)

पदनाम

(रिपोर्ट की अवधि के दौरान)

भाग-V पुनरीक्षा करने वाले प्राधिकारी की प्रभुक्तियां।

22. आपके अधीन सेवा की अवधि।

23. क्या आप इस बात से संतुष्ट हैं कि रिपोर्ट लिखने वाले प्राधिकारी ने अधिकारी की रिपोर्ट पूरी सावधानी के साथ और ध्यानपूर्वक तथा सभी संगत बातों को ध्यान में रखते हुए दी है।

24. क्या आप रिपोर्ट लिखने वाले प्राधिकारी द्वारा किए गए अधिकारी के मूल्यांकन से सहमत हैं (कृपया असहमत होने की वशा में, कारण निविष्ट करें)। क्या आप उसमें कुछ परिवर्तन करना या जोड़ना चाहेंगे)

25. रिपोर्ट लिखने वाले प्राधिकारी द्वारा दी गई सामान्य प्रभुक्तियों के बारे में विशिष्ट टिप्पणियां सहित सामान्य प्रभुक्तियां तथा अधिकारी के सहाय्यीय कार्य के बारे में प्रभुक्तियां।

26. क्या अधिकारी में कोई ऐसी विशिष्टताएं तथा/अथवा कोई ऐसी योग्यताएं हैं जो विशेष कार्य के लिए अथवा/वारी से पूर्व पदोन्नति के लिए उसके चयन को औचित्यपूर्ण ठहरावीं हो? यदि हां, तो उनका उल्लेख करें।

27. कोटि निर्धारण

(उत्कृष्ट/बहुत अच्छा/अच्छा/औसत/औसत से कम)

(किसी अधिकारी को उत्कृष्ट कोटि तब तक नहीं दी जानी चाहिए जब तक कि उसमें विशिष्ट गुण तथा कार्य-निष्पादन देखने में न आया हो, जिन कारणों से ऐसी कोटि दी गई है, उनका स्पष्ट रूप में उल्लेख किया जाना चाहिए।)

हस्ताक्षर

तारीख

नाम (स्पष्ट अक्षरों में)

पदनाम

(रिपोर्ट की अवधि के दौरान)

रिपोर्ट स्वीकार करने वाले प्राधिकारी के हस्ताक्षर

तारीख

नाम (स्पष्ट अक्षरों में)

पदनाम

(रिपोर्ट की अवधि के दौरान)

फॉर्म - III

भारतीय पुलिस सेवा के प्राधिकारियों के लिए

गोपनीय रिपोर्ट

अधिसमय बेलनमान में ऊपर

अधिकारी का नाम

..... की समाप्त वर्ष/अवधि की रिपोर्ट

अनुदेश

1. गोपनीय रिपोर्ट एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इसमें अधिकारी के कार्य निष्पादन का मूल्यांकन करने के लिए और उसके कैरियर में उसकी आगे प्रगति के लिए बुनियादी और महत्वपूर्ण सूचना होती है। अतः जिस अधिकारी की रिपोर्ट लिखी जानी है, उसे रिपोर्ट लिखने वाला प्राधिकारी, पुनरीक्षा करने वाले प्राधिकारी तथा रिपोर्ट स्वीकार करने वाले प्राधिकारी को कार्य भरने समय पूरी जिम्मेदारी से काम लेना चाहिए।

2. गोपनीय रिपोर्टों के माध्यम से कार्य-निष्पादन के मूल्यांकन का उपयोग मानव संसाधन विकास के एक साधन के रूप में किया जाना चाहिए। रिपोर्ट लिखने वाले अधिकारियों को यह महसूस करना चाहिए कि उद्देश्य अधिकारी का विकास करना है ताकि वह अपनी वास्तविक क्षमता को पूर्ण रूप से भूमक सके। इसका तात्पर्य बीच निवासने वाली प्रक्रिया से नहीं है बल्कि विकास से है। रिपोर्ट लिखने वाले तथा पुनरीक्षण अधिकारी को चाहिए कि जिस अधिकारी की रिपोर्ट लिखी जा रही है, उसके कार्य निष्पादन, रवैये अथवा संपूर्ण व्यक्तित्व में कमियों का उल्लेख करने में संकोच न करे।

3. कालम पूरी मावसानी के साथ तथा ध्यान से और काफी समय लगा कर भरे जाने चाहिए। यदि रिपोर्ट असावधानी से अथवा सरसरी तौर पर भरने का प्रयत्न किया जाता है तो इसे उच्च प्राधिकारियों द्वारा आसानी से पहचान लिया जाएगा।

4. रिपोर्ट लिखने वाले अधिकारी द्वारा कार्य-निष्पादन का मूल्यांकन उस स्थिति की छोड़कर जबकि अधीनस्थ कर्मचारी ऐसा व्यक्ति न हो जिनके साथ उनके दृष्टि अधिकारी का वास्तविक प्रसिद्धि पड़ता हो, तब तक नहीं किया जाना चाहिए जब तक कि उसके द्वारा अधीनस्थ कर्मचारी के कामकाज का कम से कम एकबार विस्तृत निरीक्षण न कर लिया गया हो।

5. यदि पुनरीक्षण प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हैं कि रिपोर्ट लिखने वाले प्राधिकारी ने रिपोर्ट पूरी सावधानी तथा ध्यान दिए बिना लिखा है तो वह हम आशय की एक टिप्पणी भाग-V कालम 2 में दर्ज कर देगा। सरकार इन टिप्पणियों को प्रविष्टि रिपोर्ट लिखने वाले प्राधिकारी की गोपनीय रिपोर्ट में करेगी।

6. प्रत्येक उत्तर वर्णनात्मक रूप में दिया जाएगा। उपसंख्य कराये गए स्थान से उत्तर की वांछित लम्बाई का पता चलता है। शब्दों तथा मूहों को सावधानीपूर्वक चुना जाए और उसके प्रयोग से उत्तर लिखने वाले प्राधिकारी की वास्तविक अभिप्राय प्रकट होना चाहिए। कृपया सुस्पष्ट तथा सरल भाषा का प्रयोग करें। किसी भी विशिष्टता के सम्बन्ध अपनी टिप्पणियों से समग्र "उत्कृष्ट", "बहुत अच्छा", "अच्छा", "सामान्य",

“सामान्य से नीचे”, जैसे “व्ययोजनीय शर्तों का प्रयोग नहीं करना” चाहिए।

7. रिपोर्ट मिलने वाले अधिकारी वर्ष के आरम्भ में ऐसे प्रत्येक अधिकारी के परामर्श में इनकी रिपोर्ट उसके द्वारा लिखी जानी है, परिमाण/वस्तु/वित्तीय/व्यय निदर्शित करेगा। जिस अधिकारी की रिपोर्ट लिखी जा रही हो, उनके तथा रिपोर्ट लिखने वाले अधिकारी के बीच निष्पादन-सूचक एवं सम्मिलित प्रयोग होना चाहिए। अन्तिम भारतीय सेवा अधिकारियों के मामले में व्यय/उद्देश्य/धर्म रिपोर्ट में संबंधित वर्ष के आरम्भ में अर्थात् अग्रिम में नियत किए जाएंगे। यदि कोई अधिकारी रिपोर्ट में संबंधित वर्ष के दौरान नहीं नियुक्त या कार्य-भार सम्हालता है तो ऐसे लक्ष्य/उद्देश्य/धर्म नहीं नियुक्त के कार्य प्रथम के समय नियत किए जाएंगे।

8. दोनों ही संबंधित अधिकारियों का लक्ष्य/उद्देश्य/धर्मों की स्पष्ट जानकारी तथा ज्ञान होना चाहिए। लक्ष्य नियत करने समय, अग्रिम संधार नियमों की जानी चाहिए और कार्य के स्वभाव तथा क्षेत्र का और जिस अधिकारी की रिपोर्ट लिखी जानी है उसके कार्य के स्वरूप में भी विनिश्चिष्टता हो उक्त ध्यान में रखा जाना चाहिए।

9. यद्यपि मूल्यांकन निष्पादन वर्ष की समाप्ति पर किया जाता है तो भी इस उद्देश्य का ध्यान में रखकर कि वह मासिक संसाधन के विकास का मापन हो, रिपोर्ट लिखने वाले अधिकारी तथा उस अधिकारी को जिसकी रिपोर्ट लिखी जा रही हो, वहाँ के प्रमाण निदर्शित प्रस्तावों पर एक दूसरे से मिलना चाहिए ताकि निष्पादन की समीक्षा की जा सके और आवश्यक उपचारार्थक उपाय किए जाएं।

10. सूच्यंकन करने वाले प्रत्येक अधिकारी का यह प्रयत्न होना चाहिए कि जिस व्यक्ति के कार्यों का मूल्यांकन किया जा रहा है, उसके निष्पादन, आचरण, व्यवहार तथा श्रमता का यथोचित मूल्यांकन-तरीका निश्चय प्रस्तुत किया जाए।

11. एक ही रैंक के कुछ पद दूसरों की तुलना में अधिक उपमाध्य हो सकते हैं। किसी पद में दबाव तथा जवाब की मात्रा समय-समय पर अलग-अलग हो सकती है। मूल्यांकन के दौरान इन संधियों का ध्यान में रखा जाना चाहिए और इन पर यथोचित टिप्पणी की जाए।

12. जिग व्यक्ति के कार्य का मूल्यांकन किया जा रहा हो उसके विभिन्न गुणों के संबंध में जिन पहलुओं का मूल्यांकन किया जाना है उनका खण्ड प्रत्येक कालम में नीचे किया गया है। मूल्यांकन करने वाले अधिकारियों को विशेषतः इस संबंधित इस पहलुओं तथा अन्य पहलुओं पर कार्रवाई करनी चाहिए।
टिप्पणी:

सम्बन्धित गे संबंधित कालम को भरने के लिए निम्नलिखित क्रिया-विधि का पालन किया जाना चाहिए:-

- (1) यदि अधिकारी की सम्बन्धित गे कोई संदेह नहीं है तो ऐसा उल्लेख किया जाए।
- (2) यदि कोई संदेह अथवा शक है तो कालम खाली छोड़ दिया जाए और निम्नलिखित कार्रवाई की जाए:-
- (क) एक अलग गोपनीय टिप्पणी लिखकर उस पर अनुवर्ती कार्रवाई की जाए। इन टिप्पणी की पनि गोपनीय रिपोर्ट में प्रति उत्तरदायी अधिकारी की भी भेजी जाए जो यह पु-निश्चित करेगा कि अनुवर्ती कार्रवाई की जा रही है। जिन मामलों में सम्बन्धित सत्यापित करना अथवा गोपनीय टिप्पणी देने करना संभव न हो तो रिपोर्ट लिखने वाले अधिकारी को निम्नलिखित अनुसार यह उल्लेख करना चाहिए कि या तो उसने अधिकारी के कार्य पर पर्याप्त समय तक निगरानी नहीं रखी थी जिससे कि कोई ऐसा निर्णय दिया जा सके

अथवा उसने अधिकारी के विषय इस आयु की कोई ज्ञान नहीं रखी है।

- (ख) यदि अनुवर्ती कार्रवाई के फलस्वरूप, संदेह अथवा शकां समाप्त हो जाती है तो अधिकारी की सम्बन्धित सत्यापित की जाए और गोपनीय रिपोर्ट में तदनुसार उक्ति दी जाए।
- (ग) यदि संदेह अथवा शकां की पुष्टि हो जाती है तो यह मामला भी प्रकाश किया जाए और संबंधित अधिकारी को इसकी विधिवत सूचना दी जाए।
- (घ) यदि अनुवर्ती कार्रवाई के फलस्वरूप, संदेह अथवा शकां न तो समाप्त होती है और न ही इनकी पुष्टि होती है तो अधिकारी के आचरण पर और आगे निगरानी रखी जाए और उसके पक्ष ऊपर (ख) तथा (ग) पर यथावि-ष्टित कार्रवाई की जाए।

(गृह मंत्रालय का कार्यालय कापन संख्या 51/1/64-गंगा (क) दिनांक 21-6-65)

फार्म-III

भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों के लिए गोपनीय रिपोर्ट
(वर्षावसय के समाप्त से ऊपर)
----- का समाप्त वर्ष/अर्ध को रिपोर्ट

भाग-I

व्यक्तिगत धर्म

(जिस अधिकारी की रिपोर्ट लिखी जानी है उसके द्वारा भरे जाने के लिए)

1. अधिकारी का नाम
2. संवर्ग तथा आर्बटन वर्ष
3. जन्म-तिथि
4. लम्बाई
छाती
वजन
कमर
5. अंशमान ग्रेड में लगातार नियुक्ति की तारीख तारीख से
6. वर्तमान पद तथा उस पर नियुक्ति की तारीख पद
7. दृष्टी से अनुपस्थिति की अवधि
(वर्ष के दौरान छुट्टी प्रशिक्षण आदि पर)

भाग-II रिपोर्ट लिखने वाले प्राधिकारी द्वारा भरे जाने के लिए (कृपया प्रविष्टियों को भरने से पूर्व फार्म के शुरू में दिए गए अनुदेशों को ध्यान पूर्वक पढ़ें)

1. स्वास्थ्य -----
2. सामान्य मूल्यांकन -----

(इसमें अधिकारी के व्यक्तित्व का समग्र मूल्यांकन विवरणात्मक रूप में दिया होना चाहिए, जिसमें उसके गुण तथा अयुक्तों के संबंध से तथा विशेष रूप से निम्न के बारे में उल्लेख किया जाना चाहिए अर्थात् भविष्य की गुणवत्ता वैचारिक योग्यता संश्लेषण योग्यता (लिखित तथा मौखिक):

विश्लेषणात्मक तथा योजनागत योग्यता, नेतृत्व के गुण तथा पहल शक्ति, विवरण की और ध्यान, उद्यम तथा कर्मचारी निष्ठा, निर्णय, निपटारा की शक्ति, उत्तरदायित्व स्वीकार करने तथा निर्णय देने की तत्परता, अधीनस्थ तथा सहकर्मियों के साथ संबंध, जन संपर्क, अधीनस्थ के प्रशिक्षण और विकास में तथा अनुपस्थित जालियों/अन्युक्तित जलजालियों तथा समाज के कमजोर वर्गों के विकास में रुचि।

3. सम्बन्धिता -----

(कृपया अनुदेशों के नीचे दी गई टिप्पणी दें)

1. कोई निवारण

(उत्कृष्ट/बहुत अच्छा/अच्छा/औसत/औसत से कम) (किसी कारी को उत्कृष्ट कोटि तक तक नहीं दी जानी चाहिए जब तक कि उसमें विशिष्ट गुण तथा कार्यनिष्पादन देखने में न आया हो, जिन कारणों से ऐसी कोटि दी गई है, उनका स्पष्ट रूप में उल्लेख किया जाना चाहिए।)

रिपोर्ट लिखने वाले अधिकारी के हस्ताक्षर
तारीख
नाम स्पष्ट अक्षरों में
पदनाम
(रिपोर्ट की अवधि के दौरान)

भाग-III

पुनरीक्षा करने वाले अधिकारी की अभ्युक्तियाँ

1. पुनरीक्षा करने वाले अधिकारी के अधीन सेवा की अवधि
2. क्या पुनरीक्षा करने वाला अधिकारी इस स्रोत से संतुष्ट है कि रिपोर्ट लिखने वाले अधिकारी ने अधिकारी की रिपोर्ट पूरी सावधानी के साथ और ध्यानपूर्वक तथा सभी संगत बातों को ध्यान में रखते हुए दी है ?
3. क्या आप रिपोर्ट लिखने वाले अधिकारी द्वारा किए गए अधिकारी के मूल्यांकन से सहमत हैं या नहीं ? क्या आप उसमें कुछ परिवर्तन करना या जोड़ना चाहेंगे ?
4. रिपोर्ट लिखने वाले अधिकारी द्वारा दी गई सामान्य अभ्युक्तियों के बारे में विशिष्ट टिप्पणियों सहित सामान्य अभ्युक्तियों तथा अधिकारी के सहाय्यक कार्य के बारे में अभ्युक्तियाँ।
5. क्या अधिकारी में कोई विशेषता है, तथा/अथवा ऐसे कोई असाधारण गुण अथवा योग्यताएँ हैं जो उच्चतर नियुक्तियों के लिए उनकी प्रोन्नति तथा विशेष चयन को स्यायोग्य ठहराती हों। यदि हाँ, कृपया इन विशिष्टताओं का संक्षेप में उल्लेख करें।

6. कोटि निर्धारण

(उत्कृष्ट/बहुत अच्छा/अच्छा/औसत/औसत से कम) (किसी अधिकारी को उत्कृष्ट कोटि तक तक नहीं दी जानी चाहिए जब तक कि उसमें विशेष गुण तथा कार्यनिष्पादन देखने में न आया हो, जिन कारणों से ऐसी कोटि दी गई है, उनका स्पष्ट रूप में उल्लेख किया जाना चाहिए।)

पुनरीक्षा करने वाले अधिकारी के हस्ताक्षर
नाम स्पष्ट अक्षरों में
पदनाम
(रिपोर्ट की अवधि के दौरान)

भाग-IV रिपोर्ट स्वीकार करने वाले अधिकारी की अभ्युक्तियाँ।

रिपोर्ट स्वीकार करने वाले अधिकारी के हस्ताक्षर
तारीख
नाम स्पष्ट अक्षरों में
पदनाम
(रिपोर्ट की अवधि के दौरान)

[मं. 11059/8/87-अ, भाग में -III]

एन. साम्बास, अवर.मजिस्ट्र

New Delhi, the 22nd April, 1987

G.S.R. 347.—In pursuance of rule 4 of the All India Services (Confidential) Rolls) Rules, 1970 and in partial modification of the Notification of the Government of India, in the Ministry of Home Affairs, Department of Personnel and Administrative Reforms No. G.S.R. 214E dated the 15th March, 1984 the Central Government hereby specifies the forms appended hereto as the forms in which the Confidential Reports in respect of members of the Indian Police Service shall be written.

FORM-I

CONFIDENTIAL REPORT

FOR

INDIAN POLICE SERVICE OFFICERS

JUNIOR TIME SCALE

SENIOR TIME SCALE

SELECTION GRADE

Name of the Officer—

Report for the year/persion ending—

INSTRUCTIONS

1. The Confidential Report is an important document. It provides the basic and vital inputs for assessing the performance of an officer and for his/her further advancement in his/her career. The officer reported upon, the Reporting Authority the Reviewing Authority and the Accepting Authority should, therefore, undertake the duty of filling out the form with a high sense of responsibility.

2. Performance appraisal through Confidential Reports should be used as a tool for human resource development. Reporting Officers should realise that the objective is to develop an officer so that he/she realises his/her true potential. It is not meant to be a fault-finding process but a developmental one. The Reporting Officer and the Reviewing Officer should not shy away from reporting shortcomings in performance, attitudes or overall personality of the officer reported upon.

3. The columns should be filled with due care and attention and after devoting adequate time. Any attempt to fill the report in a casual or superficial manner will be easily discernible to higher authorities.

4. Performance evaluation by the reporting officer must not be done without having conducted at least one detailed inspection of the work of the subordinate unless the subordinate is one with whom his senior is inter-acting almost daily.

5. If the Reviewing Authority is satisfied that the Reporting Authority had made the report without due care and attention he shall record a remark to that effect in Part V column 2. The Government shall enter the remarks in the Confidential Roll of the Reporting Authority.

6. Every answer shall be given in narrative form. The space provided indicates the desired length of the answer. Words and phrases should be chosen carefully and should accurately reflect the intention of the authority recording the answer. Please use unambiguous and simple language. Please do not use omnibus expressions like 'outstanding', 'very good', 'good', 'average', 'below average' while giving your comments against any of the attributes.

7. The Reporting Officer shall, in the beginning of the year set quantitative/physical/financial targets in consultation with each of the Officers with respect to whom he is required to report upon. Performance appraisal should be a joint exercise between the officer reported upon and the Reporting Officer. The targets/Goals/Objectives be set at the commencement of the reporting year i.e. April, in the case of the All India Service Officers. In the case of an officer taking up a new assignment in the course of the reporting year, such targets/Goals/objectives shall be set at the time of assumption of the new assignment.

8. The targets/objectives/goals should be clearly known and understood by both the officers concerned. While fixing the targets for achievement, priority should be assigned itemwise, taking into consideration the nature and the area of work and any special features that may be specific to nature of the work of the officer to be reported upon.

9. Although performance appraisal is year-end exercise, in order that it may be a tool for human resource development the Reporting officer and the officer reported upon should meet during the course of the year at regular intervals to review the performance and to take necessary corrective steps.

10. It should be the endeavour of each appraiser to present the truest possible picture of the appraisee in regard to his/her performance, conduct, behaviour and potential.

11. Some posts of the same rank may be more exacting than others. The degree of stress and strain in any post may also vary from time to time. These facts should be borne in mind during appraisal and should be commented upon appropriately.

12. Aspects on which an appraisee is to be evaluated on different attributes are delineated below each column. The appraiser should deal with these and other aspects relevant to the attributes.

NOTE

The following procedure should be followed in filling up the column relating to INTEGRITY.

- (i) If the officer's integrity is beyond doubt, it may be so stated.
- (ii) If there is any doubt or suspicion, the column should be left blank and action taken as under :
 - (a) A separate secret note would be recorded and followed up. A copy of the note should also be sent together with the Confidential Report to the next superior Officer who will ensure that the follow up action is taken expeditiously. Where it is not possible either to certify the integrity or to record the secret note, the Reporting Officer should state either that he had not watched the officer's work for sufficient time to form a definite judgement or that he has heard nothing against the officer, as the case may be.
 - (b) If, as a result of the follow up action, the doubts or suspicions are cleared, the officer's integrity should be certified and an entry made accordingly in the Confidential Report.
 - (c) If the doubts or suspicions are confirmed, this fact should also be recorded and duly communicated to the officer concerned.
 - (d) If as a result of the follow up action, the doubts or suspicions are neither cleared nor confirmed, the officer's conduct should be watched for a further period and thereafter action taken as indicated at (b) and (c) above.

(Ministry of Home Affairs O.M. No. 5114/64-Pstt. (a) dated 21-6-1965).

FORM I

CONFIDENTIAL REPORT FOR INDIAN POLICE SERVICE OFFICERS

(Junior Time Scale, Senior Time Scale and Selection Grade)

Report for the year/period ending—

PART I

PERSONAL DATA

(To be filled by the Officer Reported Upon)

1. Name of Officer
2. Cadre and Year of allotment

3. Date of Birth :

4. Height : Weight :
Chest : Waist :

5. Date of continuous appointment to present grade Date Grade

6. Present Post and date of appointment thereto Date Post

7. Period of absence from duty (on leave, training etc. during the year):

TO BE FILLED BY THE OFFICER REPORTED UPON

PART II

(Please read carefully the Instructions given at the beginning of the form before filling the entries)

1. Brief description of duties
2. Particulars of Training courses undergone during the year.
3. Medals or commendations received during the year.
4. (a) Please specify 8 to 10 targets/goals/objectives that were set for you and/or you set for yourself in order of priority.
- (b) Wherever targets have been fixed how far have they been, achieved particularly in respect of inspections, visits to scenes of crime/sensitive spots, tours and supervision of crime work. You can also highlight any major law & order problems attended to, any improvements/innovation introduced in your area of work and any special work done relating to policemen's welfare.
5. (a) Please state briefly the shortfalls with reference to the targets/goals/objectives referred to in col. 4. Specify the constraints, if any.
- (b) Please indicate items under which there have been significantly better/higher achievements compared to targets and your contribution thereto.

PART III

(To be filled in by the Reporting Authority—Kindly read carefully the instructions given at the beginning of the form before the entries are filled).

A. NATURE AND QUALITY OF WORK

1. Please comment on Part II as filled out by the officer and specifically state whether you agree with the answers relating to targets/goals/objectives, achievements and shortfalls. Also specify constraints, if any, in achieving the objectives.

2. Knowledge of sphere of work.

Please comment specifically on the following :

Knowledge of Law
Knowledge of Police Rules/Procedures
Knowledge of Area or terrain.

B. ATTRIBUTES

3. Attitude to work

(Please comment on the extent to which the officer is dedicated and motivated and on his/her willingness and initiative to learn and systematise his/her work)

4. Decision-making ability

(Please comment on the quality of decision-making and on ability to weigh pros and cons of alternatives)

5. Initiative

(Please comment on the capacity and resourcefulness of the officer in handling unforeseen situations on his/her own and willingness to take additional responsibility and new areas of work)

6. Ability to inspire and motivate

(Please comment on the capacity of the officer to

motivate, to obtain willing support by own conduct and capacity to inspire confidence)

7. Communication skill (written and oral)

(Please comment on the ability of the officer to communicate and on his/her ability to present arguments)

8. Inter-personal relations and teamwork

(Please comment on the quality of relationship with superiors, colleagues and subordinate, and on the ability to appreciate others point of view and take advice in the proper spirit. Please also comment on his/her capacity to work as a member of a team and to promote team spirit and optimise the output of the team)

9. Relations with the public

(Please comment on the officers accessibility to the public and responsiveness to their needs)

10. Attitude towards Scheduled Castes/Scheduled Tribes/Weaker Sections of Society

(Please comment on his/her understanding of the problems of Scheduled Castes and Scheduled Tribes/Weaker Sections and willingness to deal with them)

11. Personnel Management

(Please comment on the officer's willingness to assume responsibility, organising capacity, quality of leadership, ability to provide timely and proper guidance and regard for training and development of subordinates)

12. Effectiveness in supervising Investigation

13. Effectiveness in maintaining communal harmony

14. Interest in Policemen's welfare & their families

(Please comment on any tangible work done in this regard)

15. Aptitude and Potential

(Please indicate three fields of work from amongst the following for possible specialisation and career development of the officer)

- (i) General Administration
- (ii) Personnel Administration
- (iii) Training
- (iv) Planning Research and Development
- (v) Staff duties
- (vi) Secretariat work
- (vii) Law & Order
- (viii) Intelligence
 - (ix) Vigilance/Anti corruption work
 - (x) Investigation of Crime
 - (xi) Metropolitan Policing
 - (xii) Traffic Management
 - (xiii) Anti-dacoity/counter insurgency operations
 - (xiv) Para Military/Armed Police
- (xv) Security (including V.I.P., Airport and Industrial Security)
- (xvi) Special units/Tech. Services like wireless, Scientific Aids, Computer services etc.
- (xvii) Any other field of work (Please specify)

16. TRAITS/SPECIAL ABILITIES

- (i) General caring and personality :
- (ii) Sociability :
- (iii) Dedication to duty :
- (iv) Appreciation of situations and quickness of response :
- (v) Attention to detail :
- (vi) Ability to withstand pressure/stress :
- (vii) Ability to take a principled stand :
- (viii) Any other traits/special abilities of the officer other than those mentioned above :

GENERAL

PART IV

17. State of Health (Please mention whether the Officer is over weight or under weight and whether he is fit for field duties).

18. Integrity (Please see the note below the Instructions).

19. General Assessment : Any action/aspect needing special mention. (Please give an overall assessment of the officer with reference to his/her strength and shortcomings and also by drawing attention to qualities if any, not covered by the entries above).

20. Grading.—Outstanding/Very good/Good Average/Below Average) (An officer should not be graded outstanding unless exceptional qualities and performance have been noticed; grounds for giving such a grading should be clearly brought out).

Signature

Date

Name

Designation

PART V

REMARKS OF THE REVIEWING AUTHORITY

1. Length of service under you.

2. Are you satisfied that the Reporting Authority has made his/her report with due care and attention and after taking into account all the relevant material ?

3. Do you agree with the assessment of the officer given by the reporting authority ? (In case of disagreement, please specify the reasons : Is there anything you wish to modify or add?).

4. General remarks with specific comments about the general remarks given by the reporting authority & remarks about meritorious work of the officer.

5. Has the officer any special characteristics and/or any abilities which would justify his/her selection for special assignment or/out of turn promotion ? If so, please specify.

6. Grading (Outstanding/very Good/Good/Average/Below Average) (An officer should not be graded outstanding unless exceptional qualities and performance have been noticed; grounds for giving such a grading should be clearly brought out).

Signature of the Reviewing Authority

Date

Name in block letters

Designation

(During the period of report)

PART VI

REMARKS OF THE ACCEPTING AUTHORITY

Signature of the Accepting Authority

Date

Name in Capital letters

Designation

(During the period of Report)

FORM—II

CONFIDENTIAL REPORT

FOR

INDIAN POLICE SERVICE OFFICERS

SUPER TIME SCALE

Name of the Officer—

Report for the year/period ending

INSTRUCTIONS

1. The Confidential Report is an important document. It provides the basic and vital inputs for assessing the perfor-

manee of an officer and for his/her further advancement in his/her career. The officer reported upon, the Reporting Authority the Reviewing Authority and the Accepting Authority should, therefore, undertake the duty of filling out the form with a high sense of responsibility.

2. Performance appraisal through Confidential Reports should be used as a tool for human resource development. Reporting Officer should realise that the objective is to develop an officer so that he/she realises his/her true potential. It is not meant to be a fault-finding process but a developmental one. The Reporting Officer and the Reviewing Officer should not shy away from reporting shortcomings in performance, attitudes or overall personality of the officer reported upon.

3. The columns should be filled with due care and attention and after devoting adequate time. Any attempt to fill the report in a casual or superficial manner will be easily discernible to higher authorities.

4. Performance evaluation by the reporting officer must not be done without having conducted at least one detailed inspection of the work of the subordinate unless the subordinate is one with whom his senior is inter-acting almost daily.

5. If the Reviewing Authority is satisfied that the Reporting Authority had made the report without due care and attention he shall record a remark to that effect in Part V column 2. The overnment shall enter the remarks in the Confidential Roll of the Reporting Authority.

6. Every answer shall be given in narrative form. The space provided indicates the desired length of the answer. Words and phrases should be chosen carefully and should accurately reflect the intention of the authority recording the answer. Please use unambiguous and simple language. Please do not use omnibus expressions like 'outstanding', 'very good', 'good', 'average', 'below average' while giving your comments against any of the attributes.

7. The Reporting Officer shall, in the beginning of the year set quantitative/physical/financial targets in consultation with each of the Officers with respect to whom he is required to report upon. Performance appraisal should be a joint exercise between the officer reported upon and the Reporting Officer. The targets/Goals/Objectives be set at the commencement of the reporting year i.e. April, in the case of the All India Service Officers. In the case of an officer taking up a new assignment in the course of the reporting year, such targets/Goals/objectives shall be set at the time of assumption of the new assignment.

8. The targets/objectives/goals should be clearly known and understood by both the officers concerned. While fixing the targets for achievement, priority should be assigned item-wise, taking into consideration the nature and the area of work and any special features that may be specific to nature of the work of the officer to be reported upon.

9. Although performance appraisal is year-end exercise, in order that it may be a tool for human resource development the Reporting officer and the officer reported upon should meet during the course of the year at regular intervals to review the performance and to take necessary corrective steps.

10. It should be the endeavour of each appraiser to present the truest possible picture of the appraisee in regard to his/her performance, conduct, behaviour and potential.

11. Some posts of the same rank may be more exacting than others. The degree of stress and strain in any post may also vary from time to time. These facts should be borne in mind during appraisal and should be commented upon appropriately.

12. Aspects on which an appraisee is to be evaluated on different attributes are delineated below each column. The appraiser should deal with these and other aspects relevant to the attributes.

NOTE

The following procedure should be followed in filling up the column relating to INTEGRITY.

- (i) If the officer's integrity is beyond doubt, it may be so stated

(ii) If there is any doubt or suspicion, the column should be left blank and action taken as under :

- (a) A separate secret note would be recorded and followed up. A copy of the note should also be sent together with the Confidential Report to the next superior Officer who will ensure that the follow up action is taken expeditiously. Where it is not possible either to certify the integrity or to record the secret note, the Reporting Officer should state either that he had not watched the officer's work or that he has heard nothing against judgement or that he has heard nothing against the officer, as the case may be.
- (b) If, as a result of the follow up action, the doubts or suspicions are cleared, the officer's integrity should be certified and an entry made accordingly in the Confidential Report.
- (c) If the doubts or suspicions are confirmed, this fact should also be recorded and duly communicated to the officer concerned.
- (d) If as a result of the follow up action, the doubts or suspicions are neither cleared nor confirmed, the officers's conduct should be watched for a further period and thereafter action taken as indicated at (b) and (c) above.

(Ministry of Home Affairs O.M. No. 51/4/64-Estt. (a) dated 21-6-1965).

FORM-II

CONFIDENTIAL REPORT FOR INDIAN POLICE SER- VICE OFFICERS

(Super Time Scale)

Report for the year/period ending—

PART I

PERSONAL DATA

(To be filled by the officer Reported Upon)

1. Name of Officer
2. Cadre and Year of allotment
3. Date of Birth
4. Height : Weight :
Chest : Waist :
5. Date of Continuous appointment to present Grade
Date Grade
6. Present Post and date of appointment thereto
Date Post
7. Period of absence from duty (on leave, training etc. during the year)

PART-II

TO BE FILLED BY THE OFFICER REPORTED UPON

(Please read carefully the instructions given at the beginning of the form before filling the entries)

1. Brief description of duties
2. Particulars of Training courses undergone during the year.
3. Medals of commendations received during the year.
4. (a) Please specify major targets/goals/objectives that were set for you and/or you set for yourself in order of priority.
(b) Wherever targets have been fixed how far have they been achieved particularly in respect of inspections, tours and supervision of crime work in general.

5(a) Please state briefly the shortfalls w.r.t. the targets/goals/objectives referred to in col. 4(a). Also specify the constraints, if any.

(b) Please also indicate items in which there have been significantly better/higher achievements compared to targets and your contribution thereto.

PART-III

TO BE FILLED IN BY THE REPORTING AUTHORITY

(Please read carefully the instructions given at the beginning of the form before filling the entries)

A. NATURE AND QUALITY OF WORK

1. Please comment on Part II as filled out by the officer and specifically state whether you agree with the answers relating to targets/goals/objectives, achievements and short-falls. Also specify constraints, if any, in achieving the objectives.

2. Quality of output (Please comment on officer's quality of performance having regard to standard of work and programme objectives and constraints, if only)

3. Knowledge of sphere of work (Please comment specifically on each of these: level of knowledge of functions, related instructions and their application)

B. ATTRIBUTES

4. Leadership qualities (Please comment on the capacity of the officer to set targets and objectives, understand the environment, anticipate change and contribute new ideas and new methods of work towards achieving the targets and objectives)

5. Management qualities (Please comment on the officer's willingness to assume responsibility, organising capacity, ability to motivate, ability to provide timely and proper guidance and regard for training and development of subordinates).

6. Initiative and planning ability (Please comment on the capacity and resourcefulness of the officer to anticipate problems and to plan, in advance action to meet such situations. Also comment on the capacity and resourcefulness of officer in handling unforeseen situations on his/her own; willingness to take additional and new areas of work.)

7. Decision making ability (Please comment on his/her ability to take decisions and to weigh pros and cons of alternatives).

8. Communication skill (written and oral) (Please comment on the ability of the officer to communicate and on his/her ability to present arguments).

9. Appraising ability (Please comment on the officer's skill and capacity in evaluating and recording performance of subordinates in an impartial and objective manner.)

10. Inter-personal relations and team work (Please comment on the quality of relationship with superiors, colleagues and subordinates. On his/her capacity to work as a member of a team and to promote team spirit and optimise the output of the team.)

11. Relation with the public (Please comment on the officer's accessibility to the public and responsiveness to their needs).

12. Attitude towards Scheduled Castes/Scheduled Tribes/Weaker Sections of society (Please comment on the officer's understanding of the problems of Scheduled Castes and Scheduled Tribes and his/her efforts to deal with them).

13. Supervision of investigation (Please comment on the Officer's ability to guide and to monitor the investigation work).

14. Effectiveness in maintaining communal harmony.

15. Interest in Policemen's welfare and their families. (Please comment on the attitude of the officer towards Policemen's welfare and their families).

16. Aptitude and Potential (Please indicate three fields of work from amongst the following for possible specialisation and career development of the officer).

- (i) General Administration
- (ii) Personnel Administration
- (iii) Training

- (iv) Planning and Research and Development
- (v) Staff duties
- (vi) Secretariat work
- (vii) Law and Order
- (viii) Intelligence
- (ix) Vigilance/Anti-corruption work
- (x) Investigation of Crime
- (xi) Metropolitan Policing
- (xii) Traffic Management
- (xiii) Anti-dacoity/counter insurgency operations
- (xiv) Para-Military/Armed Police
- (xv) Security (including V.I.P., Airport and Industrial Security)
- (xvi) Special Units/Tech. Services like wireless, Scientific Aids, Computer services etc.
- (xvii) Any other field of work (Please specify)

17. Traits/Special Abilities

- (i) General bearing and personality :
- (ii) Sociality :
- (iii) Dedication to duty :
- (iv) Appreciation of situations and quickness of response : response :
- (v) Attention to details :
- (vi) Ability to withstand stress/pressures :
- (vii) Ability to take a principled stand :
- (viii) Any other traits/special abilities of the officer other than those mentioned above.

PART-IV

GENERAL

18. State of Health (Please mention whether the officer is over weight or under weight and whether he is fit for field duties).

19. Integrity (Please see the note below the instructions).

20. General Assessment.—Any action/aspect needing special mention (Please give an overall assessment of the officer with reference to his/her strength and shortcomings and also by drawing attention to qualities if any not covered by the entries above).

21. Grading (Outstanding/Very good/Good/Average/Below Average) (An officer should not be graded outstanding unless exceptional qualities and performance have been noticed, grounds for giving such a grading should be clearly brought out).

Signature

Date

Name in block letters

Designation

(During the period of report)

PART-V

REMARKS OF THE REVIEWING AUTHORITY

1. Length of service under you.

2. Are you satisfied that the Reporting Authority has made his/her report with due care and attention and after taking into account all the relevant material?

3. Do you agree with the assessment of the officer given by the reporting authority? (In case of disagreement, please specify the reasons, is there anything you wish to modify or add?).

4. General remarks with specific comments about the general remarks given by the reporting authority and remarks about meritorious work of the officer.

5. Has the officer any special characteristics, and/or any abilities which would justify his/her selection for special assignment or/out of turn promotion? If so, please specify.

6. Grading (Outstanding/Very Good/Good/Average/Below Average) (An officer should not be graded Outstanding un-

less exceptional qualities and performance have been noticed. grounds for giving such a grading should be clearly brought out).

Signature
Date
Name in block letters
Designation
(During the period of report)

PART VI

REMARKS OF THE ACCEPTING AUTHORITY

Signature of the Accepting Authority
Date
Name in Capital letters
Designation
(During the period of report)

FORM-III

CONFIDENTIAL REPORT

FOR

INDIAN POLICE SERVICE OFFICERS
Above Supertime Scale

Name of Officer _____
Report for the year/period ending _____

INSTRUCTIONS

1. The Confidential Report is an important document. It provides the basic and vital inputs for assessing the performance of an officer and for his/her further advancement in his/her career. The officer reported upon, the Reporting Authority, the Reviewing Authority and the Accepting Authority should, therefore, undertake the duty of filling out the form with a high sense of responsibility.

2. Performance appraisal through Confidential Reports should be used as a tool for human resource development. Reporting Officers should realise that the objective is to develop an officer so that he/she realise his/her true potential. It is not meant to be a fault-finding process but a developmental one. The Reporting Officer and the Reviewing Officer should not shy away from reporting shortcomings in performance, attitudes or overall personality of the officer reported upon.

3. The columns should be filled with due care and attention and after devoting adequate time. Any attempt to fill the report in a casual or superficial manner will be easily discernible to higher authorities.

4. Performance evaluation by the Reporting Officer must not be done without having conducted at least one detailed inspection of the work of the subordinate unless the subordinate is one with whom his senior is inter-acting almost daily.

5. If the Reviewing Authority is satisfied that the Reporting Authority had made the report without due care and attention he shall record a remark to that effect in Part V column 2. The Government shall enter the remarks in the Confidential Roll of the Reporting Authority.

6. Every answer shall be given in narrative form. The space provided indicates the desired length of the answer. Words and phrases should be chosen carefully and should accurately reflect the intention of the authority recording the answer. Please use unambiguous and simple language. Please do not use omnibus expressions like 'outstanding', 'very good', 'good', 'average', 'below average' while giving your comments against any of the attributes.

7. The Reporting Officer shall, in the beginning of the year, set quantitative/Physical/financial targets in consultation with each of the Officers with respect to whom he is required to report upon. Performance appraisal should be a joint exercise between the officer reported upon and the Reporting Officer. The targets/goals/Objectives be set at the commencement of the reporting year i.e. April, in the

case of the All India Service Officers. In the case of an officer taking up a new assignment in the course of the reporting year, such targets/Goals/objectives shall be set at the time of assumption of the new assignment.

8. The targets/objectives/goals should be clearly known and understood by both the officers concerned. While fixing the targets for achievement, priority should be assigned item-wise taking into consideration the nature and the area of work and any special features that may be specific to nature of the work of the officer to be reported upon.

9. Although performance appraisal is year-end exercise in order that it may be a tool for human resource development the Reporting Officer and the officer reported upon should meet during the course of the year at regular intervals to review the performance and to take necessary corrective steps.

10. It should be the endeavour of each appraiser to present the truest possible picture of the appraisee in regard to his/her performance, conduct, behaviour and potential.

11. Some posts of the same rank may be more exacting than others. The degrees of stress and strain in any post may also vary from time to time. These facts should be borne in mind during appraisal and should be commented upon appropriately.

12. Aspects on which an appraisee is to be evaluated on different attributes are delineated below each column. The appraiser should deal with these and other aspects relevant to the attributes.

NOTE

The following procedure should be followed in filling up the column relating to Integrity.

- (i) If the officer's integrity is beyond doubt, it may be so stated,
- (ii) If there is any doubt or suspicion, the column should be left blank and action taken as under :
 - (a) A separate secret note would be recorded and followed up. A copy of the note should also be sent together with the Confidential Report to the next superior Officer who will ensure that the follow up action is taken expeditiously. Where it is not possible either to certify the integrity or to record the secret note, the Reporting Officer should state either that he had not watched the officer's work for sufficient time to form a definite judgement or that he has heard nothing against the officer, as the case may be.
 - (b) If, as a result of the follow up action, the doubts or suspicions are cleared, the officer's integrity should be certified and an entry made accordingly in the Confidential Report.
 - (c) If the doubts or suspicions are confirmed, this fact should also be recorded and duly communicated to the officer concerned.
 - (d) If as a result of the follow up action, the doubts or suspicions are neither cleared nor confirmed, the officer's conduct should be watched for a further period and thereafter action taken as indicated at (b) and (c) above.

[Ministry of Home Affairs O. M. No. 51/4/64-Estt. (a) dated 21-6-1965]

FORM-III

Confidential Report for Indian Police Service Officers
(Above supertime scale)

Report for the year/period ending _____

PART I

PERSONAL DATA

(To be filled by the Officer Reported Upon)

1. Name of Officer
2. Cadre and Year of allotment
3. Date of Birth

4. Height :
Chest :
Weight :
Waist :
5. Date of continuous appointment
to present grade
Date Grade
6. Present post and date of
appointment thereto
Date Post
7. Period of absence from duty
(on leave, training etc. during
the year)

PART II

TO BE FILLED IN BY THE REPORTING AUTHORITY

(Please read carefully the instructions given at the beginning of the form before filling the entries)

1. State of Health.

2. General assessment.—(This should contain in a narrative form an overall assessment of the officer's personality, his/her good qualities and shortcomings and should in particular touch on the following points viz. quality of mind, conceptual ability, communication skill (written and oral), analytical and planning ability, leadership qualities and initiative, attention to detail, industry and conscientiousness, judgment, speed of disposal, willingness to accept responsibility and take decisions, relations with subordinates and colleagues, public relations, interest in training and development of subordinates and in the development of Scheduled Castes/Scheduled Tribes and weaker sections of society).

3. Integrity (Please see note below the Instructions).

4. Grading (Outstanding/Very good/Good/Average/Below Average) (An Officer should not be graded outstanding unless exceptional qualities and performance have been noted, grounds for giving such a grading should be clearly brought out).

Signature of the Reporting Authority

Date :

Name in block letters

Designation

(During the period of report)

PART III

REMARKS OF THE REVIEWING AUTHORITY

1. Length of service under the Reviewing Authority.

2. Is the Reviewing Authority satisfied that the Reporting Authority has made his/her report with due care and attention and after taking into account all the relevant material?

3. Do you agree or disagree with the assessment of the officer given by the Reporting Authority? Is there anything you wish to modify or add?

4. General remarks with specific comments about the general remarks given by the Reporting Authority and Remarks about the meritorious work of the officer.

Has the officer any special characteristics, and/or any exceptional merits or abilities which would justify his/her advancement and special selection for higher appointments? If yes, please mention these characteristics briefly.

6. Grading (Outstanding/very good/good/Average/Below Average) (An officer should not be graded outstanding unless exceptional qualities and performance have been noted; grounds for giving such a grading should be clearly brought out).

Signature of the Reviewing Authority

Date :

Name in block letters

Designation

(During the period of report)

PART IV REMARKS OF THE ACCEPTING

AUTHORITY

Signature of the Accepting Authority

Date :

Name in Block Letters

Designation

(during the period of report)

[No. 11059/5/87-AIS(III)]

N. SANYAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1987

सा. का. नि. 348 :—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और संघ लोक सेवा आयोग (काइर वाह्य पद) भर्ती नियम, 1959 को, जहाँ तक उसका संबंध अनुसंधान अन्वेषक के पद से है, उन बातों के विषय में शक्ति का प्रयोग करते हुए जिन्हें ऐसे अधिष्ठाता से पहले किया गया है या करने से रोका गया है, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अनुसंधान, अन्वेषण के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, प्रवर्तन :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम संघ लोक सेवा आयोग अनुसंधान अन्वेषक भर्ती नियम, 1987 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान : उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा जो इन नियमों में उल्लेख अनुसूची के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा अर्हताएं आदि : उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हता : वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्त का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और जिसके के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति : जहाँ केन्द्रीय सरकार को यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या वर्गों के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्याप्ति : इन नियमों की कोई बात, ऐसे धारकों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा, केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं
-----------	----------------	----------	---------	------------------------	--	---

1	2	3	4	5	6	7
अनुसंधान अन्वेषक	4* (1986) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ख" अराजपत्रित अननुसन्धिवीय	र. 1640-60-2600- द. रो. -75-2900	चयन	30 वर्ष से अधिक नहीं (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनु- सार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है। टिप्पणी : आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख, भारत में अस्थायियों से (उनमें अभिज्ञ जो अंदमान और निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप में हैं) आशेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी।	नहीं

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य
अर्हताएं

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए परिवर्द्धा की अवधि यदि कोई हो
विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नत
व्यक्तियों की दशा में लागू होगी या नहीं

8	9	10
आवश्यक : सांख्यिकी संक्रिया विज्ञान या गणित (सांख्यिकी के साथ) आयु : नहीं में मास्टर की डिग्री। टिप्पणी 1 — अर्हताएं अन्यथा सुअहित अध्वधियों की दशा में संघ नोक सेवा आयोग के विकेकानुसार शिथिल की जा सकती है।	शैक्षिक अर्हता : नहीं, किन्तु उसके पास किसी माध्यमा प्राप्त विश्वविद्यालय से (क) सांख्यिकी, या (ख) गणित; या (ग) अर्थ- शास्त्र के साथ स्नातक डिग्री या समतुल्यहानी आहिए।	2 वर्ष

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण
द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिससे
प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा

11

12

- (i) 50 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर
स्थानान्तरण द्वारा।
- (ii) 50 प्रतिशत प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, जिसके न हो सकने पर
सीधी भर्ती द्वारा।
- प्राप्ति : एसा अनुसंधान महायक (1400-40-1800-द. रो-50-
2300 रु. जिसमें उस श्रेणी में 5 वर्ष नियमित सेवा की है।
प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण — केन्द्रीय सरकार के अधीन ऐसे अधिकारी
(क) (i) जो नियमित आधार पर सवृण पद धारण करने हैं; या

11

12

(ii) जिन्होंने 1400-40-1800-द. रो.-50-2300 रुपए या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर 5 वर्ष नियमित सेवा की है।

(ख) जिनके पास स्तम्भ 8 के अधीन सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित शैक्षणिक अर्हताएं और अनुभव हैं।

(फ्रीडर प्रवर्ग के ऐसे विभागीय अधिकारी, जो प्रोन्नति की सीधी पंक्ति में हैं प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे। उसी प्रकार प्रतिनियुक्ति किए गए व्यक्ति प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे। प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काडर बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी।)

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा

13

14

समूह "ख" विभागीय प्रोन्नति समिति ---

सीधी भर्ती करते समय, संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

- | | |
|--|------------|
| 1. सचिव, संघ लोक सेवा आयोग | ---अध्यक्ष |
| 2. अपर सचिव और परीक्षा निष्पक्ष, संघ लोक सेवा आयोग | ---सदस्य |
| 3. संयुक्त सचिव / उप सचिव (प्रशा.) संघ लोक सेवा आयोग | ---सदस्य |

[सं. 39017/9/85-स्था. (ख)]
सी. एल. शर्मा, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 23rd April, 1987

G.S.R. 348.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Union Public Service Commission (Ex-cadre posts) Recruitment rules, 1959, in so far as they relate to the post of Research Investigator, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Research Investigator in the office of the Union Public Service Commission, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Union Public Service Commission Research Investigator Recruitment Rules, 1987.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said post its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualification.—No person,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Savings.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limits and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes Ex-Servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time, in this regard.

SCHEDULE

Name of post	Number of post	Classification	Scale of Pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972
1	2	3	4	5	6	7
Research Investigator	4* (1987) *Sublet to variation dependent on work-load	General Central Service Group 'B' Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs. 1640-60-2600-BB-75-2900	Selection	Not exceeding 30 years. (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	No
Educational and other qualifications required for direct recruits		Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees		Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	
8		9		10	11	
Essential : Master's degree in Statistics/Operations Research or Mathematics (with Statistics) Note : Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.		Age : No. Educational Qualifications : No. But must possess a Bachelor's degree of recognised University or equivalent with (a) Statistics; or (b) Mathematics; or (c) economics.		2 Years	(i) 50% by promotion failing which by transfer on deputation. (ii) 50% by transfer on deputation failing which by direct recruitment.	
In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer is to be made		If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition			Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment	
12		13		14		
Promotion : Research Assistant (Rs. 1400-40-1800-EB-50-2300) with 5 years' regular service in the grade. Transfer on deputation : Officers under the Central Government— (a) (i) holding analogous posts on a regular basis; or (ii) with 5 years' regular service in posts in the scale of Rs. 1400-40-1800-EB-50-2300 or equivalent; and (b) Possessing the educational qualifications and experience prescribed for direct recruits under column 8. (The departmental officers in the feeder category who are in the direct line of promotion will not be eligible		Group 'B' Departmental Promotion Committee : 1. Secretary, Union Public Service Commission—Chairman 2. Additional Secretary and Controller of Examinations, Union Public Service Commission—Member 3. Joint Secretary/Deputy Secretary (Administration), Union Public Service Commission—Member.			Consultation with the Union Public Service Commission necessary while making direct recruitment.	

(12)

(13)

(14)

for consideration for appointment on deputation. Similarly, deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion. Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department of the Central Government shall, ordinarily, not exceed 3 years)

[No. 39017/9/85-Estt.(B)]

C.L. SHAMMA, Desk Officer

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 1987

सा. का. नि. 349 :—संविधान के अनुच्छेद 309 के परामर्श द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंक नोट प्रेस, देवास, समूह "क" और समूह "ख" पत्र) भर्ती नियमावली, 1976 को और आगे संशोधित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों को वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंक नोट प्रेस, देवास, समूह "क" और समूह "ख" पत्र) भर्ती (संशोधन) नियमावली, 1987 कहा जाएगा।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने को तारीख से लागू होंगे।

2. वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंक नोट प्रेस, देवास, समूह "क" और समूह "ख" पत्र) भर्ती नियमावली, 1976 को अनुसूची में :—

(1) आर्टिस्ट, डिजाइनर और एग्ज़ेक्यूटिव के पदों से संबंधित क्रम संख्या 18 के लिए और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या तथा प्रविष्टियाँ रखी जाएँगी, अर्थात् :—

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
18. आर्टिस्ट डिजाइनर और एग्ज़ेक्यूटिव	3* (1986)	सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह	रु. 650-30-740-35-810- प्रवरण	ई. बी. -35-880-40- 1000-ई. बी. -40-1200	35 वर्ष से अधिक नहीं	(केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों, अध्यादेशों के अनुसार सरकारी कर्मचारियों के लिए 5 वर्ष तक शिथिलनीय)।
	*कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	"ख" (राजपत्रित) अनुसूची सचिवालय				टिप्पणी :—आयु सीमा निर्धारित करने की निर्णायक तारीख प्रत्याक्षी से भारत में प्रार्थनापत्र प्राप्त किए जाने की अंतिम तारीख होगी (अनुमान निकोबार द्वीप समूह तथा लकाद्वीप के प्रत्यक्षियों को छोड़कर)।

(7क)

(8)

नहीं

अभिधाय :—

(1) किसी माध्यता प्राप्त विश्वविद्यालय संस्थान से फाइन आर्ट या कर्माभियल आर्ट में डिग्री अथवा समकक्ष डिप्लोमा।

(2) आर्टिस्ट डिजाइनर और एग्ज़ेक्यूटिव के रूप में दो वर्ष का अनुभव।

टिप्पणी :—(1) अन्यथा अच्छी प्रकार अर्हता प्राप्त उम्मीदवारों के मामले में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकाधीन अर्हताएं शिथिलनीय हैं।

(2) यदि प्रवरण की किसी भी अवस्था में संघ लोक सेवा आयोग की राय है कि अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों से उनके लिए आरक्षित रिक्त पदों को भरने के लिए आवश्यक अनुभव प्राप्त प्रत्याक्षी प्राप्त संख्या में मिलने की सम्भावना नहीं है तो संघ लोक सेवा आयोग के विवेकाधीन ऐसे प्रत्याक्षियों के मामले में अनुभव संबंधी अर्हताएं शिथिलनीय होगी।

(9)	(10)	(11)
लागू नहीं	2 वर्ष	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा जिसके न होने पर सीधे भर्ती द्वारा। टिप्पणी :—ग्रेड में 4 वर्षों की नियमित सेवा वाले एनग्रेडों (550-880 रुपए) के पद पर धारितों की उपयुक्तता का मूल्यांकन प्रारम्भ में प्रायोग द्वारा किया जाएगा और यदि उपयुक्त पाए गए तो उन्हें आरम्भिक गठन के अनुसार उन्नत पद के लिए नियुक्त माना जाएगा। उनके उपयुक्त न पाए जाने पर इनके मामले में प्रतिवर्ष संघ लोक सेवा आयोग द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा। उन समय तक वे 550-880 रुपए के ग्रेड में पद धारण किये रहेंगे।

(12)	(13)	(14)
प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण/स्थानान्तरण प्रतिभूति भुवण संगठन में बैजिगनटिंग और एनग्रेडों का के केन्द्रीय सरकार के अधिकारी :— (क) (i) नियमित आधार पर समान पदधारी; या (ii) रु. 550-900 के वेतनमान या सम-कक्ष पद पर 3 वर्ष की नियमित सेवा; या (iii) रु. 425-800 के वेतनमान या सम-कक्ष पद पर 8 वर्ष की नियमित सेवा; और (ख) कालम 7 में सीधे भर्ती वालों के लिए निर्धारित योग्यताएं तथा अनुभव धारण किये हुए हों। (प्रतिनियुक्ति की अवधि जिसमें इस नियुक्ति से शुरुआत पूर्व किसी अन्य संघर्ष बाह्य पद पर इसी या अन्य किसी संगठन/विभाग में की गयी प्रतिनियुक्ति की अवधि मिला करके साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी।)	समूह "ख" विभागीय पदोन्नति समिति (स्थायी बनाने के लिए विचारार्थ) 1. महाप्रबंधक, बैंक नोट मुद्रणालय, देवास—प्रध्यक्ष 2. आर्थिक कार्य विभाग के टंकाल और मुद्रणालय प्रभाग के प्रभारी उपसचिव अथवा उपसचिव स्तर से बड़े स्तर के एक अधिकारी—सदस्य 3. आर्थिक कार्य विभाग के प्रशासन प्रभाग के प्रभारी उ-सचिव अथवा उपसचिव स्तर से बड़े स्तर के एक अधिकारी—सदस्य 4. उप महाप्रबंधक, बैंक नोट मुद्रणालय, देवास—सदस्य नोट :—स्थायी बनाने से सम्बन्धित विभागीय पदोन्नति समिति को कार्यवाही आयोग को अनुमोदनार्थ भेजा जायेगा। यदि किसी कारणवश आयोग इसका अनुमोदन नहीं करता तो आयोग के अध्यक्ष या सदस्य की अध्यक्षता में विभागीय पदोन्नति समिति की फिर से बैठक बुलाई जाएगी।	सीधी भर्ती और प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण। स्थानान्तरण के आधार पर चुने गये अधिकारियों के लिए संघ लोक सेवा आयोग के साथ परामर्श आवश्यक है।

(2) मुख्य लेखा अधिकारी के पद और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों से सम्बन्धित कम नं. 18-अ के बाद निम्नलिखित कम संख्या और प्रविष्टियां रखी जाएंगी।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
18 मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	1 * (1986) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह "क" (राज-पन्नित)	रु. 1100-50-1600	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	पदोन्नति हेतु 2 वर्ष	पदावधि प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण	

(12)	(13)	(14)
पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय/राज्य सरकारों के अधिकारी :— (क) (i) नियमित आधार पर समय पद धारण किये हुए; या	विभागीय पदोन्नति समिति (स्थायी बनाने के लिए विचारार्थ) 1. संयुक्त सचिव (कार्मिक) 2. संयुक्त सचिव (करंसी और सिक्का निर्माण) अथवा विभाग—प्रध्यक्ष	प्रत्येक अवसर पर संघ लोक सेवा आयोग के साथ परामर्श आवश्यक है।

12

13

14

- (ii) रु. 700-1300 के ग्रेड में 5 वर्ष की नियमित सेवा;
या
(iii) रु. 650-1200 के ग्रेड में 8 वर्ष की नियमित सेवा,
और
(ख) प्रशासनिक, लेखा और सहायता मामलों में अनुभव/इसी
ग्रेड में 7 वर्ष की नियमित सेवा वाले विभागीय प्रशास-
निक अधिकारियों के बारे में भी विचार किया जाएगा
और पद के लिए चुन लिये जाने की दशा में पद को
पदोन्नति द्वारा भरा समझा जायेगा।

विभाग—सदस्य

टिप्पणी :—स्थायी बनाने से सम्बन्धित विभागीय पदोन्नति
समिति की रिपोर्ट की स्वीकृति के लिए आयोग को भेजा
जायेगा। यदि आयोग इसको स्वीकार नहीं करता तो संघ
लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या सदस्य की अध्यक्षता में
विभागीय पदोन्नति समिति की नयी बैठक बुलाई जाएगी।

- (फीडर सूची के वे विभागीय अधिकारी जो पदोन्नति की संघी
लाइन में आते हैं प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के पात्र नहीं
होंगे, इसी प्रकार प्रतिनियुक्ति पर काम कर रहे व्यक्ति भी
पदोन्नति के पात्र नहीं होंगे प्रतिनियुक्ति की अवधि जिसमें हम
नियुक्ति से तुरन्त पूर्व इसी या अन्य किसी संगठन/केन्द्रीय
सरकार के विभाग में संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की
अवधि को मिलाकर साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं
होगी।

पाद टिप्पणी :—मूल नियम अधिसूचना संख्या एफ. 3 (8)/75—बी. एन. पी., दिनांक 26-12-75 मा. का. नि. 435 दिनांक 27-1-76 पर
प्रकाशित किए गए और तत्पश्चात् उन्हें निम्नलिखित तारीख द्वारा संशोधित किया गया।

सा. का. नि.	तारीख
(1) 1030	17-7-1976
(2) 253	26-2-1977
(3) 320	12-3-1977
(4) अधिसूचना सं. एफ. 3/8/75—बी. एन. पी.	21-12-1976
(5) अधिसूचना सं. एफ. 5/37/76—बी. एन. पी.	4-5-1977
(6) 870	9-7-1977
(7) 988	30-7-1977
(8) 548	29-4-1978
(9) 1282	20-12-1978
(10) 475	31-3-1979
(11) 550	17-5-1980
(12) 356	29-3-1980
(13) 772	26-7-1980
(14) अधिसूचना सं. एफ. 4/15/80—बी. एन. पी.	8-1-1981
(15) 1084	12-12-1981
(16) 100	31-1-1982
(17) 224	3-3-1981
(18) 347	7-7-1984
(19) 1111	27-10-1984
(20) 714	3-8-1985
(21) 1041	9-11-1985
(22) अधिसूचना सं. एफ. 4 (59)/85—बी. एन. पी.	30-5-1986

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)
New Delhi, the 21st January, 1987

G.S.R. 349. —In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Bank Note Press, Dewas, Group 'A' and Group 'B' Posts) Recruitment Rules, 1975, namely:—

1. (1) These rules may be called the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Bank Note Press, Dewas, Group 'A' and Group 'B' Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1987.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Bank Note Press, Dewas, Group 'A' and Group 'B' Posts) Recruitment Rules, 1975,—

(i) for serial number 18 relating to the post of Artist, Designer and Engraver and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be substituted, namely:—

SCHEDULE

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
18. Artist, Designer and Engraver	3* (1986)	General Central Service Group 'B' (Gazetted) Non-Ministerial	Rs 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200	
*Subject to variation dependent on workload				

(6)	6(a)	7	8
Selection	Not exceeding 35 years. (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government. Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	No	ESSENTIAL : (i) Degree or Equivalent Diploma in Fine Arts or Commercial Art from a recognised University or Institute. (ii) Two years' experience as an Artist/Designer and Engraver. Note : 1. Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified. Note : 2. The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

(9)	(10)	(11)
Not applicable	2 years.	Transfer on deputation/transfer failing which by direct recruitment. Note : The suitability of the holders of the post of Engravers (Rs.)550.-800. with 4 years regular service in the grade will be initially assessed by the Commission and if found suitable they shall be deemed to have been appointed to the up-graded posts at the initial constitution. In case, they are not found suitable, their case will be assessed by Union Public Service Commission every year. Till such time they will continue to hold the post in the grade of Rs. 550-800.

(12)	(13)	(14)
<p>Transfer on deputation/Transfer: Officers from the Central Government of the Designating and Engraving Branch Security Printing Organisation:—</p> <p>(a)(i) holding analogous posts on a regular basis; or</p> <p>(ii) with 3 years regular service in post in the scale of Rs. 550—900 or equivalent; or</p> <p>(iii) with 8 years' regular service in posts in the scale of Rs. 425-800 or equivalent; and</p> <p>(b) Possessing the educational qualifications and experience prescribed for direct recruits under Column 7.</p> <p>(Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department of the Central Government shall ordinarily not exceed 3 years).</p>	<p>Group 'B' Departmental Promotion Committee (for considering confirmation):</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. General Manager, Bank Note Press, Dewas.—Chairman 2. An officer of Department of Economic Affairs of or above the rank of Deputy Secretary incharge of Mints and Presses Division—Member 3. An officer of Department of Economic Affairs of or above the rank of Deputy Secretary incharge of Administration Division—Member. 4. Deputy General Manager, Bank Note Press, Dewas—Member. <p>Note: The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.</p>	<p>Consultation with U.P.S.C. necessary for direct rectt. and selection of officers on transfer on deputation/transfer.”;</p>

(ii) after serial number 18-B relating to the post of Chief Accounts Officer and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be inserted, namely:—

1	2	3	4	5	6
"18C Chief Administrative Officer	1*(1986)	General Central Service Group 'A' (Gazetted)	Rs. 1100-50-1600	Not applicable	
*Subject to variation dependent on workload.					
6	7	8	9	10	11
Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable	2 years for promotees	Promotion/Transfer on deputation.
12	13	14			
<p>Promotion/Transfer on Deputation: Officers of the Central/State Governments:— (a)(i) holding analogous posts on a regular basis; or (ii) with 5 years' regular service in the grade of Rs. 700—1300; or (iii) with 8 years' regular service in the grade of Rs. 650—1200; and (b) possessing experience of administrative, accounts and establishment matters. The Departmental Administrative Officer with 7 years regular service in the grade will also be considered and in case he is selected for appointment to the post, the same shall be deemed to have been filled by promotion.</p>	<p>Departmental Promotion Committee (for considering confirmation): 1. Joint Secretary (Personnel), Department of Expenditure—Chairman. 2. Joint Secretary (Currency and Coinage) Department of Economic Affairs—Member.</p> <p>Note: The Proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the U.P.S.C. shall be held.</p>	<p>Consultation with the U.P.S.C. necessary on each occasion.”.</p>			

(The Departmental Officers in the feeder category who are in the direct line of promotion will not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly, deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion. Period of deputation including period of deputation in another cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/ Department of the Central Government shall ordinarily not exceed 3 years..

Footnote : Principal Rules published vide Notification No. F.3(8)/75 at BNP dated 26-12-75 G.S.R. 435 dated 27-3-76 and subsequently amended by:—

G.S.R. No.	Date
(1) 1030	17-7-76
(2) 253	26-2-77
(3) 320	12-3-77
(4) Notification No. F.3/8/75-BNP	21-12-76
(5) Notification No. F. 5/37/76-BNP	4-5-77
(6) 870	9-7-77
(7) 988	30-7-77
(8) 548	29-4-78
(9) 1282	20-12-78
(10) 475	31-3-1979
(11) 550	17-5-1980
(12) 356	29-3-80
(13) 772	26-7-80
(14) Notification No. F. 4/15/80-BNP	8-1-81
(15) 1084	12-12-81
(16) 100	31-1-82
(17) 224	3-3-84
(18) 347	7-7-84
(19) 111	27-10-84
(20) 714	3-8-85
(21) 1041	9-11-85
(22) Notification No. F.4/59/85-BNP	30-5-86

[No. F. 4(2)/86-CY(BNP)]

नई दिल्ली, 10 मार्च, 1987

स.क.नि. 350.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परम्पूक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्वारा भारत प्रतिभूति मूद्रणालय और करेंसी नोट प्रेस, नासिक रोड में, बरिष्ठ हिन्दी अनुवादक के पद की भर्ती की पद्धति को नियमित बनाने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और लागू होने की तारीख: (1) इन नियमों को भारत प्रतिभूति मूद्रणालय और करेंसी नोट प्रेस, नासिक रोड बरिष्ठ हिन्दी अनुवादक) भर्ती नियमावली, 1987 कहा जायेगा।

2. ये नियम सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. पदों की संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान : उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उससे संबंधित वेतनमान इस नियमावली के साथ संलग्न अनुसूची के कालम 2 से 4 तक में निर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और अर्हताएं आदि : उक्त पद से संबंधित भर्ती पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं तथा अन्य बातें उक्त अनुसूची के कालम 5 से 14 तक में निर्दिष्ट हैं।

4. अनर्हताएं : कोई भी व्यक्ति,

(क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो अथवा विवाह का संविदा किया हो जिसका पति/पत्नी जीवित हो, अथवा

(ख) जिसने पति/पत्नी के जीवित रहते हुए किसी दूसरे व्यक्ति से विवाह किया हो अथवा विवाह का संविदा किया हो, उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो कि ऐसे व्यक्ति पर और विद्या के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले व्यक्तिगत कानून के अन्तर्गत इस प्रकार के विद्या की अनुमति दी जा सकती है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हों तो वह उस व्यक्ति को इस नियम की शर्तों से छूट दे सकती है।

5. छूट देने की शक्ति:—जिन मामलों में केन्द्रीय सरकार यह समझती हो कि किसी श्रेणी प्रथम वर्ग के व्यक्तियों के मध्य में इस नियमावली के किन्हीं उपबंधों से छूट देना आवश्यक अथवा उचित हो, वहां वह इसके कारण लिखित रूप में बताकर और संघ लोक सेवा आयोग के साथ सलाह करके आदेश द्वारा ऐसा कर सकती है।

6. अपवाद: इन नियमों में बताया गई किसी बात का अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों और त्रिषष्टि श्रेणियों के व्यक्तियों के लिए समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए जाने वाले आदेशों के अनुसार किए गए आरक्षणों, आयु में दी जाने वाली छील और उन्हें दी गई अन्य रियायतों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	प्रवरण पद है या प्रवरण-मिश्र पद	क्या सी.एस.एम. (पेंशन नियमावली) के नियम 30 के अन्तर्गत सेवा के वंशित वर्षों का लाभ स्वीकार्य होगा
-----------	----------------	----------	---------	---------------------------------	---

1	2	3	4	5	6
वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक	1	सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह 'ख', गैर राजपत्रित, अनुसूचिणीय	1600-50-2300- ब.पो.-60-2660 रुपये	प्रवरण	नहीं

सीधी भर्ती वालों के लिये आयु सीमा	सीधी भर्ती वालों के लिए आवश्यक शैक्षिक तथा अन्य प्रहताएं	क्या सीधी भर्ती वालों के लिए निर्धारित शैक्षिक प्रहताएं पदोन्नति के मामले में लागू होंगी	परिबीधा की अवधि, यदि कोई हो
-----------------------------------	--	--	-----------------------------

7	8	9	10
---	---	---	----

26 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुबंधों या अधिधियों के अनुसार सरकारी कर्मचारियों के लिए एक वर्ष तक क्रियतनीय)। द्विपणी - आयु सीमा निर्धारित करने की निर्णायक तारीख प्रत्येक मामले में (अंठमाम निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप के प्रत्याशियों को छोड़कर) प्रत्याशी से भारत में प्रार्थनापत्र प्राप्त किए जाने की अंतिम तारीख होगी। रोजगार कार्यालय द्वारा भर्ती किए जाने की स्थिति में प्रत्येक मामले में आयु सीमा निर्धारित करने की अंतिम तारीख रोजगार कार्यालय को जिस तारीख तक प्रत्याशियों के नाम भेजने के लिए कहा जाएगा, वह अंतिम तारीख होगी।	अनिवार्य: किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से अंग्रेजी/हिन्दी में मास्टर डिग्री, डिग्री स्तर पर अंग्रेजी/हिन्दी का अनिवार्य विषय अथवा अंग्रेजी/हिन्दी परीक्षा का माध्यम रहा है। या हिन्दी/अंग्रेजी माध्यम के साथ हिन्दी/अंग्रेजी विषय के अतिरिक्त किसी भी विषय में किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से मास्टर डिग्री और डिग्री स्तर पर अंग्रेजी/हिन्दी अनिवार्य/स्वैच्छिक विषय रहा हो या परीक्षा का माध्यम रहा हो। या किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से अंग्रेजी/हिन्दी से अतिरिक्त किसी भी विषय में मास्टर डिग्री स्तर पर हिन्दी और अंग्रेजी अनिवार्य/स्वैच्छिक विषय रहा हो या इन दोनों में से कोई एक परीक्षा का माध्यम रहा हो और दूसरा विषय अनिवार्य/स्वैच्छिक रहा हो।	नहीं	2 वर्ष
--	---	------	--------

और

- केन्द्रीय/राज्य सरकार के कार्यालयों/संकारी क्षेत्र के उपक्रमों का स्वायत्त निकायों में हिन्दी से अंग्रेजी या अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद कार्य का दो वर्ष का अनुभव।

भर्ती का तरीका, सीधी भर्ती द्वारा, अथवा पदोन्नति द्वारा अथवा स्थानांतरण/प्रतिनियुक्ति द्वारा और रिक्त स्थानों की भरने की प्रणाली

पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती के मामले में किस ढंग में पदोन्नति अथवा प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जायगा

यदि विभागीय पदोन्नति समिति विद्यमान है तो उसका गठन

वे परिस्थितियाँ जिनमें भर्ती करने पर सघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायगा

11	12	13	14
पदोन्नति द्वारा, जिसके न होने पर स्थानांतरण पर प्रतिनियुक्ति द्वारा और दोनों के न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।	पदोन्नति : कनिष्ठ हिन्दी अनुवादकों में से जिन्होंने ग्रेड में 5 वर्ष की नियमित सेवा की हो। प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण : ऐसे केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों में से जिन्होंने— (क) (1) मद्रास पद धारण किए हों; या (2) 1400-2300 रुपए के वेतनमान में पद-धारी या हमके समकक्ष के पदक्रम में 5 वर्ष की नियमित सेवा की हो; और (ख) कम से कम 8 में सीधी भर्ती वालों के लिए निर्धारित शैक्षिक और अन्य अर्हताएँ रखने हों।	1. महाप्रबन्धक—अध्यक्ष 2. उप महाप्रबन्धक, भारत प्रतिभूति मद्र- णालय—सदस्य। 3. कार्य प्रबन्धक, भारत प्रतिभूति मद्रणा- लय—सदस्य। 4. मुख्य लेखा और प्रशासनिक अधिकारी, भारत प्रतिभूति मद्रणालय—सदस्य। 5. वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली का अवर सचिव स्तर या उससे ऊँचे पद का एक अधिकारी—सदस्य	सागू नहीं होता

[सं एक 5/113/86—कैबिनी (प्रेसिडेंट)]

राज्य कलसी, विशेष अधिकारी

(कैबिनी और शिक्षा निर्माण)

New Delhi, the 10th March, 1987

G.S.R. 350. -In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President here by makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Senior Hindi Translator in the Indian Security Press, and Currency Note Press, Nasik Road, namely :—

- Short title and commencement :—(1) These rules may be called the India Security Press and Currency Note Press, Nasik Road; Senior Hindi (Translator) Recruitment Rules, 1987.
- They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- Number of posts, classification and scale of pay :—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in column 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.
- Method of recruitment, age limit qualifications, etc :—The method of recruitment age limit qualifications and other matters relating to said post shall be as specified in columns 4 to 14 of the said Schedule.
- Disqualification :—
 - who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
 - who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of the rule,

5. Power to relax :—Where the Central Government is of opinion that it is necessary for expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing relax any of the provisions or these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving :—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the instructions issued by the Central Government from time to time in this regard,

SCHEDULE

Name of Post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-selection post	Whether benefit of ended years of service admissible under rule 30 of GSS (Pension Rules)
1	2	3	4	5	6
Senior Hindi Translator	1	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 1600-50-2300-EB 60-2660.	Selection	No.

Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits	Educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees
7	8	9
<p>26 years (Relaxable for Government servants upto 1 year in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government.</p> <p>Note : The crucial date for determining the age limit shall in each case be the closing date for the receipt of applications from candidates in India (Other than those Andaman and Nicobar Islands and in the one Lakshadweep.</p> <p>In respect of posts, the appointments to which are made through the Employment exchanges the crucial date for determining the age limit in each case, be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.</p>	<p>ESSENTIAL</p> <p>(1) Masters degree of a recognised University in Hindi/English with English/Hindi as a compulsory/elective subject or as medium of examination at degree level.</p> <p>OR</p> <p>Master's degree of a recognised University in any subject other than Hindi/English, with Hindi/English medium, and English/Hindi as compulsory/elective subject or as medium of examination at degree level.</p> <p>OR</p> <p>Master's degree of a recognised University in any subject other than Hindi/English, with Hindi and English as compulsory/elective subjects or either of the two as medium of examination and the other as a compulsory/elective subject at degree level.</p> <p>AND</p> <p>(2) Two years experience of translation work from Hindi to English and vice-versa in Central/State Government Officers/public undertaking etc. autonomous bodies.</p>	No.

Period of probation if any	Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion & percentage of the vacancies to be filled	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grade from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment
10	11	12	13	14
2 years	By promotion, failing which by transfer on deputation, failing both by direct recruitment.	<p>Promotion : From amongst Junior Hindi Translator with 5 years regular service in the grade.</p> <p>Transfer on deputation: From amongst Central</p>	<p>1. General Manager - Chairman</p> <p>2. Dy. General Manager ISP - Manager</p> <p>3. Works Manager - Member</p>	Not applicable

10	11	12	13	14
		Government Officers (a) (i) holding analogous posts; or (ii) posts in the pay scale of Rs. 1400-2300 or equivalent with 5 year 'regular service' in the grade; and (b) possessing educational and other qualification laid down in Column 8 for direct recruits.	4. Chief Accounts & Admn. Officer ISP — Member 5. An Officer of the rank of Under Secretary, or above of Govt. of India, Ministry of Finance, Deptt. of Economic Affairs, New Delhi. — Member	

[No.F.5/113/86-Cy. (Presses)]

RAJIV KALSI, Special Officer (C&C)

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(नागरिक पूर्ति विभाग)

वायदा बाजार आयोग

बम्बई, 20 अप्रैल, 1987

सं.का.नि. 351.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और वायदा बाजार आयोग की 3 मई 1958 को, जहाँ तक उनका संबंध कनिष्ठ अनुसंधान सहायक और आभुलिपिक के पदों से है, उन बातों के निवारण अधिकृत करते हुए, जिन्हें ऐसे अधिनियम से पहले किया गया है या करने में लीप किया गया है, खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय, नागरिक पूर्ति विभाग के वायदा बाजार आयोग, मुम्बई में कनिष्ठ अनुसंधान सहायक और आभुलिपिक के पदों पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ: (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वायदा बाजार आयोग (कनिष्ठ अनुसंधान सहायक और आभुलिपिक) भर्ती नियम, 1987 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान: उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उसका/उनके वेतनमान यह होगा/होंगे जो इससे इन नियमों से उपबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और अन्य अर्हताएँ आदि: उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएँ और उनसे संबंधित अन्य बातें होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हता: वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिम्मा पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा:

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति: जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसका लागू जा कारण है उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बायत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्याप्ति: इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षणों, आयु सीमा में छूट और अन्य गिन्यायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद धरणा अचयन पद	मीमांसा की गई जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का वायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुसूचित है या नहीं
1	2	3	4	5	6	7
कनिष्ठ अनुसंधान सहायक	16* (मोलह)	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "ग"	1400-40-1800 ब.रो. 50	चयन	30 वर्ष से अधिक नहीं (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए)	लागू नहीं होता

[illegible]

1	2	3	4	5	6	7
आशुलिपिक	9 (1986)* कार्य-भार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है,	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ग" अनुसूचिकीय द. रो. 40-2040	चयन	25 वर्ष से अधिक नहीं : (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है।	लागू नहीं होता	
				टिप्पण: आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख, भारत में अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अंदमान और निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप में हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत अंतिम तारीख होगी।		
				रोजगार कार्यालय के माध्यम से भर्ती की दशा में, आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख वह अंतिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालय से नाम भेजने के लिए कहा गया था है।		
8	9	10				
(i) किसी माध्यमाप्राप्त विषयविद्यालय से मैट्रिकुलेशन या समतुल्य।	लागू नहीं होता	2 वर्ष				
(ii) 80 शब्द प्रति मिनट की गति से श्रुतलेख लेने की क्षमता।						
टिप्पण: 1— ग्रहंताएं अन्यथा सुप्रसिद्ध अभ्यर्थियों की दशा में कर्मचारी चयन आयोग के विवेकानुसार शिथिल जा सकती है।						
11	12					
(i) 50 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा	प्रोन्नति :					
(ii) 50 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा।	ऐसे विभागीय निम्न श्रेणी लिपिकों में से, जिनके पास स्तंभ 8 में विहित शैक्षिक ग्रहंताएं हैं।					
13	14					
समूह "ग" विभागीय प्रोन्नति समिति (पुण्डित और प्रोन्नति के संबंध में विचार करने के लिए) :— सचिव (बायदा बाजार आयोग)—मध्यक्ष उप निदेशक (बायदा बाजार आयोग)—सदस्य सहायक सचिव (बायदा बाजार आयोग)—सदस्य अधीक्षक (बायदा बाजार आयोग)—सदस्य	संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक नहीं।					

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)

FORWARD MARKETS COMMISSION

Bombay, the 20th April, 1987

G.S.R. 351.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Forward Markets Commission Class III Recruitment Rules, 1958, insofar as they relate to the posts of Junior Research Assistant and Stenographer, except as respects things done or omitted to have been done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the posts of Junior Research Assistant and Stenographer in the Forward Markets Commission, Bombay, in the Ministry of Food and Civil Supplies, Department of Civil Supplies, namely :—

1. Short title and commencement may be called the Farward Markets Commission (Junior Research Assistant and Stenographer) Recruitment Rules, 1987.

(2) They shall come to force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, Classification and Scale of pay :—The number of the said posts, their classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and qualifications etc.—The method of recruitment to the said posts, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 14 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification.—No persons,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said Posts;

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax:—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provision of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided to candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	Number of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules 1972
1	2	3	4	5	6	7
Junior Research Assistant	16* (1986) *Subject to variation dependent on workload.	General Central Service, Group 'C' Non-Ministerial.	Rs. 1400-0-1800-EB-50-2300.	Selection	Not exceeding 30 years. (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government.)	Not applicable.
Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and						

6

Lakshadweep). In case of recruitment through Employment Exchange, the crucial date for determining the age limit shall be the the last date upto which the Employment Exchanges are asked to nominate candidates.

Educational and other qualifications required for direct recruits	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made
8	9	10	11	12
A master's degree in Economics or Commerce of a recognised University or a degree in Economics or Commerce of a recognised University plus a degree in Law/Chartered Accountancy/Training in Statistical methods or A degree in Economics plus a degree in Commerce of a recognised University.	Not applicable	Two years	50 % by direct recruitment and 50 % by promotion.	Promotion : Librarian and Upper Division Clerk with 5 years' service in the grade, computer and Computist with 7 years' service in the grade.
Note:—Qualifications are relaxable at the discretion of the Selection Committee in case of candidates otherwise well qualified.				

If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitments
13	14
Group 'C' Departmental Promotion Committee:— Chairman (Forward Markets Commission) — Chairman Member (Forward Markets Commission) — Member. Secretary (Forward Markets Commission) — Member.	Consultation with the Union Public Service Commission is not necessary

1	2	3	4	5	6	7
Stenographer	9* (1986) *Subject to variation dependent on workload.	General Central Service, Group 'C', Ministerial.	Rs. 1200-30-1560-EB-40-2040.	Selection	Not exceeding 25 years. (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government.) Note : The crucial date for determining the age limit	Not applicable.

shall be the-closing date for receipt of applications from candidates in India (Other than those in Andamans and Nicobar Islands Lakshadweep).

In case of recruitment through Employment Exchange, the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which Employment Exchanges are asked the nominated candidates.

8	9	10	11	12
(i) Matriculation or equivalent from a recognised University. (ii) Capacity to take dictation in shorthand at 80 words per minute. Note : Qualifications are relaxable at the discretion of the Staff Selection Commission in case of candidates otherwise well qualified.	Not applicable	Two years.	(i) 50 % by promotion failing which by direct recruitment. (ii) 50 % by direct recruitment.	Promotion : From Departmental Lower Division Clerks possessing the educational qualifications as prescribed in column 8.

Group 'C' Departmental Promotion Committee (considering for confirmation and promotion):—

Secretary (Forward Market Commission) — Chairman.
Deputy Director (Forward Markets Commission) — Member.
Assistant Secretary (Forward Markets Commissions)— Member.
Superintendent (Forward Markets Commission) — Member.

Consultation with the Union Public Service Commission is not necessary.

[File No. A-12013/86-Adm. III]
VENKAT CHARY, Chairman.

(खाद्य विभाग)

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 1987

सा. का. नि. 352.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परामर्श द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय चीनी संस्थान (आशुनिपिक—श्रेणी 2) भर्ती नियम, 1981 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम राष्ट्रीय चीनी संस्थान (आशुनिपिक—श्रेणी 2) भर्ती (संशोधन) नियम, 1987 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. राष्ट्रीय चीनी संस्थान (आशुनिपिक (श्रेणी 2) भर्ती नियम, 1981 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) में :—

(1) नियम 6 में “अनुसूचित जनजातियों” शब्दों के पश्चात् “भूत-पूर्व सैनिकों” शब्द अतः स्थापित किए जाएंगे ;

(2) उक्त नियम की अनुसूची में,

(i) स्तम्भ 4 के नीचे की प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

“1400-40-1800-ब.रो.-50-2300 रु. (पुनरीक्षित)”

(ii) स्तम्भ 9 के नीचे की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

“दो वर्ष (केवल भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए)”

(iii) स्तम्भ 10 के नीचे की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

“प्रोन्नति, जिसके न हो सकने पर, स्थानांतरण / प्रतिनिधित्व पर स्थानांतरण द्वारा और योनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।”

(iv) स्तम्भ 11 के नीचे की प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :

“ऐसे आधुनिक श्रेणी 3 की प्रोन्नति जिसने उस श्रेणी में 5 वर्ष नियमित सेवा की है ;

स्थानांतरण/प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण—

केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों के कर्मचारी/केन्द्रीय/राज्य सरकारों के उपक्रमों के कर्मचारी/केन्द्रीय और राज्य सरकार के स्वायत्त निकायों के कर्मचारी—

(i) (क) जो सदृश पद धारण करने हैं ; या

(ख) जिन्होंने 1200-2040 रु. (पुनरीक्षित) स्तरमान में आधुनिक श्रेणी 3 की श्रेणी में 5 वर्ष नियमित सेवा की है ; और

(ii) जिनके पास स्तर 7 के अधीन सीधे पतों किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित चर्चाएं हैं।

(फोर्जर प्रवर्ग के ऐसे विभागीय अधिकारी, जो प्रोन्नति की सीधी पंक्ति में हैं, प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे। उसी प्रकार प्रतिनियुक्ति किए गए व्यक्ति प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे।

(प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अंतर्गत केन्द्रीय सरकार को उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काष्ठ बाध्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी।

[सं. ए. 12018/4/86-घोनी डेस्क]

एन. त्यागराजन, अवर सचिव

टिप्पण:—मूल नियम, मा. का. नि. 1157 तारीख 8-12-1981 द्वारा 26-12-1981 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए गए थे।

(Department of Food)

New Delhi, the 22nd April, 1987

G.S.R. 352.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution the President hereby makes the following rules to amend the National Sugar Institute (Stenographer Grade-II) Recruitment Rules, 1981, namely :—

1. (1) These rules may be called the National Sugar Institute (Stenographer Grade-II) Recruitment (Amendment) Rules, 1987.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the National Sugar Institute (Stenographer Grade-II) Recruitment Rules, 1981, (hereinafter referred to as the said rules) :—

(1) In rule 6 after the words “Scheduled Tribes” the words, “Ex-servicemen” shall be inserted;

(2) In the Schedule to the said rules; (i) for the entry under column 4 the following entry shall be substituted, namely :—

“Rs. 1400-40-1800-EB-50-2300 (Revised)”;.

(ii) for the entry under column 9, the following entry shall be substituted, namely :—

“Two years (for direct recruits only).”;.

(iii) for the entry under column 10, the following entry shall be substituted, namely :—

“Promotion, failing which by transfer/transfer on deputation and failing both by direct recruitment.”;

(iv) for the entry under column 11, the following entry shall be substituted, namely :—

“Promotion of Stenographer Grade-III with 5 years' regular service in the grade;

Transfer/transfer on deputation—Central/State Government employees/employees of Central/State Government Undertakings/employees of autonomous bodies of Central and State Governments—

(i) (a) holding analogous post; or

(b) with 5 years' regular service in the grade of Stenographer Grade-III in the scale of Rs. 1200—2040 (Revised); and

(ii) possessing the qualifications prescribed for direct recruits under column 7.

The Departmental Officers in the feeder cadre who are in the direct line of promotion will not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly, deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion.

(Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/Department of the Central Government shall ordinarily not exceed 3 years.”

[No. A-12018/4/86-Sugar Desk-I]

N. THYAGARAJAN, Under Secy.

Note : Principal Rules were published in the Gazette of India on 26-12-1981 vide G.S.R. 1157 dated 8-12-1981.

उद्योग मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 1987

मा. का. नि. 353.—केन्द्रीय सरकार एन.एस.आई. कंपनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) की धारा 620क को उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रस्तुत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मै. दि. फंड आक संज्ञा-तर निमिटेड, नामक कंपनी को जिसका पंजीकृत कार्यालय तमिलनाडु राज्य में 135, ब्रिग स्ट्रीट, कुम्भाकोनम में है, को ‘निधि’ घोषित करती है और निर्देश देती है कि भारत सरकार के पूर्व बाणिज्य और उद्योग मंत्रालय (कंपनी विधि प्रणामन विभाग) को अधिसूचना सं. मा.का.नि. 978 दिनांक 28 मई, 1963 (इसके बाद अधिसूचना निदिष्ट) को इस अधिसूचना की अनुसूची में विनिदिष्ट रूप में संशोधित किया जाएगा और इससे आगे निर्देश देती है कि कथित अधिनियम के उपबन्ध उक्त अधिसूचना में संलग्न अनुसूची-III के कालम (1) में लागू नहीं होंगे या अपवादस्वरूप संशोधन और कथित ‘निधि’ के कालम (2) की प्रविष्टियों में अपवादों, शर्तों और शर्तों के साथ जैसा भी सामंजस्य हो, लागू होगी।

अनुसूची

कथित अधिसूचना की अनुसूची-I में, मद 18 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के परवान, निम्नलिखित मद और प्रविष्टियां जोड़ी जाएंगी, नामग :-

“86 मै. दी फंड आक संज्ञा-तर निमिटेड”

[37/9/81—सी.एन.—III]

आर. टी. मन्नीजा, अवर सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 22nd April, 1987

G.S.R. 353.—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of section 620A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby declares Messrs The Fund of Thanjavur Limited, a company having its registered office at 135, Big Street, Kumbakonam, in the State of Tamilnadu, to be a 'Nidhi' and directs that the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Commerce and Industry (Department of Company Law Administration) No. G.S.R. 978, dated the 28th May, 1963 (hereinafter referred to as the said Notification) shall be amended in the manner specified in the Schedule to

this notification and further directs that the provisions of the said Act specified in column (1) of Schedule III appended to the said notification shall not apply or, as the case may be, shall apply with the exceptions, modifications and adaptations specified in the corresponding entry in column (2) therefore, to the said "Nidhi".

SCHEDULE

In Schedule I to the said notification, after item 85 and the entries relating thereto, the following item and entries shall be inserted, namely :—

"86 Messrs The Fund of Thanjavur Limited".

[37/9/81-CL. III]

R. D. MAKHEEJA, Under Secy.

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 20 अप्रैल, 1987

सा. का. नि. 354 :—राजपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्पर द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कृषि मंत्रालय (कृषि और सहकारिता विभाग) के अधीन पशु चिकित्सा अधिकारी समूह "ख" (राजपत्रित), केन्द्रीय कुक्कुट प्रजनन कार्य के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1 संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम पशु चिकित्सा अधिकारी समूह "ख" (राजपत्रित) केन्द्रीय कुक्कुट प्रजनन कार्य, भर्ती नियम, 1987 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान : उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा जो इन नियमों से उपायय अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3 भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, और अन्य अर्हताएं आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं और उनके संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4 निरर्हता : वह व्यक्ति

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुप्रेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5 शिथिल करने की शक्ति : अहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, बड़ा वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा मंच लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाधन, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6 व्याप्ति :—इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षणों, आयु सीमा में छूट आर अन्य पर्यायों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अन्यथा पद	सेवा में जोड़े गए वर्गों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुप्रेय है या नहीं	सीसी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा
1	2	3	4	5	6	7
पशु चिकित्सा अधिकारी	3 * (1986) वार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा (समूह "ख") राजपत्रित अनुसूचितीय	650-30-740 35-810-ब. रो. 35-880-40- 1000-40-1200 रुपए।	लागू नहीं होता	नहीं	30 वर्ष से अधिक नहीं (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल

की जा सकती है।

टिप्पण:— आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अंदमान और निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप में हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत अन्तिम तारीख होगी।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए परीक्षा की अवधि यदि कोई हो विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नत व्यक्तियों की दशा में लागू होगी या नहीं

8

9

10

किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से पशु चिकित्सा विज्ञान में डिग्री या समतुल्य

लागू नहीं होता

2 (दो) वर्ष

टिप्पण: 1 अर्हताएं अन्यथा मुअह्रित अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है।

टिप्पण: 2 अनुभव संबंधी अर्हता (अर्हताएं) संघ लोक सेवा आयोग/सक्षम प्राधिकारी के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में तब शिथिल की जा सकती है (हैं) जब जयन की किसी प्रवृत्ति पर संघ लोक सेवा आयोग/सक्षम प्राधिकारी को यह राय है कि उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अनेकित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्यर्थी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनिधियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा जारी करने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता प्रोन्नति/प्रतिनिधियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनिधियुक्ति/स्थानांतरण किया जाएगा।

(11)

(12)

सीधी भर्ती द्वारा

लागू नहीं होता

याद विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसका संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

(13)

(14)

समूह "क"

सीधी भर्ती करते समय आयोग से परामर्श करना आवश्यक है

(पृष्ठ के संबंध में विचार के लिए) जिसमें निम्नलिखित होंगे :—

- 1 पशुपालन आयुक्त—अध्यक्ष
- 2 संयुक्त आयुक्त (कुवकुट)---सदस्य
- 3 निदेशक (पशु पालन)---सदस्य
- 4 उपायुक्त---सदस्य
- 5 अव. सचिव (खास)---सदस्य

टिप्पण:—पृष्ठ से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियां, संघ लोक सेवा आयोग का अनुमोदन प्राप्त नहीं करती हैं किन्तु, यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभाग प्रोन्नति समिति की रैक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी।

[सं. 27-6/82-एल. डी.-2]

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture & Coop.)

New Delhi, the 20th April, 1987

G.S.R. 354.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Veterinary Officer (Group 'B') (Gazetted), Central Poultry Breeding Farms under the Ministry of Agriculture (Department of Agriculture and Cooperation), namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Veterinary Officer (Group 'B') (Gazetted), Central Poultry Breeding Farms, Recruitment Rules, 1987.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment to the said post, age-limit, quali-

fications and other matters relating thereto shall be as specified in column 5 to 14 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for as doing exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservation, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-serviceman and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

Name of post	Number of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Whether benefit of added years of service admissible under Rule 30 of the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972
1	2	3	4	5	6
Veterinary Officer	3 (Three) 1986 Subject to variation depending on workload	General Central Service (Group 'B') Gazetted Non-Ministerial	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-40-1200.	Not applicable	No
Age limit for direct recruitment	Education and other qualifications required for direct recruits	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of vacancies to be filled by various methods	
7	8	9	10	11	
Not exceeding 30 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential : Degree in Veterinary Science from a recognised University or equivalent Note : Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.	Not applicable	2 (Two) Years	By direct recruitment	

In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades composition from which promotion/deputation transfer to be made

If a Departmental Promotion Committee exists, what is its Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment

12	13	14
Not applicable	Group 'A' Departmental Promotion Committee (for considering confirmation cases. :- 1. Animal Husbandry Commissioner—Chairman 2. Joint Commissioner (Poultry)—Member 3. Director (Animal Husbandry)—Member 4. Deputy Secretary—Member 5. Under Secretary (Food)—Member Note : The Proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval. If, however these are not approved by the Commission a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.	Consultation with the Commission necessary while making direct recruitment.

[No. 27-6/82-L.D. II]

सा. का. नि. 355 :—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कृषि मंत्रालय (कृषि और सहकारिता विभाग) के अधीन केन्द्रीय कुक्कुट प्रजनन फार्म, चण्डीगढ़ में सफाईवाला 'समूह "ब" पद' पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनते हैं अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय कुक्कुट प्रजनन फार्म, चण्डीगढ़ (सफाईवाला) 'समूह "ब" पद' भर्ती नियम, 1987 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और बैतनमान :—उक्त पद/पदों की संख्या, उसका वर्गीकरण और बैतनमान वह होगा, जो इन नियमों में उपाखण्ड अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और अर्हताएं आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी, जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हताएं :—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसको पत्नी जोड़ित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जोड़ित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षधार को लागू स्त्रीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने का अधिकार :—जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां यह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा सब लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपाखण्ड को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों को अथवा, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति :—इन नियमों को कोई बात, ऐसे आख्यातों, आयु सीमा में छूट आर अन्य रिपायों पर लागू नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निहाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपाखण्ड करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बैतनमान	चयन पद या अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गए व्यक्तियों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं
1	2	3	4	5	6	7क
सफाईवाला	*(एक) (1968)	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ब"	196-3-220-द. रो.-3-232-ह.	लागू नहीं होता	18 वर्ष से 25 वर्ष के बीच (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी)	नहीं

1	2	3	4	5	5	क
	*कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	अग्रजपति अनुमति				किए गए अनुदेश के अनुसार सरकार के कर्मचारियों के लिए 35 वर्ष तक छील दी सकती है)
						टिप्पण :—आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनके जिन जो अंदाज और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गयी अंतिम तारीख होगी। रोजगार कार्यालय के माध्यम से नियुक्ति के मामले में आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख प्रत्येक मामले में, वह अंतिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालयों को नाम भेजने के लिए कहा जाता है।
	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं		सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक अर्हताएं			परीक्षा की अवधि यदि कोई हो। वशा में लागू होगी या नहीं

7	8	9
आवश्यक : प्राइमरी उन्नीस आठ लगाने और सफाई रखने में योग्य होता चाहिए।	आयु : लागू नहीं होता शैक्षिक अर्हता	2 वर्ष
टिप्पण : (1) अर्हताएं अन्यथा सुअर्हित अभ्यर्थियों के मामले में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है। (2) अनुभव संबंधी अर्हता (अर्हताएं) संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों के मामलों में उस दशा में शिथिल की जा सकती है (है), जबकि चयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग को यह राय है कि इनके लिए आश्रित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले इन समुदायों के अभ्यर्थी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे।		

भर्ती की पद्धति भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिफलता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती की वशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाएगा।
--	--

10	11
100% सीधी भर्ती द्वारा सम्प्रेषक (फीडर श्रेणी के वे विभागीय अधिकारी जो प्रोन्नति को सीधी लाइन में हैं, प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति हेतु विचार करने के लिए पात्र नहीं होंगे। इसी प्रकार प्रतिनियुक्ति व्यक्ति प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति के लिए विचार करने हेतु पात्र नहीं होंगे। उसी संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से तत्काल पूर्व धारित किसी अन्य काष्ठर बोह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि सहित प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी।	लागू नहीं होता

विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

भरती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा

12

13

विभागीय प्रोन्नति समिति, समूह "घ" (पुष्टि के मामलों पर विचार करने के लिए)

लागू नहीं होता

1. निदेशक, केन्द्रीय कुक्कुट प्रजनन फार्म, चंडीगढ़—अध्यक्ष
 2. उप-निदेशक, केन्द्रीय कुक्कुट प्रजनन फार्म, चंडीगढ़—सदस्य
 3. प्रबंधक, केन्द्रीय कुक्कुट प्रजनन फार्म, चंडीगढ़—सदस्य
 4. केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार का राजपत्रित अधिकारी—सदस्य
- (प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अंतर्गत उसी संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काष्ठर बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी।)

टिप्पण :—पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्य-वाहियां, संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएंगी किन्तु यदि उक्त आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति को बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी।

[सं. 33-12/86-एल. बी.-2]

G.S.R. 355.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Safaiwala "Group 'D' Post" at Central Poultry Breeding Farm, Chandigarh under the Ministry of Agriculture (Department of Agriculture and Co-operation), namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Central Poultry Breeding Farm, Chandigarh (Safaiwala) "Group 'D' Post" Recruitment Rules, 1987.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in column 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in column 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with

a person having a spouse living, or

(b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservation, relaxation in age limit and other concessions required to be provided for candidates belonging to Schedule Castes, the Scheduled Tribes, Ex-serviceman and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	Number of of Post	Classification	Scale of Pay	Whether selection post or Non-selection post	Age limit for direct recruits
1	2	3	4	5	6
Safaiwala	One (1986)* *Subject to variation depending on work-load.	General Central Service, Group 'D', Non-Gazetted, Non-Ministerial.	Rs. 196-3-220-EB-3-232.	Not applicable	Between 18 to 25 years (Relaxable for Government servants upto 35 years in accordance with the instructions issued by the Central Government). Note 1 : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).

1	2	3	4	5	6
Note:—2 In the case of recruitment made through Employment Exchange, the crucial date for determining the age limit shall be last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names					
Whether benefit of added years of service admissible under Rule 30 of the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972.	Educational and other qualifications required for direct recruits	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation, if any.	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of vacancies to be filled by various methods.	
6(a)	4	8	9	10	
No.	Primary Pass. Should be able to undertake sweeping job and maintenance of cleanliness.	Not applicable	2 years	100% by direct recruitment.	
In case of recruitment by promotion/deputation/grades from which promotion/deputation/transfer to be made.		If a Departmental Promotion Committee exists, what is the composition.		Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.	
11		12		13	
Not applicable		Departmental Promotion Committee, Group 'D' (for considering confirmation cases):— 1. Director of the Central Poultry Breeding Farm, Chandigarh —Chairman 2. Deputy Director of the Central Poultry Breeding Farm, Chandigarh —Member 3. Manager of the Central Poultry Farm Chandigarh —Member 4. Gazetted Officer of Central/State Government —Member		Not applicable.	

[No.33-12/86-LD. II]

सा. का. नि. 356 .—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परंतुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कृषि मंत्रालय (कृषि और सहकारिता विभाग) के अखिल केन्द्रीय कुक्कुट प्रशिक्षण संस्थान, ह हैसवरदटा में रसोइया, समूह "ध" के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात् :—

- संक्षिप्त नाम और प्रारंभ:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय कुक्कुट प्रशिक्षण संस्थान, हैसवरदटा, समूह "ध" पर (रसोइया) भर्ती नियम, 1987 है।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
 - पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की संख्या उनका वर्गीकरण और उनका वेतनमान वह होगा जो इन नियमों से उदावद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट हैं।
 - भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं आदि :—उक्त पद/पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उनसे संबंधित अन्य बातें वे होगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 14 में विनिर्दिष्ट हैं।
- निरर्हता :—वह व्यक्ति, —
- (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिम्मा पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
 - (ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,
- उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू विधि के स्वीय अधीन अनुशेष है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार को यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखाबद्ध करके तथा इन नियमों के किसी उपबंध को किसी बड़े या प्रबल के व्यक्तियों की वाचन, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

व्यावृत्ति :—इन नियमों को कोई बात, ऐसे आशयों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगा, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस तरह में समय समय पर निकाले गए आदेशों के प्रसारण प्रतुलित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, मूलपूर्व मैनिकों और अन्य विशेष प्रयोग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों का संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पर श्रवण अवयव पर	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा, केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अन्तर्गत अनुशेष है या नहीं	सीढ़े भरने किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा
-----------	----------------	----------	---------	----------------------	---	---

1	2	3	4	5	6	7
रसोइया	एक* (1) (1986) समूह "घ" ग्राज-पत्रित अनुसूचितवर्गीय *कार्यभार को आधार पर परिचालन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "घ" ग्राज-पत्रित अनुसूचितवर्गीय	200-3-206-250 रु	अवयव	नहीं	18 वर्ष से 25 वर्ष के बीच टिप्पण :—आयु-सीमा अवधारित करने के लिए तिथिक तारीख, प्रत्येक मामले में, भारत में अस्पष्टियों से (उनके भिन्न जो अंशमान और तिथिभार होप तथा लक्ष्यीय में हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी। ऐसे पदों को वाचन, जिन पर नियुक्ति रोजगार कार्यालय के माध्यम से की जाती है, आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख प्रत्येक मामले में वह अंतिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालय से नाम भेजने के लिए कहा गया है।

सिद्धे भरने किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए निवेदन और अन्य तारीखें भरने किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए परिभाषा का अर्थ यदि कोई है।
अनुसूचित वर्गों और शैक्षणिक अनुसूचित वर्गों
व्यक्तियों की दशा में लागू होगी या नहीं।

11	9	10
किसी स्थापन में रसोइया के रूप में कार्य करने का 3 वर्ष का अनुभव/ज्ञानान्त/स्माइया का अनुभव वास्तविक है।	लागू नहीं होता	2 वर्ष

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती की दशा में से श्रेष्ठता जिनसे प्रोन्नति/द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिष्ठानता। प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाएगा।

11

12

प्रोन्नति द्वारा/स्थानांतरण द्वारा, जिसके तहत हो सकते पर सीधी भर्ती द्वारा। प्रोन्नति :—ऐसा वेत परिवारक जिसमें नियमित आधार पर नियुक्ति के बाद उस श्रेणी में 3 वर्ष की सेवा की है।

स्थानांतरण :—कृषि और सहकारिता विभाग के अधीनस्थ कार्यालय में कार्यरत ऐसे समूह "घ" कर्मचारियों में से जिनके पास पाक कर्म में आवश्यक अनुभव हो।

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में सब लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

13

14

विभागीय प्रोन्नति समिति समूह "घ"

लागू नहीं होता

1. निदेशक, केन्द्रीय कुक्कुट प्रशिक्षण संस्थान, हैस्सरघट्टा—अध्यक्ष
2. प्रबंध निदेशक, केन्द्रीय कुक्कुट प्रशिक्षण संस्थान, हैस्सरघट्टा—सदस्य
3. औद्योगिकीविद, केन्द्रीय कुक्कुट प्रशिक्षण संस्थान, हैस्सरघट्टा—सदस्य
4. पोषकविद, केन्द्रीय कुक्कुट प्रशिक्षण संस्थान, हैस्सरघट्टा—सदस्य
5. केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार के बाहर का एक राजपत्रित अधिकारी—सदस्य

[सं. 24-10/86-आ.डी.डी. -2]

एम. पी. वर्मा, अधीक्षक अभियंता

G.S.R. 356.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Cook Group 'D' at Central Poultry Training Institute, Hessarghatta under the Ministry of Agriculture (Department of Agriculture and Cooperation), namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Group 'D' post (Cook) at Central Poultry Training Institute, Hessarghatta, Recruitment Rules, 1987.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in column 5 to 14 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with

a person having a spouse living, or

(b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for as doing exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservation, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the candidates belonging to Scheduled Castes the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of Post	Number of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Whether benefit of added years of service under rule 30 of the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972.
1	2	3	4	5	6
Cook	One (1)* (1986) *Subject to variation depending on work load	General, Central, Service Group 'D', Non-Gazetted, Non-Ministerial.	Rs. 200-3-206-250.	Non-selection	No
Age limit for direct recruitment		Educational and other qualifications required for direct recruits.		Whether age and educational qualification prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation, if any.
7		8		9	10
Between 18 and 25 years. Notes : The crucial date for determining the age limit will be the closing date for the receipt of applications from candidate in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). In respect of posts, the appointments to which are made through the Employment Exchange the crucial date for determining the age limit, in each case, be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.		3 years experience of working as Cook. in any Establishment. Experience of Catering/Cook. Desirable.		Not applicable.	2 years.
Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.		If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition.		Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.
11	12		13		14
By Promotion/transfer failing which by direct recruitment.	Promotion : Mess Attendant with 3 year's service in the grade after the appointment thereto on a regular basis. Transfer : From Group 'D' staff working in subordinate offices of Department of Agriculture and Co-operation and possessing necessary experience in Cooking		Departmental Promotion Committee, group 'D'— 1. Director of Central Poultry Training Institute, Hessarghatta —Chairman. 2. Management Specialist Central Poultry Training Institute, Hessarghatta —Member. 3. Technologist Central Poultry Training Institute Hessarghatta —Member. 4. Nutritionist Central Poultry Training Institute Hessarghatta —Member. 5. An outside Gazetted Officer of Central/State Government—Member		Not applicable.

[No. 24-10/86-LD. II]

S. P. VERMA, Under Secy.

जल संसाधन मंत्रालय

नई दिल्ली, 13 अप्रैल, 1987

सा. का. नि. 357 :—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान केन्द्र, पुणे (इंजीनियरी और वैज्ञानिक समूह "क" पद) भर्ती नियम, 1982 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान केन्द्र पुणे (इंजीनियरी और वैज्ञानिक समूह "क" पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1987 है।

(2) ये 24 जुलाई, 1982 को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान केन्द्र पुणे, (इंजीनियरी और वैज्ञानिक समूह "क" पद) भर्ती नियम, 1982 में, नियम-10 के उपनियम (1) के स्थान पर, निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(1) केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान केन्द्र, पुणे समूह “क” और समूह “ख” इंजीनियरी और वैज्ञानिक पद भर्ती नियम, 1966 को, जहां तक उनका संबंध, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान केन्द्र, पुणे में अनुसंधान अधिकारी, ज्येष्ठ अनुसंधान अधिकारी, मुख्य अनुसंधान अधिकारी और संयुक्त निदेशक के इंजीनियरी और वैज्ञानिक पदों से है, निरस्त किया जाता है।”

टिप्पण :—मूल नियम, सा. का. नि. सं. 635 तारीख 24 जुलाई 1982 द्वारा राजपत्र में प्रकाशित हुए थे।

सा. का. नि. सं. 665 तारीख 10 सितम्बर, 1983

सा. का. नि. सं. 939 तारीख 10 दिसम्बर, 1983 और सा. का. नि. सं. 1102 तारीख 23 नवम्बर, 1985 और उनका संशोधन किया गया।

केन्द्रीय जल तथा विद्युत अनुसंधानशाला, पुणे (इंजीनियरी और वैज्ञानिक समूह “क” पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1987 के नियम 2 का व्याख्यात्मक ज्ञापन

केन्द्रीय जल तथा विद्युत अनुसंधानशाला, पुणे, समूह “क” और समूह “ख” इंजीनियरी और वैज्ञानिक पद भर्ती नियम, 1966 केन्द्रीय जल तथा विद्युत अनुसंधानशाला, पुणे में समूह “क” और समूह “ख” (इंजीनियरी और वैज्ञानिक) पदों तथा केन्द्रीय जल तथा विद्युत आयोग (जल स्कन्ध), जो अब केन्द्रीय जल आयोग है, तथा उसके अधीनस्थ कार्यालयों में समूह “क” और समूह “ख” (वैज्ञानिक) पदों पर लागू हैं।

2. 24 जुलाई, 1982 को सा. का. नि. संख्या 635 द्वारा भारत के राजपत्र में अधिसूचित केन्द्रीय जल तथा विद्युत अनुसंधानशाला, पुणे (इंजीनियरी तथा वैज्ञानिक समूह “क” पद) भर्ती नियम, 1982 के नियम 10 के उपनियम (1) में निम्नलिखित व्यवस्था की गई है :—

“केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधानशाला समूह “क” और समूह “ख” इंजीनियरी और वैज्ञानिक पद भर्ती नियम, 1966 को, जहां तक उनका सम्बन्ध अनुसंधान अधिकारी, वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी, मुख्य अनुसंधान अधिकारी और संयुक्त निदेशक के इंजीनियरी और वैज्ञानिक पदों से है, निरस्त किया जाता है।

3. परन्तु अभिप्राय, केन्द्रीय जल तथा विद्युत अनुसंधानशाला, पुणे समूह “क” और समूह “ख” इंजीनियरी और वैज्ञानिक पद भर्ती नियम, 1966 की जहां तक उनका सम्बन्ध केन्द्रीय जल तथा विद्युत अनुसंधान

शाला, पुणे में समूह “क” इंजीनियरी और वैज्ञानिक पदों से है, निरस्त करने का था, ना कि केन्द्रीय जल तथा विद्युत आयोग (जल स्कन्ध) जो अब केन्द्रीय जल आयोग है, और उसके अधीनस्थ कार्यालयों में समूह “क” और “ख” (वैज्ञानिक) पदों के संबंध में।

4. केन्द्रीय जल तथा विद्युत अनुसंधानशाला, पुणे (इंजीनियरी और वैज्ञानिक समूह “क” पद) भर्ती नियम, 1982 में इसपर संशोधन किया गया है ताकि केन्द्रीय जल आयोग और उसके अधीनस्थ कार्यालयों जो पहले केन्द्रीय जल तथा विद्युत आयोग (जल स्कन्ध) के नाम से जाना जाता था, में समूह “क” और समूह “ख” (वैज्ञानिक) पदों पर उक्त नियमों के नियम 10 के उपनियम (1) में निहित उपनियमों की अनुप्रयोज्यता को दूर किया जा सके।

5. बूक मुख्य नियम सा. का. नि. संख्या 635 द्वारा 24 जुलाई, 1982 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए गए थे, केन्द्रीय जल तथा विद्युत अनुसंधानशाला, पुणे (इंजीनियरी) और वैज्ञानिक समूह “क” पद भर्ती (संशोधन) नियम, 1987 पूर्वप्रभावी है और इनको 24 जुलाई, 1982 अर्थात् उसी तारीख से लागू हुए माना गया है जब मुख्य नियम भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे।

6. उक्त नियमों के पूर्वप्रभावी होने से इनका किसी व्यक्ति के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं. 1/87 फा. सं. 44 (42)/73--स्था. II]
बी. के. साधू, अवसर सचिव

MINISTRY OF WATER RESOURCES

New Delhi, the 13th April, 1987

G.S.R. 357.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to further amend the Central Water and Power Research Station, Pune (Engineering and Scientific Group 'A' Posts) Recruitment Rules, 1982, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Water and Power Research Station, Pune (Engineering and Scientific Group 'A' Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1987.
(2) They shall be deemed to have come into force with effect from the 24th July, 1982.

2. In the Central Water and Power Research Station, Pune (Engineering and Scientific Group 'A' Posts) Recruitment Rules, 1982, for sub-rule (1) of rule 10, the following sub-rule shall be substituted, namely:—

“(1) The Central Water and Power Research Station, Pune, Group 'A' and Group 'B' engineering and scientific posts Recruitment Rules, 1966, in so far as they relate to the engineering and scientific posts of Research Officer, Senior Research Officer, Chief Research Officer and Joint Director in the Central Water and Power Research Station, Pune, are hereby repealed”.

NOTE : The principal rules published in the Official Gazette, vide G.S.R. No. 635 dated the 24th July, 1982 were amended, vide G.S.R. No. 665 dated the 10th September, 1983, G.S.R. No. 939 dated the 10th December, 1983 and G.S.R. No. 1102 dated the 23rd November, 1985.

Explanatory Memorandum to rule 2 of the Central Water and Power Research Station, Pune (Engineering and Scientific Group 'A' posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1987.

The Central Water and Power Research Station, Pune, Group 'A' and Group 'B' engineering and scientific posts Recruitment Rules, 1966 were applicable to Group 'A' and Group 'B' (Engineering and Scientific) posts in the Central Water and Power Research Station, Pune and also Group 'A' and Group 'B' (Scientific) posts in the Central Water and Power Commission (Water Wing) now Central Water Commission and subordinate offices there under.

2. Sub-rule (1) of rule 10 of the Central Water and Power Research Station, Pune (Engineering and Scientific Group 'A' Posts) Recruitment Rules, 1982 notified in the Gazette of India, vide G.S.R. No. 635 on the 24th July, 1982 provides the following:—

"The Central Water and Power Research Station, Pune, Group 'A' and Group 'B' engineering and scientific posts Recruitment Rules, 1966 in so far as they relate to the engineering and scientific posts of Research Officer, Senior Research Officer, Chief Research Officer and Joint Director, are hereby repealed".

3. But it was intended to repeal the Central Water and Power Research Station, Pune Group 'A' and Group 'B' engineering and scientific posts Recruitment Rules, 1966, in so far as they relate to Group 'A' engineering and scientific posts in the Central Water and Power Research Station, Pune, only and not the Group 'A' and Group 'B' (Scientific) posts in the Central Water and Power Commission (Water Wing), now Central Water Commission and subordinate offices thereunder.

4. The Central Water and Power Research Station, Pune (Engineering and Scientific Group 'A' posts) Recruitment Rules, 1982 are therefore amended to remove the applicability of the provision contained in sub-rule (1) of rule 10 of the said rules to the Group 'A' and Group 'B' (Scientific) posts in the Central Water Commission, formerly known as the Central Water and Power Commission (Water Wing) and subordinate offices thereunder.

5. Since the principal rules were published in the Gazette of India, vide G.S.R. No. 635 on the 24th July, 1982, the Central Water and Power Research Station, Pune (Engineering and Scientific Group 'A' posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1987 have been given retrospective effect and are deemed to have come into force with effect from the 24th July, 1982, the date when the principal rules were published in the Gazette of India.

6. Giving retrospective effect to the said rules will not prejudicially affect the interests of any person.

[No. 1/87 F.No. 44(42)/78-E.I]
V. K. SADHU, Under Secy.

ऊर्जा मंत्रालय

(विद्युत विभाग)

(केन्द्रीय विद्युत बोर्ड)

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1987

सा.का.नि. 358 :—भारतीय विद्युत नियम, 1956 का और संशोधन करने के लिए नियमों का कतिपय प्रारूप भारतीय विद्युत अधिनियम, 1910 (1910 का 9) की धारा 38 की उपधारा (1) की अपेक्षासुसार, भारत सरकार के सिंचाई और विद्युत मंत्रालय (केन्द्रीय विद्युत बोर्ड) की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 1046 तारीख 21 नवम्बर, 1986 के अधीन, भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (i) तारीख 6 दिसम्बर, 1986 में प्रकाशित किया गया था जिसमें उन व्यक्तियों से उस राजपत्र की प्रतियां, जिसमें अधिसूचना प्रकाशित की गई थी जनता को उपलब्ध कराए जाने की तारीख से तीन मास की अवधि के अवसान तक आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी।

और उक्त राजपत्र की प्रतियां जनता को 8 दिसम्बर, 1986 को उपलब्ध करा दी गई थीं;

अतः अब केन्द्रीय विद्युत बोर्ड, उक्त अधिनियम की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत आक्षेपों तथा सुझावों पर सम्यक्तः विचार कर लेने के पश्चात् केन्द्रीय विद्युत बोर्ड भारतीय विद्युत नियम, 1956 को और संशोधित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :—

नियम

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय विद्युत (संशोधन 1) नियम, 1987 है।

2. भारतीय विद्युत नियम 1956 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) में :—

(i) नियम 3 में, उपनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

"(2) उपनियम (i) के अन्तर्गत किसी भी व्यक्ति को तब तक प्राधिकृत नहीं किया जाएगा जब तक कि वह, उसे समनुदेशित कन्वेंशनों का पालन करने के लिए सक्षम नहीं है और उसके पास समुचित सक्षमता प्रमाणपत्रों या काम करने की अनुज्ञप्ति नहीं है।

(ii) उक्त नियमों के नियम 3 में, उपनियम (5) के पश्चात् निम्न लिखित उपनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"(6) ऐसे प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत कारखाने में जहां 250 के. ड्यू से अधिक विद्युत लोड संयोजित है, वहां अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अधीन अधिकृत सुरक्षा प्रबंधों का पालन सुनिश्चित करने के लिए कारखाने के प्रबंध मण्डल द्वारा प्राधिकृत एक व्यक्ति होगा जो कालिदातः ऐसे संस्थापन का निरीक्षण करेगा उसकी जांच करवायेगा और उसका अभिलेख रखेगा और ऐसे अभिलेख अब भी अपेक्षित हों, निरीक्षक को उपलब्ध किए जाएंगे।"

3. उक्त नियमों के नियम 4 ख में, खण्ड (ख) के परन्तुक के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"(ग) नियम 4क के अधीन नियुक्त व्यक्ति ऐसा प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे, जो समुचित सरकार उस प्रयोजन के लिए आवश्यक समझे और ऐसा प्रशिक्षण समुचित सरकार के समाप्तानुप्रद रूप में पूरा किया जाएगा।"

4. उक्त नियमों के अध्याय 4 में "साधारण सुरक्षा पूर्वाधानियां" शीर्षक के स्थान पर "साधारण सुरक्षा अपेक्षाएं" शीर्षक रखा जाएगा।

5. उक्त नियमों के नियम 29 में :—

(i) उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

"(i) सभी विद्युत प्रदाय लाइनें और साधित उस काम के लिए जिसके उनसे संस्थापन की पर्यावरणीय अवस्थानों में करने की अपेक्षा की जाए, विद्युत, विद्युत रोधन और प्राक्कलित वेग धारा के लिए पर्याप्त संनिधिरण और पर्याप्त यांत्रिक प्रबलता के होंगे और ऐसे रीति में संनिमित्त संस्थापित, संरक्षित, संकमित और अनुरक्षित किए जाएंगे, जिससे कि कामकों और सम्पत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।"

(ii) उपनियम (2) में "भारतीय मानक संस्था" शब्दों के पश्चात् "जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय विद्युत संहिता भी है" शब्द अंतःस्थापित किया जाएंगे।

6. उक्त नियमों के नियम 31 में, उपनियम (3) का लोप किया जाएगा।

7. उक्त नियमों के नियम 32 में, उपनियम (1) के परन्तुक का लोप किया जाएगा।

8. उक्त नियमों के नियम 50 के पश्चात् निम्नलिखित नया नियम 50क अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

50क—बहुमंजिले भवनों में (ऊंचाई में 15 मीटर से अधिक) ऊर्जा के प्रदाय और उपयोग के लिए अतिरिक्त उपबन्ध :—

(1) किसी संस्थापन से झूठ भास या उससे अधिक की कालावधि के लिए विद्युत बन्द किये जाने के पश्चात् प्रदाय के आरम्भ या प्रदाय के पुनराारम्भ के लिए आनेदन करने में पूर्व किसी बहुमंजिले भवन का स्वामी/अधिभागी विभिन्न स्थितियों सहित निरीक्षक का तीस दिन से अग्र्यून की लिखित सूचना देगा। ऊर्जा का प्रदाय उस कालावधि के भीतर निरीक्षक के लिखित रूप में अनुमोदन के बिना या अन्यथा आरम्भ या पुनराारम्भ नहीं किया जाएगा ;

(2) संस्थापन का प्रदायकर्ता/स्वामी प्रदाय के आरम्भ के विन्दु पर 3 फीज 4 तार परिपथ में निष्प्राभावी के सिवाय सभी फीजों पर प्रचालन के लिए छिन्नगर्त या ब्रेकर सहित एक समुचित विलगन युक्ति, की व्यवस्था करेगा और उसे जमीन से 2.75 मीटर से अधिक की ऊँचाई पर किसी सहजदृश्य स्थिति में लगाया जाएगा जिससे कि आपात की दशा में भवन से प्रदाय को पूर्ण रूप से विलग किया जा सके ;

(3) किसी बहुमंजिले भवन का स्वामी/अधिभागी यह सुनिश्चित करेगा कि भवन के भीतर विद्युत संस्थापन/संक्रमण ऐसी रीति में कार्यान्वित और अनुरक्षित किए गए हैं जिससे कि झटका, और अग्निखतरे के कारण संकट को निवारित किया जा सके और संस्थापन को सुसंगत व्यवहार संहिता के अनुसार कार्यान्वित किया जा सके ;

(4) शक्ति केवल बिछाने के लिए वाहिनी के साथ कोई अन्य सेवायाएँ नहीं डाली जाएंगी। शक्ति केवल और अन्य सेवाओं के लिए डाली गई सभी वाहिनियों में प्रत्येक तल पार गगन पर अग्निरोध की व्यवस्था की जाएगी ;

9. उक्त नियमों के नियम 51 के उपनियम (1) में खंड (ख) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(ख) सभी धात्विक संक्रमण, घेरे वाला, आलंब देने वाला या संस्थापन से सम्बद्ध उससे भिन्न जो चालक के रूप में काम करने के लिए पैकिंगलिप्त है, भारतीय मानकों में इस संबंध में अधिकथित मानकों के अनुसार और नियम 61 (4) के अनुसार भी भू-सम्पर्क पद्धति के साथ सहयोजित किया जाएगा।”

10. उक्त नियमों के नियम 61 में उपनियम (4) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(4) सभी भू-सम्पर्क पद्धतियों में निम्नलिखित होंगी :—

(क) भावी भू-दोष धारा को ले जाने के लिए समर्थ समसम्भाव्य आवश्यक चालक और सुसंगत भारतीय मानकों के अनुसार अनुज्ञेय तापमान परिसीमाओं का अतिरिक्तन किए बिना भू के साधारण स्थूल पर धारा प्रवाहित करने के लिए पाइप, छड़, प्लेट इलैक्ट्रोड का समूह, जिससे कि सभी धारा रहित संवाहक धात्विक संक्रमणों को युक्तियुक्त रूप से भूस्थिति पर अनुरक्षित किया जा सके और ऐसे धात्विक संक्रमणों पर संकटपूर्ण सम्पर्क स्थितिज को विकसित होने से रोका जा सके।

(ख) समय पर संरक्षात्मक युक्तियों से प्रचालन के लिए समुचित दोष धारा अनुमत करने के लिए और निष्प्राभावी स्थानान्तरण कम करने के लिए भू प्रतिरोध को पर्याप्त रूप से सीमित करेंगे।

(ग) संस्थापन की समायावधि के दौरान यांत्रिक नियमितता को प्रतिधारण करने के लिए यांत्रिक रूप से मजबूत होंगे, संक्षारण को बहूत करेंगे और विद्युत सातत्य को प्रतिधारण करेंगे। सभी भू-सम्पर्क पद्धतियों विद्युत प्रदाय लाइनों या साधित्रों को ऊर्जाकृत किए जाने के पूर्व उनकी जांच की जाएगी जिससे कि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दक्षतापूर्ण भू-सम्पर्क है।”

11. उक्त नियमों के नियम, 64 में :—

(i) उपनियम (2) में :—

(क) खंड (क) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात् :—

(क) (i) भारतीय मानक संहिता के अनुसार विद्युत साधित्रों के लिए निकासी की व्यवस्था की जाएगी जिससे कि उपर्युक्त के निम्न कार्यरत अनुरक्षण और प्रचालन कामियों को किसी खतरे के बिना सुगम प्रचालन और अनुरक्षण के लिए और पर्याप्त संवातन सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध हो।

(ii) बाहरी उपकेन्द्रों में जिसके अंतर्गत एच.वी. और ई.एच.वी. संस्थापनों की क्षिरोपर लाइनें नहीं हैं, खुले हुए चालकों या किसी भी साधित्र के सक्रिय गुजों के लिए निम्नलिखित न्यूनतम निकासी का अनुरक्षण किया जाएगा।

बोलटता वर्ग	भू-निकासी (मीटर)	अनुभागीय निकासी (मीटर)
11 के वी से अधिक	2.75	2.6
33 के वी से अधिक	3.7	2.8
66 के वी से अधिक	4.0	3.0
132 के वी से अधिक	4.6	3.5
220 के वी से अधिक	5.5	4.3
400 के वी से अधिक	8.0	6.5

(ख) खंड (घ) में “सामान्य रूप से” शब्दों का लोप किया जाएगा ;

(ग) खंड (ड) (i) में “रोध दीवाल” शब्दों के पश्चात् “चार आउटर अग्निरेटिंग की” शब्द अंतः स्थापित किए जाएंगे।

(घ) खंड (च) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(च) (i) उपर्युक्त अव्युपायों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, साधित्र में अग्नि बुझाने के लिए समुचित अग्नि संरक्षण व्यवस्था का प्रबंध किया जाएगा।

(ii) जहाँ तल घर में उपकेन्द्र/स्विच स्टेशन अवस्थित करना आवश्यक हो वहाँ निम्नलिखित अव्युपाय किए जाएंगे :—

(क) कक्ष तलघर के निकट पहले तलघर में आवश्यक रूप से होगा।

(ख) कमरे में प्रवेश की दो घंटे अग्निरेटिंग के अग्नि प्रतिरोधक द्वारों की व्यवस्था की जाएगी। संविदारित ट्रांसफार्मर से तेल के तलघर के अन्य भागों में बहाव को रोकने के लिए प्रवेश द्वारा पर एक समुचित ऊँचाई के रोध (सिल) की व्यवस्था की जाएगी। ट्रांसफार्मर कक्ष के लिए सीधे पहुँच की व्यवस्था बाहर से की जाएगी।

(ग) ट्रांसफार्मर की स्वचालित उच्च विलोसिटी जल स्प्रे पद्धति द्वारा या कार्बनडाईआक्साइड या बी. सी. एफ. (ब्रामोक्लारोडिफ्लूरोमैथेन) या की. टी. एम. (ब्रामोट्रिफ्लू रोमैथेन) लगाई गई संस्थापन पद्धति द्वारा संरक्षित किया जाएगा और

(iii) तेल से भरे हुए ट्रांसफार्मर के प्रतिष्ठापित अंतःद्वार भूमि के ऊपर या पहले तलघर के नीचे संस्थापित नहीं किए जाएंगे।

12. उक्त नियमों के नियम-64 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“64क. निम्नलिखित अतिरिक्त उपबंध का वहाँ अनुपालन किया जाएगा जहाँ उच्च या अतिरिक्त उच्च बोलटता पर ऊर्जा का प्रदाय, संपरिवर्तन अंतरण या उसका प्रयोग किया जाता है, अर्थात् :

(1) आंतरिक तावा : समुचित आंतरिक तावों की निम्नलिखित मामलों में व्यवस्था की जाएगी ;

(क) बिलगकों और नियंत्रक परिपथ ब्रेकरो में आंतरिक तावा लगाया जाएगा जिससे कि बिलगकों को तब तक प्रचालित नहीं किया जा सके जब तक कि समरूपी ब्रेकर खुली हुई अवस्था में न हो ;

(ख) बिलगकों और समरूपी भूमि स्थितियों में आंतरिक तावे लगाए जाएंगे जिससे कि भूमि स्थितियों को तब तक बन्द न किया जा सके जब तक कि समरूपी बिलगक खुली अवस्था में न हों ;

(ग) जहाँ दो या अधिक प्रदाय समान्तर रूप में प्रचालित किए जाने के लिए प्राणयित नहीं हैं, यहाँ सम्बद्ध परिपथ ब्रेकर या प्रदायों को नियंत्रित करने वाले सम्बद्ध स्थितियों में आंतरिक तावा लगाया जाएगा जिससे कि भूमि से समान्तर हो जाने या पुनर्विशेषण हो जाने की संभावना को रोका जा सकेगा।

(घ) जहाँ दो या अधिक ट्रांसफार्मर समान्तर रूप में प्रचालित किए जाते हैं, वहाँ प्रणाली की व्यवस्था इस प्रकार की जाएगी जिससे कि यदि उपा ट्रांसफार्मर का पहला ब्रेकर फेस करता है, तो ट्रांसफार्मर के दूसरे ब्रेकर का फेस किया जा सके ;

(ङ) सभी द्वार या दरवाजों को जो किसी संस्थापन के सक्रिय पुजों के लिये पहुँच प्रदान करने हैं, ऐसी रीति में आंतरिक तावा लगाया जाएगा कि इनको तब तक न खोला जा सके जब तक कि सक्रिय पुजों को निष्क्रिय नहीं कर दिया जाता है। इन पुजों का समुचित निष्कासन और भू-सम्पर्क किसी व्यक्ति के ऐसे पुजों के निकट सम्पर्क में आने से पूर्व भुविभिन्न किया जाना चाहिये ;

(च) जहाँ दो या अधिक जनित्रों को समान्तर रूप में प्रचालित किया जाता है और निष्प्रवाही स्विच का उपयोग किया जाता है, वहाँ परम्पर यह भुविभिन्न करने के लिये आंतरिक तावा लगाये जाने की व्यवस्था की जाएगी जिससे कि जनित्र थेंकर को तब तक बन्द न किया जा सके जब तक कि एक निष्प्रवाही की भू-सम्पर्क पद्धति से संयोजित न किया गया हो।

(2) संरक्षण : सभी पद्धतियों और परिपथों को इस प्रकार संरक्षित किया जायेगा कि अशामान्य दशाओं में उन्हें प्रदाय स्वतः बन्द हो जाये।

निम्नलिखित संरक्षण की व्यवस्था की जाएगी, अर्थात्—

(क) यदि उपस्कर, केबल या प्रदाय लाइन का निर्धारित करंट किसी समय तक बढ़ जाता है, जिसे उपस्कर के बल या प्रदाय लाइन सहन करने के लिये डिजाइन नहीं की गई है, तो स्वतः प्रदाय को बन्द करने के लिये प्रति धारा संरक्षण ;

(ख) यदि भू-दोष धारा युक्तियुक्त मानों के भीतर सम्पूर्ण स्थिति को बनाये रखने के लिये धारा की परिमीमा से अधिक हो जाता है तो प्रदाय को स्वतः बन्द करने के लिये भू-दोष/भू-स्पर्श संरक्षण ;

(ग) अलार्म और खण्डन करने के लिये गैस बाब संरक्षण की व्यवस्था 1000 के. वी. ए. और उससे ऊपर के सनिधारण वाले सभी ट्रांसफार्मरों पर की जाएगी ;

(घ) 10 एच. वी. ए. और उससे अधिक की क्षमता वाले ट्रांसफार्मरों को विभेदी संरक्षण द्वारा आरम्भिक दोषों से संरक्षित किया जायेगा ;

(ङ) 100 के. वी. ए. और ऊपर के सनिधारण वाले सभी जनित्रों को भू-दोष/स्पर्श से संरक्षित किया जायेगा। 1000 के. वी. ए. और ऊपर के सनिधारण वाले सभी जनित्रों को जनित्र कुंडलन के भीतर दोषों से संरक्षित किया जायेगा जिसके लिये निर्धारित भू-दोष संरक्षण या विभेदी संरक्षण या दोनों का प्रयोग किया जायेगा।

13. उक्त नियमों के नियम-65 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

"65 परीक्षण, प्रचालन और अनुसंधान :

1. नियम 63 के अधीन निरीक्षक द्वारा अनुमोदित किए जाने के पक्षों विनिर्दिष्ट के परीक्षण प्रमाण पत्र, यदि अपेक्षित हो, तो सुसंगत मान्यता मानक की ओरानुसार सभी ईन्जिन परीक्षणों के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

2. कोई नये एच. वी. या डी. एच. वी. यन्त्र के बल या प्रदाय लाईन तब तक शोषण नहीं की जाएगी जब तक कि ऐसे यन्त्र, केबल या प्रदाय लाईन का भारतीय मानक संस्था की सुसंगत व्यवहार संहिता के अनुसार स्थल पर परीक्षण नहीं किया जाता है।

3. कोई भी एच. वी. या डी. एच. वी. यन्त्र केबल या प्रदाय लाईन जिन्हें छह मास या उगे अधिक की अवधि के लिए परिवर्तन या सम्मन के लिए पद्धति में असंबद्ध रखा गया है, पद्धति से तब तक संबद्ध नहीं की जाएगी जब तक कि ऐसे यन्त्र, केबल या प्रदाय लाईनों का भारतीय मानक संस्था की व्यवहार संहिता के अनुसार सुसंगत परीक्षण नहीं कर लिए जाते हैं ;

4. उपनियम (1) से (3) जिसके अंतर्गत वेनों सम्मिलित हैं के उद्देश्यों के होने हुए निरीक्षक संस्थापनों को चार्ज करने से पूर्व या उसके पश्चात् कतिपय अतिरिक्त परीक्षण किए जाने की अपेक्षा कर सकेगा।

5. सभी यन्त्र, केबल और प्रदाय लाइनों की अच्छी हालत में बनाये रखा जाएगा और परीक्षण भारतीय मानक संस्था की सुसंगत व्यवहार संहिता के अनुसार कालिकतः किये जाएंगे।

6. सभी परीक्षणों, खंडनों, अनुसंधान संकर्मों और सभी उपस्करों, केबलों और प्रदाय लाइनों की सम्मन के अभिलेख सम्यक् रूप से ऐसी रीति में रखे जाएंगे जिससे कि इन अभिलेखों का पूर्व अभिलेखों से मिलावट किया जा सके ; और

7. एच. वी. और डी. एच. वी. संस्थापनों के सभी स्वामियों का यह उत्तरदायित्व होगा कि वे विनिर्दिष्ट और या मान्यता मानक संस्था की सुसंगत व्यवहार संहिता और या निरीक्षक द्वारा निर्धारित किए गए अनुसार संस्थापनों की संबद्ध रहित हालत में सुरक्षित और प्रचालित करें।"

14. उक्त नियमों के नियम-66 में उपनियम (1) में "किसी प्रदायकर्ता के" शब्दों का अर्थ किया जाएगा।

15. उक्त नियमों के नियम-67 में, उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखे जाएंगे, अर्थात्—

"(1) सभी दूर घना संवाहक आविष्क पुजों को, ओ एच. वी. या डी. एच. वी. संस्थापनों से संयोजित हैं, भूमि प्रणाली या झंड से प्रभावी रूप से भू-सम्पर्क किया जाएगा, जो

(घ) सत्यमानों तक स्पष्ट और पद स्थिति को संश्लिष्ट करेगी।

(ख) सत्यमानों तक भूमि, स्थिति, वक्राव की सीमित करेगी जिससे कि भूमि, भू-तार, केबल, आच्छादित पाईप लाइनों

आदि से होकर स्थितिज के अंतरण से होने वाले खतरे को रोका जा सके।

- (ग) ऐसे मान तक भू-सम्पर्क के प्रतिरोध को बनाए रखना जिससे कि संरक्षात्मक युक्ति के प्रचालन को प्रभावी बनाया जा सके।
- (1क) स्टार-संयोजित पद्धति की दशा में जिसमें भू-संपर्कित निष्प्रभावी या डेल्टा संयोजित पद्धति है और जिसमें भू-संपर्कित कुलम निष्प्रभावी बिन्दु है :—
- (क) प्रत्येक अनिवार्य और ट्रांसफार्मर के निष्प्रभावी बिन्दु को जिते नियम 61(4) में और इसमें ऊपर दया परिभाषित भू-सम्पर्क पद्धति से संयोजित करके कम से कम दो अलग और सुविज्ञ संयोजन से भू-संपर्कित किया जाएगा:

परन्तु किसी अनिवार्य निष्प्रभावी बिन्दु भूमि की दीप द्वारा को सीमित करने के लिए प्रतिबाधा के माध्यम से भू-सम्पर्क पद्धति से संयोजित किए जायेंगे :

परन्तु यह और कि बहुमशीनी पद्धति की दशा में पद्धति में परिचरणा में गुणवत्ति द्वारा के हानिद्वारा प्रभाव को सीमित करने के लिए निष्प्रभावी स्विच का सहारा लिया जा सकेगा ;

(ख) निष्प्रभावी संयोजन में प्रवाहित पर्याप्त गुणवत्ति द्वारा की दशा में, जिससे कि संपर्क परिपथ में हस्तक्षेप दिया जा सके, जगितद्वारा ट्रांसफार्मर निष्प्रभावी को एक समुचित प्रतिबाधा के माध्यम से भू-संपर्कित किया जा सकेगा।

- (ग) डेल्टा संयोजित प्रणाली की दशा में निष्प्रभावी बिन्दु किसी भू-ट्रांसफार्मर और द्वारा को सीमित करने वाले प्रतिरोध या प्रतिबाधा को जोड़कर जहाँ आवश्यक हो, वह ऐसी प्रणाली के प्रारम्भ पर अतिप्राप्त किया जाएगा।”

16. उक्त नियमों के नियम 68 के उपनियम (1) में, खण्ड (क) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(क) उप केन्द्र या स्विच केन्द्र अधिमानतः भूमि के ऊपर सानोमत किए जायेंगे किन्तु जहाँ आवश्यक रूप से भूमि के नीचे संनिमित किए जायें वहाँ संवातन और जल निकास के लिए सम्यक् व्यवस्थाएँ की जायेंगी और स्विच नियर लगाने वाले किसी स्थान को किसी सामग्री के, विशेष रूप से दहनशील और ज्वलनशील सामग्री या कूड़-कंकट के भंडारकरण के लिए उपयोग में नहीं लाया जाएगा।

17. उक्त नियमों के नियम 82 के पश्चात निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“2क. शिरोपरि लाइनों के निकट सामग्री का परिवहन और भंडारण :

1. कोई भी छड़, पाईप या इसी प्रकार की सामग्री किन्हीं अनावृत्त ऊपरी चालकों या लाइनों के नीचे या उनके निकट नहीं ले जाई जाएगी यदि उनसे नियम 79 या 80 के अधीन निकासी के उपबन्धों का अति-लंघन होने की सम्भावना है जब तक कि ऐसे ऊपरी चालकों या लाइनों के स्वामी द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी सक्षम व्यक्ति के सीधे पर्यवेक्षणाधीन ऐसी सामग्री का परिवहन नहीं किया जाता है

2. किसी भी परिस्थिति में, छड़ पाईप या अन्य इसी प्रकार की सामग्री दमकबिगजन हरी या अनावृत्त सक्रिय चालकों या लाइनों के निकट नहीं ले जाई जायगी ; और

3. कोई भी सामग्री या मृदा बन्द या कुवि उत्पाद अनावृत्त ऊपरी चालकों/लाइनों के नीचे या उनके समीप नहीं डाले जायेंगे या उनका भंडारण नहीं किया जाएगा या वहाँ वृक्ष नहीं उगाये जायेंगे, जिससे कि

नियम 79 और 80 के अधीन विनिर्दिष्ट अपेक्षित सुरक्षा निकासियों को कम किया जा सके।”

[सी. ई. बी. 305/26/पी. पी. (3-82)/86]

चरणार्जित सिंह, सचिव
केन्द्रीय विद्युत बोर्ड

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Power)

(Central Electricity Board)

New Delhi, the 30th April, 1987

G.S.R. 358.—Whereas certain draft rules further to amend the Indian Electricity Rules, 1956 were published, as required under sub-section (1) of section 38 of the Indian Electricity Act, 1910 (9 of 1910), with the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Central Electricity Board) No. GSR 1046 dated 21st Nov., 1986 in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated 6th Dec., 1986 inviting objections or suggestions from all persons likely to be affected thereby, till the expiry of the period of three months from the date on which the copies of the Gazette of India in which the notification was published were made available to the public.

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on 8th Dec., 1986.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 37 of the said Act, and after due consideration of the objections and suggestions received the Central Electricity Board hereby makes the following rules further to amend the Indian Electricity Rules, 1956, namely :—

RULES

1. These rules may be called the Indian Electricity (Amendment-1) Rules, 1987.

2. In the Indian Electricity Rules, 1956 (hereinafter referred to as the said rules).

(i) in rule 3, for sub-rule (2), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(2) No person shall be authorised under sub-rule (1) unless he is competent to perform the duties assigned to him and possesses either an appropriate certificate of competency or permit to work;”

(ii) in rule 3 of the said rules, after sub-rule (5), the following sub-rule shall be inserted, namely :—

“(6) In every registered factory where more than 250 KW of electrical load is connected, there shall be a person authorised by the management of the factory for ensuring the observance of the safety provisions laid under the Act and the rules made thereunder, who shall periodically inspect such installation, get them tested and keep a record thereof and such records shall be made available to the Inspector, if and when required.”

3. In rule 4B of the said rules, after proviso to clause (b) the following clause shall be inserted, namely :—

“(c) The persons appointed under rule 4A shall undergo such training as the appropriate Government may consider it necessary for the purpose and such training shall be completed to the satisfaction of the appropriate Government”.

4. In Chapter IV of the said rules, for the heading “General Safety Precautions” the heading “General Safety Requirements”, shall be substituted.

5. In rule 29 of the said rules,

(i) for sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

"(1) All electric supply lines and apparatus shall be of sufficient ratings for powers, insulation and estimated fault current and of sufficient mechanical strength, for the duty which they may be required to perform under the environmental conditions of installation, and shall be constructed, installed, protected, worked and maintained in such a manner as to ensure safety of personnel and property."

(ii) in sub-rule (2), after the words "Indian Standards Institution", the words "including National Electrical Code" shall be inserted.

6. In rule 31 of the said rules, sub-rule (3) shall be omitted.

7. In rule 36 of the said rules, proviso to sub-rule (1) shall be omitted.

8. After rule 50 of the said rules, the following new rule 50A. shall be inserted, namely :—

"50A. Additional provisions for supply and use of energy in multi-storeyed buildings (more than 15 metres in height) :—

(1) Before making an application for commencement of supply or recommencement of supply after an installation has been disconnected for a period of six months or more the owner/occupier of a multi-storeyed building shall give not less than 30 days notice in writing to the Inspector together with particulars. The supply of energy shall not be commenced or recommenced within this period, without the approval or otherwise in writing of the Inspector;

(2) The supplier/owner of the installation shall provide at the point of commencement of supply a suitable isolating device with cut out or breaker to operate on all phases except neutral in the 3 phase 4 wire circuit and fixed in a conspicuous position at not more than 2.75 metres above the ground so as to completely isolate the supply to the building in case of emergency;

(3) The owner/occupier of a multi-storeyed building shall ensure that electrical installations/works inside the building are carried out and maintained in such a manner as to prevent danger due to shock and fire hazards, and the installation is carried out in accordance with the relevant codes of practices;

(4) No other service pipes shall be taken along the ducts provided for laying power cables. All ducts provided for power cables and other services shall be provided with fire-barrier at each floor crossing."

9. In rule 51 of the said rules, in sub-rule (1) for clause

(b), the following clause shall be substituted, namely :—

"(b) All metal works, enclosing, supporting or associated with the installation, other than that designed to serve as a conductor shall be connected with an earthing system as per standards laid down in the Indian Standards in this regard and in also accordance with rule 61(4)."

10. In rule 61 of the said rules, for sub-rule (4), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

"(4) All earthing systems shall—

(a) consist of equipotential bonding conductors capable of carrying the prospective earth fault current and a group of pipe/rod/plate electrodes for dissipating the current to the general mass of earth without exceeding the allowable temperature limits as per relevant Indian Standards in order to maintain all non-current carrying metal works reasonably at earth potential and to avoid dangerous contact potentials being developed on such metal works ;

(b) Limit earth resistance sufficiently low to permit adequate fault current for the operation of protective devices in time and to reduce neutral shifting ;

(c) be mechanically strong, withstand corrosion and retain electrical continuity during the life of the installation. All earthing systems shall be tested to ensure efficient earthing, before the electric supply lines or apparatus are energised."

11. In rule 64 of the said rules—

(i) in sub-rule (2)—

(a) for clause (a) the following clause shall be substituted, namely :—

"(a) (i) clearances as per Indian Standard Code shall be provided for electrical apparatus so that sufficient space is available for easy operation and maintenance without any hazard to the operating and maintenance personnel working near the equipment and for ensuring adequate ventilation.

(ii) the following minimum clearances shall be maintained for bare conductors or live parts or any apparatus in out-door sub-stations, excluding overhead lines, of HV and EHV installations :—

Voltage Class	Ground clearance (Meters)	Sectional clearance (Meters)
Not exceeding 11 Kv	2.75	2.6
—do— 33 Kv	3.7	2.8
—do— 66 Kv	4.0	3.0
—do— 132 Kv	4.6	3.5
—do— 220 Kv	5.5	4.3
—do— 400 Kv	8.0	6.5

(b) in clause (d), the word 'Ordinarily' shall be omitted ;

(c) in clause (e)(i), after the words baffle walls the words "of 4 Hour fire rating" shall be inserted ;

(d) for clause (f), the following clause shall be substituted, namely :—

"(f) (i) without prejudice to the above measures, adequate fire protection arrangement shall be provided for quenching the fire in the apparatus ;

(ii) Where it is necessary to locate the sub-station/switch station in the basement following measures shall be taken :—

(a) the room shall necessarily be in the first basement at the periphery of the basement ;

(b) The entrances to the room shall be provided with fire resisting doors of 2 hour fire rating. A curb (sill) of a suitable height shall be provided at the entrance in order to prevent the flow of oil from a ruptured transformer into other parts of the basement. Direct access to the transformer room shall be provided from outside.

(c) The transformer shall be protected by an automatic high velocity water spray system or by carbondioxide or BCF (Bromochlorodifluoromethane) or BTM (Bromotrifluoromethane) fixed installation system ; and

(iii) Oil filled transformers installed indoors shall not be on any floor above the ground or below the first basement."

12. After rule 64 of the said rules, the following rule shall be inserted, namely :—

"64A—The following additional provisions shall be observed where energy at high or extra high voltage is supplied, converted, transferred or used, namely:—

(1) Inter-locks.—Suitable inter-locks shall be provided in the following cases:—

- (a) Isolators and the controlling circuit breakers shall be inter-locked so that the isolators cannot be operated unless the corresponding breaker is in open position;
- (b) Isolators and the corresponding earthing switches shall be inter-locked so that no earthing switch can be closed unless and until the corresponding isolator is in open position;
- (c) Where two or more supplies are not intended to be operated in parallel, the respective circuit breakers or linked switches controlling the supplies shall be inter-locked to prevent possibility of any inadvertent paralleling or feed-back.
- (d) When two or more transformers are operated in parallel, the system shall be so arranged as to trip the secondary breaker of a transformer in case the primary breaker of that transformer trips;
- (e) All gates or doors which give access to live parts of an installation shall be inter-locked in such a way that these cannot be opened unless the live parts are made dead. Proper discharging and earthing of these parts should be ensured before any person comes in close proximity of such parts;
- (f) Where two or more generators operate in parallel and neutral switching is adopted, inter-lock shall be provided to ensure that generator breaker cannot be closed unless one of the neutrals is connected to the earthing system.

(2) Protection.—All systems and circuits shall be so protected as to automatically disconnect the supply under abnormal conditions.

The following protection shall be provided, namely:—

- (a) over current protection to disconnect the supply automatically if the rated current of the equipment, cable or supply line is exceeded for a time which the equipment, cable or supply line is not designed to withstand;
- (b) Earth fault/earth leakage protection to disconnect the supply automatically if the earth fault current exceeds the limit of current for keeping the contact potential within reasonable values;
- (c) Gas pressure type protection to give alarm and tripping shall be provided on all transformers of ratings 1000 KVA and above;
- (d) Transformers of capacity 10 MVA and above shall be protected against incipient faults by differential protection; and
- (e) All generators with rating of 100 KVA and above shall be protected against earth fault/leakage. All generators of rating 1000 KVA and above shall be protected against faults within the generator winding using restricted earth fault protection or differential protection or by both."

13. For rule 65 of the said rules, the following rule shall be substituted, namely:—

"65. Testing, Operation and Maintenance:—

- (1) Before approval is accorded by the Inspector under Rule 63 the manufacturer's test certificates shall, if required, be produced for all the routine tests as required under the relevant Indian Standard.

(2) No new HV or EHV apparatus, cable or supply line shall be commissioned unless such apparatus, cable or supply line are subjected to site tests as per relevant code of practice of the Indian Standards Institution.

(3) No HV or ETV apparatus, cable or supply line which has been kept disconnected, for a period of 6 months or more, from the system for alterations or repair shall be connected to the system until such apparatus cable or supply line are subjected to the relevant tests as per code of practice of Indian Standards Institution.

(4) Notwithstanding the provisions of sub-rule (1) to (3) (both inclusive) the Inspector may require certain additional tests to be carried out before charging the installations or subsequently.

(5) All apparatus, cables and supply lines shall be maintained in healthy conditions and tests shall be carried out periodically as per the relevant codes of practice of the Indian Standards Institution.

(6) Records of all tests, trippings, maintenance works and repairs of all equipments, cables and supply lines shall be duly kept in such a way that these records can be compared with earlier ones; and

(7) It shall be the responsibility of the owner of all HV and EHV installations to maintain and operate the installations in a condition free from danger and as recommended by the manufacturer and/or by the relevant codes of practice of the Indian Standards Institution and/or by the Inspector."

14. In rule 66 of the said rules, in sub-rule (1), the words "of a supplier" shall be omitted.

15. In rule 67 of the said rules, for sub-rule (1), the following sub-rules shall be substituted, namely:—

(1) All non-current carrying metal parts associated with HV/EHV installation shall be effectively earthed to a grounding system or mat which will:—

- (a) limit the touch and step potential to tolerable values;
- (b) limit the ground potential rise to tolerable values so as to prevent danger due to transfer of potential through ground, earth wires, cable sheath fences, pipe lines, etc.
- (c) maintain the resistance of the earth connection to such a value as to make operation of the protective device effective.

(1A) In the case of star-connected system with earthed neutrals or delta connected system with earthed artificial neutral point:—

- (a) The neutral point of every generator and transformer shall be earthed by connecting it to the earthing system as defined in Rule 61(4) and hereinabove by not less than two separate and distinct connections:

Provided that the neutral point of a generator may be connected to the earthing system through an impedance to limit the fault current to the earth;

Provided further that in the case of multi-machine system neutral switching may be resorted to, for limiting the injurious effect of harmonic current circulation in the system;

- (b) in the event of an appreciable harmonic current flowing in the neutral connection so as to cause interference with communication circuits, the generator or transformer neutral shall be earthed through a suitable impedance;

- (c) in case of the delta connected system the neutral point shall be obtained by the insertion of a grounding transformer and current limiting resistance or impedance wherever considered necessary at the commencement of such a system."

16. In rule 68 of the said rules, in sub-rule (1), for clause (a), the following clause shall be substituted, namely:—

"(a) Sub-stations and switch-stations shall preferably be erected above ground, but where necessarily constructed underground due provisions for ventilation and drainage shall be made and any space housing switchgear shall not be used for storage of any materials especially inflammable and combustible materials or refuse."

17. After rule 82 of the said rules, the following rule shall be inserted, namely:—

"82A—Transporting and Storing of material near overhead lines:—

(1) No rods, pipes or similar materials shall be taken below or in the vicinity of any bare overhead conductors or lines if they are likely to infringe the provisions for clearances under Rules 79 and 80, unless such materials are transported under the direct supervision of a competent person authorised in this behalf by the owner of such overhead conductors or lines;

(2) Under no circumstances rods, pipes or other similar materials shall be brought within the flash over distance of bare live conductors or lines; and

(3) No material or earth work or agricultural produce shall be dumped or stored or trees grown below or in the vicinity of bare overhead conductors lines so as to reduce the requisite safety clearances specified under Rules 79 and 80."

[CEB-305/26/PP-(3-82)/87]

CHARANJIT SINGH, Secy. CFB

शहरी विकास मंत्रालय

नई दिल्ली, 9 अप्रैल, 1987

सा. का. नि. 359.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के शहरी विकास मंत्रालय की अधिसूचना संख्या सा. का. नि. 1173, तारीख 29 नवम्बर, 1985 को, उन बातों के सिवाय अधिकारित करने हुए, जिन्हें ऐसे अधिकरण से पट्टे किया गया है या करने का लोप किया गया है, शहरी विकास मंत्रालय के अखीन प्रकाशन विभाग में समूह "घ" सराजपत्रित पदों पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम शहरी विकास मंत्रालय, प्रकाशन विभाग (समूह "घ" पद) भर्ती नियम, 1986 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों से उपाज्ज्ञ अनुसूची के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य अर्हताएँ :—उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएँ और उनके संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हता :—बहु व्यक्ति —

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पदों में से किसी पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :—

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अखीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार को यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या वर्गों के व्यक्तियों की बाबत, धादेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	अन्य पद अथवा अन्वयन पद	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा
1	2	3	4	5	6	7
1. सफाईवाला	*(12) (1976)	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "घ" सराजपत्रित पक्षित	750-12-870-द. रो.-14-940 रु. (पुनरीक्षित)	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	25 वर्ष

1	2	3	4	5	6	7
2. अधिक]	*(107) (1978)	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "घ" अराज- पक्षित	750-12-870-द. रो-14-940 रु. (पुनरीक्षित)	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	25 वर्ष
*कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।						

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए परीक्षा की अवधि यदि कोई हो
अर्हताएं विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नत
व्यक्तियों की दशा में लागू होगी या नहीं

9	10
1. कुछ नहीं	लागू नहीं होता
2. प्राथमिक स्कूल उत्तीर्ण	लागू नहीं होता
	2 वर्ष

भर्ती की पद्धति/सर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनिधित्व/स्यानान्तरण प्रोन्नति/प्रतिनिधित्व/स्यानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे
द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता प्रोन्नति/प्रतिनिधित्व/स्यानान्तरण किया जाएगा।

11	12
1. सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता
2. सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया
जाएगा।

13	14
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

1	2	3	4	5	6	7
3. चौकीदार, रात्रि पहर- दार और दरवान	*13+2 (13 रात्रि पहरदार और 2 दरवान) 1978 *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "घ" अराजपक्षित	750-12-870-द. रो. 14- 940 रुपये (पुनरीक्षित)	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	*25 वर्ष

8	9	10	11	12	13	14
(i) कुछ नहीं	लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
(ii) बांछनीय						
(क) होमगार्ड या नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवकरूप में 3 वर्ष सेवा की हो, और						

(ख) होमगार्ड और नागरिक सुरक्षा में कम से कम बुनियादी और पुनश्चर्चा पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण

1	2	3	4	5	6	7	8
4. चपरासी	*27 (1978)	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "घ" अराजपत्रित	750-12-870-र. रोज. - 14-940 रुपये (पुनरी-क्षण)	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	*25 वर्ष.	आवश्यक :- (i) किसी मान्यता-प्राप्त विद्यालय से मिडिल स्कूल उत्तीर्ण वाछनीय (ii) होमगार्ड या नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवक के रूप में 3 वर्ष सेवा की हो और

8	9	10	11	12	13	14
(ख) होमगार्ड और नागरिक सुरक्षा में कम से कम बुनियादी और पुनश्चर्चा पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण, उनका सिवाय जो ऐसा प्रशिक्षण ने ने में शारीरिक रूप से विकलांग हैं	लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा 75% स्थानांतरण द्वारा 25%	उसी वेतनमान वाले ऐसे समूह 'घ' कर्मचारियों में से जिन्होंने पांच वर्ष नियमित सेवा की है और जिनके पास प्रारम्भिक साक्षरता है, और जो अंग्रेजी या हिन्दी या किसी प्रादेशिक भाषा को पढ़ने की योग्यता का मूल्यांकन दे सकते हैं।	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

1	2	3	4	5	6
5. फराण	15 (1974)	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "घ" अराजपत्रित	750-12-870-र. रोज. - 14-940 र. (पुनरीक्षित)	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

7	8	9
*25 वर्ष	कुछ नहीं	लागू नहीं होता
		2 वर्ष सीधी भर्ती द्वारा लागू नहीं होता
		लागू नहीं होता
		लागू नहीं होता

1	2	3	4	5	6	7	8
6. पैकर	*16	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "घ" अराजपत्रित	750-12-870-र. रोज. - 14-960-र. (पुनरी-क्षित)	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	*25 वर्ष	किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय से मिडिल स्कूल उत्तीर्ण

9	19	11	12	13	14
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

1	2	3	4	5	6	7	8
7. क्लीनर सह	*1	साधारण केन्द्रीय	775-12-955-ज. भवयन	लागू नहीं होता	21 वर्ष से 28 वर्ष के बीच	(i) समस्त हैसियत में (केन्द्रीय सरकार द्वारा दो वर्ष का अनुभव समय समय पर जारी किए गए अनुदेश/आदेशों के अनुसार (ii) मोटर यान चलाने के लिए विधिवत कालन सरकारी सेवकों के लिए पांच वर्ष अनुष्ठित होनी तक शिथिल की जा सकती है। बाह्य	
ड्राइवर (1974)		सेवा समूह "ब" रो-14-1025-ब. भराजपत्रित (पुनरीक्षित)					
9	10	11	12	13	14	15	16
(i) आयु नहीं	2 वर्ष	शतप्रतिशत प्रोन्नति द्वारा जिसके तहत सको	750-12-970	द.रो.-14-940 के वेतन-			
(ii) अहंसाए : हां		पर, ड्राइविंग में, किसी कालन परीक्षण आधार पर सीधी भर्ती द्वारा		मान वाले ऐसे समूह "ब" कर्मचारी, जिनकी न्यूनतम 3 वर्ष की सेवा है, और जिनके पास मोटरयान चालने की विधिनाम्य अनुश्रुति है।			
13	14	15	16	17	18	19	20
समूह "ब" विभागीय प्रोन्नति समिति जिसमें निम्नलिखित होंगे:-						लागू नहीं होता	
1. प्रकाशन उप निर्यन्त्रक (प्रशासन) या उसकी अनुपस्थिति में प्रकाशन निर्यन्त्रक--अध्यक्ष							
2. प्रकाशन सहायक निर्यन्त्रक (प्रशासन)--सदस्य							
3. शहरी विकास मंत्रालय का अनुभाग अधिकारी या डेस्क अधिकारी (या शहरी विकास मंत्रालय द्वारा नामनिर्दिष्ट किया जाने वाला कोई बाहरी अधिकारी) --सदस्य							
4. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति का कोई अधिकारी जो सहयोगित नामनिर्दिष्ट किया जाएगा, यदि आवश्यक हो--सदस्य							
1	2	3	4	5	6	7	8
8. एकतरी	*28 (1978)	साधारण केन्द्रीय सेवा, सेवा, 775-12-955-ब.रो.- भवयन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता			
		समूह "ब" भराजपत्रित 14-1025 (पुनरीक्षित)					
8	9	10	11	12	13	14	15
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा	प्रोन्नति :- ऐसे उपरासी, जिनकी उस श्रेणी में 3 वर्ष की सेवा है, जिसके तहत हो सकने पर अन्य प्रवर्गों के अन्य समूह "ब" कर्मचारी प्रोन्नति ऐसे पैकर फराश बरबान राति-पहरेवार चौकीदार, श्रमिक और सफाईवाला, जो 750-940 ब. के वेतनमान में हैं और उस श्रेणी में 5 वर्ष सेवा की है, और जिनके पास मिथिल उत्तीर्ण शैक्षिक अहंसाए हैं।	समूह "ब" विभागीय प्रोन्नति समिति जिसमें निम्नलिखित होंगे:-	लागू नहीं होता	
					1. प्रकाशन उप निर्यन्त्रक (प्रशासन) या उसकी अनुपस्थिति में प्रकाशन निर्यन्त्रक --अध्यक्ष		
					2. प्रकाशन सहायक निर्यन्त्रक (प्रशासन) --सदस्य		
					3. शहरी विकास मंत्रालय का अनुभाग अधिकारी या डेस्क अधिकारी (या शहरी विकास मंत्रालय द्वारा नामनिर्दिष्ट किया जाने वाला कोई बाहरी अधिकारी) --सदस्य		

4. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति का कोई अधिकारी जो सहयोगित/नाम-निर्दिष्ट किया जाएगा, यदि आवश्यक हो—सदस्य

1	2	3	4	5	6	7
9. काउंटर	*3 (1974)	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "ब" अराजपक्षित	775-12-955-ब.रो. 1025 ब. (पुनरीक्षित)	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

8	9	10	11	12	13	14
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा प्रोन्नति: 740-12-870-ब.रो.-14 15-940-ग. के बतनमान वाले ऐसे समूह "ब" कर्मचारी जिन्होंने उस श्रेणी में 3 वर्ष सेवा की है और जो किसी मासिक प्राप्त विद्यालय से मिडिल उत्तीर्ण हैं।	समूह "ब" विभागीय प्रोन्नति समितियों जिस में निम्नलिखित होंगे:— 1. प्रकाशन उपनियंत्रक (प्रशासन), या उसकी अनुपस्थिति में प्रकाशन नियंत्रक—अध्यक्ष 2. प्रकाशन सहायक नियंत्रक (प्रशासन) —सदस्य 3. शहरी विकास मंत्रालय का अनुभाग अधिकारी या डेस्क अधिकारी (या शहरी विकास मंत्रालय द्वारा नामनिर्दिष्ट किया जाने वाला कोई बाहरी अधिकारी) —सदस्य	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

1	2	3	4	5	6	7	8	9
10. सरकार	1 (1974)	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "ब" अराजपक्षित	800-15-1010-ब.रो. प्रचयन 20-1150-(पुनरीक्षित)	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

10	11	12	13	14
2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा	प्रोन्नति:—ऐसे दफ्तरी, काउंटरी में से जिन्होंने उस श्रेणी में 3 वर्ष की सेवा की है और जो अपेक्षित प्रतिभूति देने और विहित बन्धन निष्पादन करने के लिये तैयार हैं।	समूह "ब" विभागीय प्रोन्नति समिति जिसमें निम्नलिखित होंगे:— 1. प्रकाशन उपनियंत्रक (प्रशासन) या उसकी अनुपस्थिति में प्रकाशन नियंत्रक—अध्यक्ष 2. प्रकाशन सहायक नियंत्रक (प्रशासन) —सदस्य 3. शहरी विकास मंत्रालय का अनुभाग अधिकारी या डेस्क अधिकारी (या शहरी विकास मंत्रालय द्वारा नाम निर्दिष्ट किया जाने वाला कोई बाहरी अधिकारी) —सदस्य 4. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति का कोई अधिकारी जो सहयोगित/नामनिर्दिष्ट किया जाएगा यदि आवश्यक हो—सदस्य	लागू नहीं होता

1	2	3	4	5	6	7	8	9
11. कतिष्ठ रेडियोफ ऑपरटर	6* (1974)	साधारण केन्द्रीय, सेवा समूह "घ" अराजपक्षित	800-15-1010 द.रो -20-1150 (पुनरीक्षित)	अक्षयन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
10	11		12		13		14	

2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा	प्रोन्नति : व्यवसाय परीक्षण में अर्हक होने के अधीन रहते हूये, ऐसे वफतरी काउंटर्स में से, जिन्होंने उस श्रेणी में 3 वर्ष सेवा की है।	समूह "घ" विभागीय प्रोन्नति समिति जिसमें निम्नलिखित होंगे:— 1. प्रकाशन उपनियंत्रक (प्रशासन) या उसकी अनुपस्थिति में प्रकाशन निर्वहक—अध्यक्ष 2. प्रकाशन सहायक निर्वहक (प्रशासन) —सदस्य 3. शहरी विकास मंत्रालय का अनुभाग अधि- या डेस्क अधिकारी (या शहरी विकास मन्त्रा- लय द्वारा नामनिर्दिष्ट किया जाने वाला कोई बाहरी अधिकारी) —सदस्य 4. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति का कोई अधिकारी जो सहयोगित/नामनिर्दिष्ट 5. किया जायेगा, यदि आवश्यक हो—सदस्य	लागू नहीं होता
--------	------------------	---	---	----------------

*कार्यभार के आधार पर रिक्तित्व किया जा सकता है।

टिप्पणी:— प्रायु सीमा अक्षधारित करने के लिये निर्णायक तारीख भारत में अस्वाभाविक (उत्पन्न या अस्तित्व और निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप में है) आवेदन
प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी। रोजगार कार्यालय के माध्यम से नियुक्ति की दशा में, प्रायु सीमा अक्षधारित करने के लिये
निर्णायक तारीख प्रत्येक मामले में वह अंतिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालय से नाम भेजने के लिए कहा गया है।

[सं. ए-12011/1/86-पी.बी.एन.]
बी.पी. चिल्डियाल, डेस्क अधिकारी
(प्रकाशन)

MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT

New Delhi, the 9th April, 1987

G.S.R. 359.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Notification No. GSR 1173, dated the 29th November, 1985 of the Government of India in the Ministry of Urban Development except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to Group 'D' Non-Gazetted Posts in the Department of Publication under the Ministry of Urban Development, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Ministry of Urban Development, Department of Publication (Group 'D' Posts) Recruitment Rules, 1986.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classifications and scale of pay.—The number of the said posts, their classifications and the scales of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment to the said posts, age limits, qualifications and other matters relating to the said posts, shall be as specified in columns 5 to 14 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualifications.—No person,—

- Who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to any of the said posts:

Provided that the Central Government, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Savings.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-serviceman and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules 1972	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7	8
Safaiwala	(a) 12	(1976) General Central Service Group 'D' Non-Gazetted.	Rs. 750-12-870-EB-14-940 (Revised)	Not applicable	Not applicable	5 years	Nil
2. Labourer	(a) 107 (1978)	General Central Service Group 'D' Non-Gazetted	Rs. 750-12-870-EB-14-940 (Revised)	Not applicable	Not applicable	*25 years	Primary School pass
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion deputation/ or transfer grades from which promotion deputation, or transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances which U.P.S.C. is to be consulted in making recruitment		
9	10	11	12	13	14		
Not applicable	2 years	By direct recruitment	Not applicable	Not applicable	Not applicable		
Not applicable	2 years	By direct recruitment	Not applicable	Not applicable	Not applicable		
1	2	3	4	5	6	7	8
3. Chowkidar, Nightwatchman and Durwan	(a) 13+2 (13 Night watch man and 2 Durwans (1978)	General Central Service Group 'D' Non-Gazetted.	Rs. 750-12-870-EB-14-910 (Revised)	Not applicable.	Not applicable	25 years	(i) Nil (ii) Desirable (a) 3 years' service as Home Guards or Civil Defence Volunteers; and (b) Training in at least 'Basic' and 'Refresher' courses in Home Guards and Civil Defence.
4. Peon	(a) 27 1978	General Central Service Group 'D' Non-gazetted.	Rs. 750-12-870-EB-14-940 (Revised)	Not applicable	Not applicable	*25 years	Essential ; (i) Middle School Pass from a Recognised School (ii) Desirable : (a) 3 years service as Home Guards or Civil Defence Volunteers; and

8

(b) Training in atleast 'Basic' and 'Refresher' Courses in Home Guards and Civil Defence, save in the case of those who are physically handicapped to undergo such training.

9	10	11	12	13	14
Not applicable	2 years	By direct recruitment	Not applicable	Not applicable	Not applicable
Not applicable	2 years	By direct recruitment	Transfer :	Not applicable	Not applicable
		75 % by Transfer 25 %	From Group 'D' employees in the same pay scale, who have rendered five years' regular service and possess elementary literacy and can give proof of ability to read either English or Hindi or a regional language.		

1	2	3	4	5	6	7	8
5. Farash	(a) 15 (1974)	General Central Service Group 'D' Non- Gazetted	Rs. 750-12- 870-EB-14- 940 (Revised)	Not applicable	Not applicable	*25 years	Nil.
6. Paoker	(a) 16	General Central Service Group 'D' Non- Gazetted.	Rs. 750-12- 870-EB-14- 940 (Revised)	Not applicable	Not applicable	*25 years	Middle School Pass of a recognised School
7. Cleaner-cum- Driver	(a) 1 (1974)	General Central Service Group 'D' Non- Gazetted	Rs. 775-12- 955-EB-14- 1025. (Revised)	No selection	Not applicable.	Between 21-28 years. (relaxable for Government servants by five years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government, from time to time).	(i) Experience for 2 years in similar capacity. (ii) Should possess valid driving licence for driving Motor Vehicle.

9	10	11	12	13	14
Not applicable	2 years	By direct recruitment	Not applicable	Not applicable.	Not applicable.
Not applicable	2 years	By direct recruitment	Not applicable	Not applicable	Not applicable
(i) Age : No.	2 years	100 % by promotion	Group 'D' employees in	Group 'D' Departmental	Not applicable
(ii) Qualification :		failing which by direct	the scale of Rs. 750-12-	Promotion Committee	
yes.		recruitment on the	870-EB-14-940 with a	consisting of the following:—	
		basis of a test in	minimum length of service	(i) Deputy Controller	
		driving.	of 3 years and possessing	of Publication (Administration) or in	
			a valid licence for driving	his absence	
			Motor Vehicle.		

15

- Controller of Publications—Chairman.
 2. Assistant Controller of Publications (Administration)—Member,
 3. Section Officer or Desk Officer of the Ministry of Urban Development or outside Officer to be nominated by the Ministry of Urban Development)—Member.
 4. An Officer from Scheduled Castes/Scheduled Tribes category to be co-opted nominated if need be.

1	2	3	4	5	6	7	8
Daftry	(a) 28 (1978)	General Central Service Group 'D' Non- Gazetted.	Rs. 775-12-955- EB-14-1025 (Revised)	Non- Selection	Not applicable	Not applicable	Not applicable

9	10	11	12	13	14
Not applicable	2 years.	By promotion	Promotion : Peons with 3 years' service in the grade falling which from other Group 'D' employees in other categories viz. Packers, Farash, Durwans, Nightwatch man/Chowkidar/Labourers and Safaiwalas in the scale of Rs. 750-940 having 5 years service in the grade and possessing the educational qualifications of Middle pass.	Group 'D' Departmental Promotion Committee consisting of :— (1) Deputy Controller of Publications (Administration) or in the absence Controller of Publications—Chairman (2) Assistant Controller of Publications (Administration)—Member (3) Section Officer or Desk Officer of the Ministry of Urban Development (or outside officer to be nominated by the Ministry of Urban Development)—Member. (4) An Officer from Scheduled Castes/Scheduled Tribes category to be co-opted nominated, if need be.	Not applicable

1	2	3	4	5	6	7	8
9. Counter	(a) 3 (1974)	General Central Service Group 'D' Non- gazetted.	Rs. 775-12- 955-EB-14- 1025 (Revised)	Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable

1	2	3	4	5	6	7	8
10. Sarkar	(a) 1 (1974)	General Central Service Group 'D' Non- gazetted.	Rs. 800-15-1010 EB-20-1150 (Revised)	Non- Selection	Not applicable	Not applicable	Not applicable
9	10	11	12	13	14		
Not applicable	2 years	By promotion	Promotion : Group 'D' employees in the scale of Rs. 750- 12-870-EB-14-940. with 3 years service in the grade who are Middle Pass from a recognised School.	Group 'D' Departmental Promotion Committee consisting of : 1. Deputy Controller of Publications (Admini- stration) or in his absence Controller of Publications—Chairman. 2. Assistant Controller (Administration) —Member 3. Section Officer/Desk Officer of the Ministry of Urban Develop- ment (or outside officer to be nominat- ed by the Ministry of Urban Development) —Member. An Officer from Scheduled Castes/ Scheduled Tribes category to be co- opted/nominated if need be.	Not applicable		
Not applicable	2 years	By promotion	Promotion : From amongst Daftry, Counters with 3 years' service in the grade and who are prepared to furnish the requisite security and to execute the prescribed bond.	Group 'D' Departmental Promotion Committee consisting of: 1. Deputy Controller of Publications (Admini- stration) or in his absence Controller of Publications—Chairman 2. Assistant Controller of Publications (Administration) —Member 3. Section Officer/Desk Officer of the Ministry of Urban Develop- ment (or outside officer to be nomina- ted by the Ministry of Urban Development) —Member. 4. An officer from Scheduled Castes/ Scheduled Tribes category to be co- opted/nominated, if need be.	Not applicable		

1	2	3	4	5	6	7	8
11. Junior Addressograph (1974) Operator	*6	General Central Service Group 'D' Non-gazetted	Rs. 800-15-1010-EB-20-1150.	Non-selection	Not applicable	Not applicable	Not applicable
9	10	11	12	13	14		
Not applicable	2 years.	By promotion	Promotion : Daftary, Counters with 3 years service in the grade and subject to qualifying in trade test.	Group 'D' Departmental Promotion Committee consisting of :— 1. Deputy Controller of Publications (Administration) or in his absence Controller of Publications —Chairman. 2. Assistant Controller of Publications (Administration) —Member 3. Section Officer or Desk Officer of the Ministry of Urban Development (or outside officer to be nominated by the Ministry or Urban Development) —Member 4. An Officer from Scheduled Castes/ Scheduled Tribes category to be co-opted/ nominated if need be.	Not applicable		

*Subject to variation dependent on workload.

Note:— The crucial date for determining age limit shall be closing date for receipt of applications from candidates in India (Other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). In case of appointment through Employment Exchanges, the crucial date shall in each case be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit names.

[No. A-12011/1/86-PBN]
P. GHILDYAL, Desk Officer (PBN)

(शहरी विकास प्रभाग)

नई दिल्ली, 16 अप्रैल, 1987

शा. का. नि. 360 :- राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक्त द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, शहरी विकास संचालन के अधीन डिजाइन प्रक्रिया में योजना सहायक के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :— (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम शहरी विकास संचालन डिजाइन प्रक्रिया (योजना सहायक) भर्ती नियम, 1987 है।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :— उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उनका वेतनमान वह होगा जो इन नियमों से उद्भव प्रतुक्ती के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट है।
- भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं आदि :— उक्त पद पर भर्ती की पद्धति आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त प्रतुक्ती के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट हैं।
- निराहता :— वह व्यक्ति :—
(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी अन्य व्यक्ति से विवाह किया है,
उक्त पदों पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :—

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगा।

5. शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह शक्ति है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा सब लोक सेवा आयोगों से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी बर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, प्रारम्भ द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति :—इस नियमों की कोई बात, ऐसे घातकों, आधु-सीमा में छूड़ और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकासी गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रकाश के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बैतनमान	समय पद अथवा अवकाश पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्ति- तयों के लिए प्राप्ति सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (बैशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन प्रयोज्य है या नहीं
1	2	3	4	5	6	7
योजना सहायक	3* (1987) *कार्यभार के "ख" आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह भराजयजित अनु-सचिवीय	1640-60-2800-ए. रो.-75-2900	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	नहीं
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित शैक्षिक अर्हताएं प्रोक्त व्यक्तियों की वशा में लागू होगी या नहीं	परिबीक्षा की अवधि यदि कोई हो				
8	9	10				
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता				
भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा।					
11	12					
प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा (प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के या किसी संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काष्ठ बाहुम पद पर नियुक्ति/प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी।	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों के मुख्य ऐसे अधिकारी:— (1) जो नियमित आधार पर सवृण पद धारण करते हैं या (2) जिन्होंने 1400-2300 रुपये या समतुल्य बैतनमान वाले पदों पर 5 वर्ष नियमित सेवा की है। 2. जिनके पास नीचे विहित शैक्षिक अर्हताएं भार अनुमन ह:— (क) (1) किसी माय्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से स्थापत्य में 'इटर-मीडिएट या समतुल्य (2) योजना या स्थापत्य कार्यालय में डिजाइन गृह निर्माण अधिष्ठाता, योजना सर्वेक्षण सागत प्राक्कलन आदि में 2 वर्ष का अनुभव; (ख) (1) सिविल इंजीनियरी या नगरपालिका इंजीनियर में डिप्लोमा (3 वर्षीय) या समतुल्य अर्हता (2) नगर योजना, निर्माण संबंधी उपविधि जोन संबंधी विनियम और नियंत्रण आदि का ज्ञान।					

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी सख्तना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा

13

14

सागू नहीं होता

किसी अधिकारी की प्रतिनिधित्व पर नियुक्ति के लिए ज्वन करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

[स. ए.-12018/1/83--एल.ओ.(जी. प्रो. I)]

एत. वता, प्रवर सचिव

(UD Division)

New Delhi, the 16th April, 1987

G.S.R. 360.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Planning Assistant in the Design Cell under the Ministry of Urban Development, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Design Cell of the Ministry of Urban Development (Planning Assistant), Recruitment Rules, 1987.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay : The number of post, its classification and scale of pay attached thereto shall be as specified in columns (2) to (4) of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns (5) to (14) of the said Schedule.

4. Disqualification : No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post :

provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax : Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving: Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-Selection post	Age limit for direct recruits
1	2	3	4	5	6
Planning Assistant	3* (1987)	General Central Service Group 'B' Non-Gazetted, Ministerial.	Rs. 1640-60-2600-EB-75-75-2900	Not applicable	Not applicable
	*Subject to variation dependent on Work-load.				
Whether benefit of added years of Service admissible under rule 30 of the C.C.S. (Pension Rules, 1972)	Educational and other qualifications required for direct recruits	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation if any	Method of rectt. whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods.	
7	8	9	10	11	
No	Not applicable	Not applicable	Not applicable	By transfer or deputation.	

In case of rectt. by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.

If a DPC exists, what is its composition

Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making rectt.

12

13

14

Transfer on deputation
Officers under the Central/State Govt. :—
I. (i) holding analogous posts on a regular basis; or
(ii) with 5 years' regular service in posts in the scale of Rs. 1400-2300 or equivalent; and
II. possessing the educational qualifications and experience prescribed as under:—
A(i) intermediate in Architecture from a recognised University/Institution or equivalent.
(ii) 2 years' experience in a planning or Architectural Office in Design Housing Layouts, planning surveys Cost estimates etc.

OR

B(i) Diploma (3 years) in Civil Engineering or Municipal Engineering or equivalent qualifications.
(ii) Knowledge of Town Planning, Building by-laws, Zoning Regulation and Control etc.
(Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department of the Central Government shall ordinarily not exceed 3 years).

Consultation with the Commission necessary while selecting an officer for a appointment on deputation.

[No. A-12018/1/83-LD(DOI)]
S. DATTA, Under Secy.

संचार मंत्रालय

(दूरसंचार विभाग)

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 1987

सा. का. नि. 361 :—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारतीय डाक और सार विभाग (कार्पोरेट) भर्ती नियमावली, 1959 के अतिरिक्त में, ऐसे अतिरिक्त से पूर्व की गई या हटाई जाने वाली महत्वपूर्ण बातों के अलावा राष्ट्रपति एतद्वारा दूरसंचार विभाग में कार्पोरेट ग्रेड-I और कार्पोरेट ग्रेड-II के लिए भर्ती की प्रक्रिया को संचालित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ :—(1) इन नियमों को दूरसंचार विभाग (कार्पोरेट ग्रेड-I और कार्पोरेट ग्रेड-II) भर्ती नियम 1987 कहा जाए।

2. ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

(2) आवेदन:—ये नियम इन नियमों के साथ संलग्न अनुसूची के कालम 1 में निर्दिष्ट पदों पर लागू होंगे।

(3) पदों की संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—पदों की संख्या उनका वर्गीकरण और सम्बन्ध वेतनमान वही होगा जैसा कि अनुसूची के कालम 2 से 4 में निर्धारित किया गया है।

(4) भर्ती का तरीका, आयु सीमा और अन्य अर्हताएं :—भर्ती का तरीका, आयु सीमा, अर्हताएं और इससे सम्बन्ध अन्य बातें उक्त अनुसूची के कालम 5 से 13 में दी गई हैं।

(5) अयोग्यता :—कोई भी ऐसा व्यक्ति, (i) जिसने किसी ऐसे अन्य व्यक्ति के साथ विवाह कर लिया हो या विवाह का करार किया हो जिसके पहले ही एक जीवित पति/पत्नी हो, अथवा

(ii) जिसने पति/पत्नी के जीवित रहते किसी अन्य व्यक्ति के साथ विवाह कर लिया हो, अथवा विवाह का करार किया हो,

उक्त पदों पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु केन्द्रीय सरकार, यदि उसे इस बात से सन्तोष हो जाए कि ऐसे व्यक्ति और दूसरी पार्टी को वैयक्तिक कानून के अधीन विवाह की अनुमति दी जा सकती है तो इस नियम के लागू होने से किसी व्यक्ति को छूट दे सकती है।

(6) छूट देने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार को यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह उसके लिए जो कारण हैं उन्हें ब्यक्त करके, आदेश द्वारा किसी वर्ग या श्रेणी के व्यक्तियों को बावत छूट दे सकेगी।

(7) अपवाद :—इन नियमों की किसी भी बात का प्रभाव उन प्रावधानों और अन्य रियायतों पर नहीं पड़ेगा, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, भूतपूर्व सैनिक और अन्य विशेष श्रेणियों के व्यक्तियों को दिए जाने होते हैं।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बेतननाम	क्या चयन पद है अथवा गैर चयन पद	सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा	क्या केन्द्रीय सिविल सेवा नियम 1982 के नियम सेवा में दिये गये प्रतिपाद मिल सकता है
1	2	3	4	5	6	7
कार्पोरेटर ग्रेड-II	67*	सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप "ब" अनुसूचितीय श्रेणी में	रु. 800-15-1010- द. री०-20-1150	लागू नहीं	समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गये आदेशानुसार 18 से 25 वर्ष के बीच सरकारी कर्मचारियों के लिए 35 वर्ष की आयु तक की रियायत। नोट :—(1) भारत में अभ्यर्थियों से प्राप्त आवेदन पत्रों के लिए आयु सीमा निर्धारित तारीख ही प्राथमिकी तारीख होगी (अग्नेमान, निजो-बार डीप और लज्जती के अभाव)। (2) रोजगार कार्यालय द्वारा की गई भर्ती के मामलों में रोजगार कार्यालय द्वारा पूछे गए नाम के लिए आयु-सीमा की निर्धारित तारीख ही प्राथमिकी तारीख होगी।	लागू नहीं होता

सीधी भर्ती के लिए शैक्षणिक और अन्य शर्तें

क्या सीधी भर्ती के लिए निर्धारित आयु एवं परीक्षा का अंतिम शैक्षणिक योग्यता पदोन्नति और स्वातंत्र्य के मामलों में भी लागू होगी ?

7	8	9
आवश्यक :—	लागू नहीं होता	2 वर्ष

- (1) अभ्यर्थी सामान्य भाषा को लिखने और पढ़ने में समर्थ होना चाहिए।
- (2) विभिन्न प्रकार के डिम्बर की जानकारी और उपयुक्त कार्य के लिए डिम्बर छांटना तथा डिम्बर में पाये गये दोषों को ढूँढना आता हो।
- (3) सामान्य बड़ई कार्य कर सकता है।
- (4) सरकारी कार्यालय/मायला प्राप्त कर्म में एक वर्ष का अनुभव।

नोट :—अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के मामले में समर्थ प्राधिकारी की स्वच्छता पर अनुभव के विषय में छूट दी जा सकती है अगर किसी भी स्थिति में समर्थ प्राधिकारी की राय में आरक्षण पत्रों को भरने के लिए इन समुदायों से अपेक्षित अनुभव प्राप्त अभ्यर्थियों की पर्याप्त संख्या उपलब्ध नहीं है।

वांछनीय :—

8वीं कक्षा पास और आई टी आई से कार्य में प्राप्त प्रमाणपत्र रखने वालों को प्राथमिकता दी जाएगी।

ीका, सीधी भर्ती प्रथम पदोन्नति/प्रति-
तिरण और विभिन्न तरीकों से भरे जाने
वे रिक्त स्थानों का प्रतिपाद।

यदि भर्ती पदोन्नति
प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण
द्वारा होती है तो किस
ग्रेड से पदोन्नति/प्रति-
नियुक्ति/स्थानांतरण
किया जाएगा

विभागीय पदोन्नति समिति का गठन

वे परिस्थितियाँ जिनमें संघ
लोक सेवा आयोग से भर्ती के
लिए परामर्श लेना है

10	11	12	13
सीधी भर्ती द्वारा 100 प्रतिशत नोट : सीधी भर्ती निम्नलिखित स्तरों द्वारा भरी जाएगी।	लागू नहीं होता	ग्रुप "ब" की विभागीय पदोन्नति समिति (पुष्टि के लिए) में निम्नलिखित सदस्य हैं : 1. सचिव अध्यक्ष द्वारा मनोनित दूर संचार विभाग का ग्रुप ("काका" अधिकारी अध्यक्ष। 2. सचिव अध्यक्ष द्वारा मनोनित दूर संचार विभाग का ग्रुप "बी" के अधिकारी सदस्य।	लागू नहीं होता
(1) विभाग में 2 वर्ष तक लगातार या कम से कम 240 दिन तक बर्द्ध के काम को कर रहे कुशल और अर्द्धकुशल नैमित्तिक भजपुरों में से अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा या			
(2) रोजगार कार्यालय द्वारा			
(2) खुले विज्ञापन द्वारा			

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	क्या भयन पद है अथवा गैर-भयन पद	सीधी भर्ती के लिए आयु-सीमा	क्या केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम 1972 के नियम 30 के अन्तर्गत सेवा में विराम पाये 6 प्रतिशत वर्षों का (साथ)
1	2	3	4	5	6	6क
कार्पेन्टर ग्रेड 1	3*	सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप 'ग', अनुसूचित वर्ग अराजक	950-20-1150-ब.रो.-25-1500 रुपये	अयनपद	समय समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गये आदेशानुसार 18 से 25 वर्ष के बीच सरकारी कर्मचारियों के लिए 35 वर्ष की आयु तक की रियायत।	लागू नहीं होता
	* (कार्यभार धटने बढ़ने पर पदों की संख्या में परिवर्तन हो सकता है)				नोट : 1. भारत में अभ्यर्थियों से प्राप्त आवेदन पत्रों के लिए आयु सीमा की निर्धारित तारीख ही आखिरी तारीख होगी (अण्डमान, निकोबार द्वीप और लक्षद्वीप के अलावा) 2. रोजगार कार्यालय द्वारा की गई भर्ती के मामले में रोजगार कार्यालय द्वारा पूछे गये नाम के लिए आयुसीमा की निर्धारित तारीख ही आखिरी तारीख होगी।	

भर्ती के लिए शैक्षणिक और अन्य अर्हताएं	क्या सीधी भर्ती के लिए निर्धारित आयु एवं शैक्षणिक योग्यता पदोन्नति और स्थानांतरण के मामलों में भी लागू होती है	परिबीमा की अवधि
7	8	9
(1) 8 वीं कक्षा या इसके समकक्ष कक्षा पास	नहीं	2 वर्ष
(2) कार्य का आई टी आई से प्राप्त प्रमाणपत्र		
(3) कार्य में 3 वर्ष का अनुभव		
(4) विभिन्न प्रकार के टिम्बर की जानकारी और उपयुक्त कार्य के लिए टिम्बर छांटना तथा टिम्बर में पाये गये दोषों को छूटना आता है।		
(5) विभिन्न नौकरी के लिए अपेक्षित सामग्री का अनुसूचित प्राक्कलन तैयार करने में समर्थ होना चाहिए।		
नोट : अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के मामले में समर्पण प्राधिकारी की स्वेच्छा पर अनुभव के विषय में छूट दी जा सकती है अगर किसी भी स्थिति में समर्पण प्राधिकारी की राय में अपेक्षित पदों को भरने के लिए इस समुदायों से अपेक्षित अनुभव प्राप्त अभ्यर्थियों की पर्याप्त संख्या उपलब्ध नहीं है।		

भर्ती की तरीका, सीधी भर्ती अथवा पदोन्नति/ यदि भर्ती पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण अथवा विभागीय पदोन्नति है तो उसका वे परिस्थितियों जिनमें संघ प्रतिनियुक्ति स्थापना और विभिन्न तरीकों से द्वारा होती है तो किस ग्रेड से पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जायगा। गठन लोक सेवा आयोग से भर्ती के लिए परामर्श लेना है

10	11	12	13
60 प्रतिगत पदोन्नति द्वारा 40 प्रतिगत सीधी भर्ती	कार्पेन्टर ग्रेड-II ग्रेड में कम से कम पांच वर्ष की नियमित सेवाएं।	यूप ग की विभागीय पदोन्नति समित में निम्नलिखित सदस्य हैं : 1. कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड का एक ग्रेड 'क' का अधिकारी—अध्यक्ष। 2. सक्लि/जिला अध्यक्ष द्वारा मनोनीत दूर संचार ग्रेड 'क' का अधिकारी—सदस्य। 3. सक्लि/जिला अध्यक्ष द्वारा मनोनीत दूरसंचार विभाग का एक ग्रेड 'ख' का अधिकारी—सदस्य।	लागू नहीं होता

(सं. 71/1/83-एन.सी.जी.)

एल. गवेषन, सहायक महानिदेशक (एम पी टी)

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(Department of Telecommunications)

New Delhi, the 22nd April, 1987

G.S.R. 361.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Posts and Telegraphs (Carpenter) Recruitment Rules, 1959, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the posts of Carpenter Grade-II and Carpenter Grade-I in the Department of Telecommunications, namely:—

1. Short title and commencement : (1) These rules may be called the Department of Telecommunications, (Carpenter Grade-II and Carpenter Grade-I) Recruitment Rules, 1987.

(2) They shall come into force on the date of their publications in the official Gazette.

2. Application:—These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the schedule annexed to these rules.

3. Number of posts, classification and scales of pay:—The number of posts, their classification and the scales of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said posts shall be as specified in columns 5 to 13 of the schedule aforesaid.

5. Disqualifications.—No person,—

(i) who has entered into or contracted a marriage with a person, having a spouse living, or

(ii) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to any of the said posts:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax:—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

7. Saving:—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-Servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for Direct recruits	Whether the benefit of added years of service is admissible under rule 30 of the [C.C.S. (Pension) Rules 1972]
1	2	3	4	5	6	6-A
Carpenter Grade-II.	67* *Subject to variation depending on workload.	General Central Service Group 'D' Non-Ministerial, Non-Gazetted.	Rs. 800-15-1010-EB-20-1150.	Not applicable.	18-25 years (Relaxation for Government servants up to 35 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government from time to time).	Not applicable.

Note : (i) The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).

(ii) In the case of recruitment made through the Employment Exchange the crucial date for determining the age limit shall be the last date up to which the Employment Exchange is asked to submit names.

Educational and other qualifications required for direct recruits

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees/transferees

Period of probation

7

8

9

Essential : Candidates should—

Not applicable

Two years

- (i) be able to read and write the local language.
- (ii) have a fair knowledge of various kinds of timber and should be able to select timber for suitable jobs and also able to detect defects in timber.
- (iii) be able to undertake general carpentary work.
- (iv) have one year's experience in a firm of repute/Government Office.

Note :—The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the Competent Authority in the case of candidates belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes if at any stage Competent Authority is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

Desirable :—Preference will be given to those who are VIII standard pass and have a certificate from I.T.I. in the trade.

Method of Recruitment whether by direct recruitment or by promotion/Deputation/Transfer and percentage of vacancies to be filled up by various methods

In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/transfer/deputation to be made

Composition of Departmental Promotion Committee

Circumstances in which the UPSC is to be consulted in making the recruitment

10

11

13

100% by direct recruitment.

Not applicable

DPC for confirmation of direct recruitment Group

Note : Direct recruitment shall be made from the following sources :—

- (i) The candidates will be selected from amongst the skilled and semi-skilled casual labour performing the duties of carpenters with a minimum of 240 days of service in two consecutive year in the department, failing which,
- (ii) through Employment Exchange, failing which,
- (iii) through an open advertisement.

'D' DPC (for confirmation consisting of :
Group 'A' officer of Telecom. Deptt. to be nominated by Head of Circle—Chairman.

(ii) Two Group 'B' officers of Telecom. Deptt. to be nominated by Head of Circle—Members.

SCHEDULE

Name of the posts	Number of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Whether the benefit of added years of service is admissible under Rule-30 of CCS (Pension) Rules, 1972
1	2	3	4	5	6	6-A
Carpenter Grade-I.	37* *Subject to variation depending on workload.	General Central Service Group 'C' Non-Ministerial, Non-Gazetted.	Rs. 950-20-1150-EB-25-1500.	Selection	18-25 years (relaxation for Government servants up to 35 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government from time to time).	Not applicable
<p>Note : (i) The crucial date for determining the age limit shall be closing date for receipt of application from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).</p> <p>(ii) In the case of recruitment made through Employment Exchange the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchange is asked to submit names.</p>						

Educational and other qualifications required for direct recruits	Whether age and Educational qualification prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees/transferees	Period of probation
7	8	9
(i) VIII standard pass or its equivalent.	No	Two years
(ii) I.T.I. certificate in the trade.		
(iii) Three years experience in the trade.		
(iv) Candidates should have a fair knowledge of various kind of timber and should be able to select the timber for the suitable jobs and also able to detect the defects in the timber		
(v) Candidates should be able to prepare approximate estimates of materials required for different jobs.		
<p>Note :—The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the Competent Authority in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if at any stage of selection the competent Authority is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.</p>		

Method of Recruitment whether by direct recruitment or by promotion/deputation/transfer and percentage of vacancies to be filled up by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfers, grade from which promotion/deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which the UPSC is to be consulted in making recruitment
10	11	12	13
60% by promotion 40% by direct recruitment.	Promotion : From carpenters Grade-II who have put in at least five years of regular service in the grade.	Group 'C' D.P.C. comprising : (i) One Group 'A' officer of Telecom. Deptt. of Jr. Administrative Grade—Chairman. (ii) One Group 'A' officer of Telecom. Deptt. to be nominated by Head of Circle/District—Member (iii) Group 'B' Officer of Telecom. Deptt. to be nominated by Head of Circle/District—Member	Not applicable
[No 71/1/83-NCG] L. GANESAN, Asstt. Director General (MPT)			

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 1987

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 3rd April, 1987

भा. का नि. 362—संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्पर द्वारा प्रदान शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा भारतीय रेल (विधि अधिकारी, मेट्रो रेलवे, कलकत्ता) भर्ती नियम, 1980 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्—

1. (1) ये नियम भारतीय रेल (विधि अधिकारी, मेट्रो रेलवे, कलकत्ता) भर्ती (संशोधन) नियम, 1987 कहलायेंगे।
(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय रेल (विधि अधिकारी, मेट्रो रेलवे, कलकत्ता) भर्ती नियम, 1980 की अनुसूची में—

(क) कालम 4 की प्रविष्टि के लिए, निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाए, अर्थात्—

“3700-125-4700-150-5000 रु.”

(ख) कालम 11 की प्रविष्टियों के लिए, निम्नलिखित प्रविष्टियाँ

“प्रति स्थापित की जाएंगी अर्थात्—

“प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण”

केन्द्रीय “राज्य सरकारों के अधिकारी—

(क) (i) नियमित आधार पर समतुल्य पद धारित किये हुए, या

(ii) 3000-5000 रु. या समतुल्य वेतनमान के पदों पर तीन वर्ष की नियमित सेवा, या

(iii) 3000-4500 रु. या समतुल्य वेतनमान के पदों पर पाँच वर्ष की नियमित सेवा, और

(ख) निम्नलिखित प्रहरीताएँ रखना हों—

(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय या समकक्ष के विधि में डिग्री।

(ii) वाणिज्यिक दायों में संबंधित मुकदमों के निपटान का अनुभव

(iii) उच्चतर माध्यमिक या उच्चपरीक्षा में बंगाली एक वैकल्पिक विषय के रूप में

केन्द्रीय सरकार के उसी विभाग में भ्रमण अथवा किसी संगठन/विभाग में प्रतिनियुक्ति की अवधि इस नियुक्ति से तत्काल पहले अन्य संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि सहित चार वर्ष से अधिक नहीं होगी।

मुख्य नियम दि. 22 दिसम्बर, 1980 की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 1067 के अधीन प्रकाशित कर दिये गये थे। इन्हें इससे पहले संशोधन नहीं किया गया है—

[सं. 86-ई/जीआर/1/30/1]

भार. रामनाथन, संयुक्त निदेशक,
स्था. जी (भार)

G.S.R. 362.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution the President makes the following rules to amend the Indian Railways (Law Officer, Metro Railways, Calcutta) Recruitment Rules, 1980, namely:—

1. (1) These rules may be called the Indian Railways (Law Officer, Metro Railways, Calcutta) Recruitment (Amendment) Rules, 1987.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Indian Railways (Law Officer, Metro Railways, Calcutta) Recruitment Rules, 1980:—

(a) for the entry under column 4, the following entry shall be substituted namely:—

“Rs. 3700-125-4700-150-5000”.

(b) for the entries under column 11, the following entries shall be substituted, namely:—

“Transfer on deputation”.

Officers of Central/State Government—

(a) (i) holding analogous posts on regular basis; or

(ii) with 3 years' regular service in posts in the scale of Rs. 3000-5000 (Rs.) or equivalent; or

(iii) with 5 years' regular service in posts in the scale of Rs. 3000-4500 (Rs.) or equivalent; and

(b) Possessing the following qualifications—

(i) Degree in Law from a recognised University or equivalent.

(ii) Experience of dealings with litigations connected with commercial claims.

(iii) Passed High School or any Examination Higher than High School through Bengali Medium or offered Bengali as an elective subject in Higher Secondary or higher Examination.

(Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department of the Central Government shall not exceed 4 years).

Principal rules were published vide Notification No. G.S.R. 1067, dated the 22nd September, 1980. The same have not been amended earlier.

[No. 86-E/GR/1/30/1]

R. RAMANATHAN, Jt. Director, Estt. G(R)